दैनिक जागरण

वर्ष 69 अंक 108 पृष्ठ 12
भोपाल, गुरुवार 15 जनवरी, 2026
माघ कृष्ण पक्ष 12, विक्रम संवत् 2082
महानगर मूल्य 5 रुपए
www.dainikjagranmpcg.com

73 लाख श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी
प्रयागराज में चल रहे माघ मेले के दौरान मकर संक्रांति पर्व से पहले बुधवार सुबह 9 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान किया। अधिकारियों के मुताबिक, सुबह 6 बजे तक भारी भीड़ घाटों पर उमड़ पड़ी। बुधवार शाम तक करीब 73 लाख श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए मेले में 10 हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन के लिए 42 अस्थायी पार्किंग स्थल भी बनाए हैं। मकर संक्रांति का मुख्य स्नान गुरुवार को होगा।

ऑफ बीट

दुनिया का सबसे खौफनाक मसाज!

मसाज रिलैक्स करने के लिए लिया जाता है। अब इतने सारे स्पा सेंटर खुल गए हैं, जो अलग-अलग तरह के मसाज देते हैं। कहीं आपको थाई मसाज मिल जाएगा, तो कहीं किसी और तरह के मसाज की सुविधा, लेकिन क्या अपने दुनिया के सबसे खतरनाक मसाज सर्विस को देखा है? इसे कहते हैं डाव लियो। ये धारदार चाकू से होने वाला मसाज है, इसमें किचन के नाइफ से लोगों को मसाज दी जाती है। एक मोटे चादर या तौलिये से सरफेस को कवर किया जाता है और फिर चाकू से वार किया जाता है। देखने में भले ही ये खतरनाक नजर आता है, लेकिन इसे करवाने वालों का दावा है कि ये पुराने से पुराना दर्द खत्म कर देता है।

प्रतिबंधित चाइनीज मांझे से प्रदेश में 19 के गले कटे, दो की मौत

इधर, उप्र में डॉक्टर का गला कटने से मौत, कर्नाटक में बाइकर की गई जान

जागरण, प्रांतीय डेस्क। मध्य प्रदेश में मकर संक्रांति पर चाइनीज मांझे की चपेट में आने से 19 लोग घायल हो गए। इनमें कई की गर्दन कटने से उनकी हालत गंभीर है। प्रदेश के इंदौर सहित मालवा-निमाड़ में बुधवार को 17 लोग घायल हुए। इंदौर में 4 की गर्दन कटी, उज्जैन में 6, महू में 3, शाजापुर में एक और देवास में तीन लोग हादसे का शिकार हुए। यह सब उस वक्त हुआ, जब प्रशासन चाइनीज मांझे पर सख्ती के बड़े-बड़े दावे कर रहा था। पुलिस केवल आसमान में उड़ती पतंगों को निहारती रही। नर्मदापुरम में एक कर्मचारी घायल हुआ, जबकि इटारसी में एक छात्र की गर्दन कट जाने से उसकी दशा गंभीर है। इधर, रीवा और पन्ना में एक-एक बच्चों की मौत हो गई।

जानलेवा साबित हो रहे चाइनीज मांझे पर रोक लगाने के लिए प्रदेश के हर जिले बिक्री-स्टॉक प्रतिबंधित किया गया है। कुछ जिलों में तो इसके उपयोग को भी अपराध की श्रेणी में रखा गया है। इसके बावजूद संक्रांति पर बुधवार को हर जिले में बेधड़क इस्तेमाल किया गया। इससे सड़क चलते लोग मांझे की चपेट में आने से घायल हो गए। सर्वाधिक चार लोग इंदौर में घायल हुए। इंदौर के भंवरकुआं थाना क्षेत्र के तीन इमली इलाके में बाइक से जा रहे हेमराज चौरसिया का ■ शेष पृष्ठ 9 पर

उज्जैन में महिला के दोनों पैरों में लगा कट

उज्जैन में भी प्रतिबंधित चाइनीज मांझा ने सड़क चलते दो लोगों को घायल कर दिया। दोनों को चरक भवन अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक घटना उज्जैन के उन्हेल-नागदा बायपास में हुई, जहां रतलाम निवासी अंतर बंजारा (28) के गले में बाइक से जाते समय मांझा उलझ गया। उसे आठ टांके आए हैं। वहीं सब्जी खरीदने निकलीं उज्जैन के फाजलपुरा नगरकोट निवासी सीमा (45) के दोनों पैरों में आकर मांझा लिपट गया। उनके दोनों पैरों में गंभीर कट लगे और एक पैर में सात टांके आए हैं।

रीवा: हाईटेंशन की चपेट में आने से किशोर की मौत

रीवा के बिछिया थाना क्षेत्र स्थित चौरसिया कॉलोनी में पतंगबाजी के दौरान एक किशोर हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। पड़ोसी तत्काल उसे संजय गांधी अस्तपाल ले गए, जहां इलाज के दौरान किशोर ने दम तोड़ दिया। घटना के समय बच्चे का परिवार मेला देखने गया था। आसपास के बच्चे एक साथ छत पर पतंग उड़ा रहे थे, तभी 15 वर्षीय कुश चौरसिया लोहे की रॉड लेकर पतंग निकालने लगा, लोहे की रॉड छत के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन में फंस गई। एचटी लाइन से टच होते ही रॉड में फैले करंट की चपेट में आया बच्चा बुरी तरह झुलस गया। बच्चे की मौत से पर्व की उमंग मातम में बदल गई। वहीं इटारसी में पतंगबाजी के दौरान 24 वर्षीय शुभम शर्मा चाइनीज मांझे से गंभीर रूप से घायल हो गए। आजाद पंजा चौराहा के पास बाइक से जाते समय उनके गले में डेढ़ इंच गहरा घाव हुआ।

जौनपुर में चाइनीज मांझे से कटा डॉक्टर का गला, मौत

जौनपुर, जेएनएन। उप्र के जौनपुर में बुधवार को चाइनीज मांझे से एक डॉक्टर की गर्दन कट गई। इस हादसे में कुछ ही सेकंड में उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना लाइन बाजार थाना क्षेत्र के पचहटिया गांव के पास प्रसाद इंटरनेशनल स्कूल के सामने घटी। केराकत कोतवाली क्षेत्र के शेखजादा निवासी डॉ. समीर हाशमी हड्डी रोग विशेषज्ञ थे। क्षेत्र में ही उनकी क्लिनिक भी थी, वे फिजियोथेरेपी भी किया करते थे। बुधवार सुबह वे बाइक से जौनपुर जिला अस्पताल में किसी डॉक्टर से मिलने आए थे।

कर्नाटक में कटा बाइक सवार का गला: कर्नाटक के बीदर जिले में सड़क पर खिंची चाइनीज मांझा से गला कटने के बाद 48 वर्षीय बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान संजू कुमार होसामणि के रूप में हुई है। वह बीदर तलामदगी ब्रिज के पास सड़क पर बाइक से जा रहा था, तभी सड़क के बीच खिंची डोर उनके गले में फंस गई।

केंद्र की तर्ज पर प्रदेश में भी बनेगा प्रगति पोर्टल: सीएम

बोले-रेड्डी ने स्वयं स्वीकारा केंद्र से ज्यादा मदद मिली

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश में कभी कई दलों की सरकार हुआ करती थी, जिसका खामियाजा देश ने उठाया है, लेकिन वर्तमान की केंद्र सरकार ने सभी राज्यों के हितों का ध्यान रखा है। उन्होंने कहा, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने स्वयं स्वीकार किया है कि केंद्र से उन्हें ज्यादा सहयोग मिलता है।

मुख्यमंत्री बुधवार को अपने निवास पर पत्रकारों से मप्र में केंद्रीय परियोजनाओं के संदर्भ में चर्चा कर रहे थे। सीएम ने कहा, एक समय यह था कि जब मप्र के विकास से योजनाएं फाइलों में अटकी रहती थी, जिसके लिए वर्षों तक प्रयास किया जाता था। लंबित अनुमतियों के लिए विभागों के बीच तालमेल की कमी रहती थी, लेकिन अब ये स्थिति बीते दौर की बात बन चुकी हैं। सीएम ने कहा-प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन यानि प्रगति पोर्टल ने शासन की सोच, कार्यशैली और नतीजों तीनों को बदल दिया है। प्रगति पोर्टल आज केवल समीक्षा तंत्र नहीं, बल्कि नए भारत की नई कार्य संस्कृति का सशक्त प्रतीक बन चुका है। प्रगति पोर्टल के माध्यम से केंद्र के साथ सरल, सुगम और परिणामोन्मुखी समन्वय सुनिश्चित हो रहा है, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन में गति, पारदर्शिता और जवाबदेही और अधिक मजबूत हुई है। मप्र में समग्र विकास को केंद्र में रखते हुए राज्य में भी सीएम प्रगति पोर्टल बनाया जाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए सीएम ने कहा, अत्यंत कम समय में गुड गवर्नेंस के नए प्रतिमान गढ़े हैं, प्रगति मॉडल ने प्रदेश को देश का इन्फ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ इंजन बना दिया है। मप्र की 2 लाख 61 हजार 340 करोड़ की 108 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि 5 लाख 24 हजार 471 करोड़ की 101 योजनाएं कार्यान्वयन में हैं।

प्रदेश को 1850 करोड़ रुपए की रेल लाइन मिली है, जिससे देश के किसी भी हिस्से में पहुंचना आसान हो गया है, प्रगति प्लेटफॉर्म से प्रोजेक्ट की स्थिति पर नजर रखी जाती है। सरकार ने छिंदवाड़ा घटना को गंभीरता से लेते हुए एक्शन लिया है। भविष्य में कोई ऐसी घटना ना हो, इसके लिए अब हम हर जिले में टेस्टिंग लैब खोल रहे हैं, जिससे कहीं कोई शंका होने पर दवा की तत्काल जांच हो जाए।

अब रेल मांगने जैसी बात ही नहीं है...

सीएम ने कहा, राजनीतिक आपाधापी में आरोप प्रत्यारोप रहते हैं, लेकिन राज्य में कितनी प्रगति हो रही है कितनी परियोजनाओं का लाभ प्रदेश को मिल रहा है ये सुनकर बहुत अच्छा महसूस हो रहा है, उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को धन्यवाद देते हुए पीएम मोदी का विशेष आभार जताया। उन्होंने कहा, एक समय था जब एक दो दलों की सरकारें ही बना करती थी फिर एक दौर आया कि 24-24 दलों की सरकारें बनी, जिसका खामियाजा देश में भुगता, क्योंकि उन सरकारों में दल रेल मंत्रालय अपने पास रखना चाहते थे, जिससे उनके क्षेत्र में एक दो ट्रेन चल जाएं, पहले रेल मंत्री अपने क्षेत्र की चिंता करते थे, लेकिन आज हालात बदले हुए हैं अब रेल मांगने जैसी बात ही नहीं है। सीएम ने बताया कि हाल ही में प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान दिल्ली में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेड्डी भी मौजूद थे, जिन्होंने उनसे बातचीत में स्वयं माना था कि केंद्र सरकार से उन्हें ज्यादा सहयोग मिल रहा है।

संक्षिप्त खबरें

17 को राहुल आएंगे इंदौर उपवास रखेगी कांग्रेस

जागरण, इंदौर। दूषित पानी से इंदौर के भागीरथपुरा में 23 मौतों पर राजनीति में अब दिल्ली भी दखल देने जा रही है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 17 जनवरी को इंदौर आकर भागीरथपुरा के पीड़ित परिवारों से मुलाकात करेंगे। राहुल की मौजूदगी में कांग्रेस ने बड़े प्रदर्शन की तैयारी की है। प्रदेश कांग्रेस मनरेगा का नाम बदलने विरोध प्रदर्शन करेगी। प्रदेश भर में हर ब्लॉक में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता सामूहिक उपवास रखेंगे। गांधी प्रतिमाओं के सामने धरना देकर भजन गाएंगे।

रेलवन से जनरल टिकट तीन फीसदी सस्ता

नई दिल्ली, जेएनएन। रेलवन ऐप से जनरल टिकट बुक करने और यूपीआई, क्रेडिट, डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग से पेमेंट करने पर 3 फीसदी की छूट मिलेगी। अगर आप रेलवन एप से टिकट बुक करते हैं और आर-वैलेट से पेमेंट करते हैं, तो आपको दोगुना फायदा मिलेगा। पहले जनरल टिकट पर मिलने वाला 3 फीसदी डिस्काउंट आज से बढ़ाकर 6 फीसदी कर दिया गया है। यह ऑफर 6 महीने के लिए 14 जुलाई, 2026 तक वैलिड रहेगा। इंडियन रेलवे ने 30 दिसंबर को जनरल टिकट पर डिस्काउंट की घोषणा की थी। रेलवे ने साफ किया कि यह 3 फीसदी डिस्काउंट ऑफर सिर्फ रेलवन ऐप पर मिलेगा।

भारत-पाकिस्तान मैच

टिकटों की बिक्री शुरू होते ही वेबसाइट क्रैश

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत बनाम पाकिस्तान टी-20 विश्वकप मुकाबले के टिकटों की बिक्री शुरू होते ही बुधवार को आधिकारिक वेबसाइट 'बुकमायशो' ठप (क्रैश) हो गई। पुरुषों के टी-20 विश्वकप के लिए टिकटों की दूसरी चरण की बिक्री शुरू होने के कुछ ही मिनटों बाद कोलंबो में होने वाले बहुप्रतीक्षित मैच को लेकर भारी मांग उमड़ी। इस चरण में भारत-पाकिस्तान मुकाबले के टिकट शामिल किए गए थे, जिससे वेबसाइट पर ट्रैफिक अचानक बहुत बढ़ गया। एक साथ बड़ी संख्या में लोगों के लॉगिन करने,टिकट खरीदने की कोशिशों के कारण वेबसाइट के सर्वर दबाव नहीं झेल पाए और ठप हो गए।

प्रेमी संग भागी विवाहित बेटी को मार दी गोली

जागरण, भिंड। प्रदेश के भिंड में ऑनर किलिंग का मामला सामने आया है। यहां एक पिता ने शादीशुदा बेटी की हत्या कर दी। आरोपी रात में बेटी को सरसों के खेत में ले गया और यहां कट्टे से उसके सीने में गोली दाग दी। युवती की महीनेभर पहले ही ग्वालियर में शादी हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद वह खरीदी का बहाना बनाकर प्रेमी के साथ भाग गई। इससे गुस्साए पिता ने बेटी को मौत की नींद सुला दिया।

आरोपी पिता बोला- बदनामी हो रही थी इसलिए मारा

मेहगांव थाना क्षेत्र के खिरिया थापक गांव में मुन्नेश धानुक पर बेटी निधि की हत्या का आरोप है। निधि की मां ने पुलिस को घटना की सूचना दी। बुधवार सुबह पुलिस ने एक खेत से युवती का शव बरामद किया। पुलिस ने आरोपी पिता को हिरासत में ले लिया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी ने कहा-बेटी की करतूत से उसकी बदनामी हो रही थी, इसलिए उसे मार दिया। निधि की शादी 11 दिसंबर को ग्वालियर के गुड़ागुडी नाका के रहने वाले देवू धानुक से हुई थी। 28 दिसंबर को वह पति के साथ ग्वालियर के महाराज बाड़ा गई थी। यहां शॉपिंग के बाद पति से पानी मांगा। ■ शेष पृष्ठ 9 पर

नाबार्ड के 24 करोड़ के लोन घोटाले में दो उद्योगपतियों के ठिकानों पर रेड

सेंधवा में सीबीआई की टीमों ने दी दबिश

मुख्य संवाददाता, भोपाल। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की कोलकाता यूनिट ने बुधवार को सेंधवा में नाबार्ड बैंक भोपाल से जुड़े 13 करोड़ रुपए के लोन घोटाले की पड़ताल के लिए तायल बंधुओं और नाबार्ड गुजरात के साथ 11 करोड़ के लोन घोटाले में जोशी परिवार के ठिकानों पर छापे मारे। सीबीआई ने पुलिस फोर्स के साथ शहर की जगन्नाथपुरी कॉलोनी स्थित उद्योगपति तायल बंधुओं के घर और फैक्ट्री समेत 4 ठिकानों पर दबिश दी। टीम ने रामकटोरा में रितेश जोशी के घर के साथ उसकी फैक्ट्री पर भी दबिश दी है।

ईओबी यूनिट ने नाबार्ड भोपाल के साथ फ्रॉड के मामले में अर्पित तायल, निपुंज तायल, अंकित तायल और अशोक तायल के खिलाफ एवं नाबार्ड गुजरात के साथ धोखाधड़ी के मामले में रितेश

छगनलाल जोशी एवं रघुनाथ बाबू पाटिल के खिलाफ अलग-अलग एफआईआर दर्ज की थीं। टीम के महाराष्ट्र के नंदूरबार में भी रघुनाथ बाबू पाटिल के ठिकानों पर सर्चिंग की सूचना मिली है। सेंधवा निवासी तायल बंधुओं ने (नाबार्ड) बैंक भोपाल के साथ करीब 13 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में आरोपी तायल बंधुओं के खिलाफ विगत शुक्रवार को एफआईआर दर्ज की गई थी। इन चारों पर आरोप है कि 2019 में सेंधवा के ग्राम जानली में एग्रो प्रोसेसिंग क्लस्टर स्थापित करने के नाम पर नाबार्ड से 13.99 करोड़ रुपए का भारी-भरकम लोन लिया था।

आने वालों की एंट्री रोकी मोबाइल भी किया जब्त

सीबीआई टीम ने छापों के दौरान सुरक्षा के नजरिए से सभी ठिकानों के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया और किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं दी। जांच के दौरान टीम ने सभी परिजनों के मोबाइल जब्त कर लिए और लेन-देन से जुड़े दस्तावेजों एवं संपत्तियों की छानबीन की। टीम ने दोनों उद्योगपतियों के बैंक ट्रांजेक्शन, जेवर, बैंक में जमा कैश और लॉकर्स की जानकारी भी जुटाई। सीबीआई के सूत्रों के मुताबिक, छापे की कार्रवाई गुरुवार को भी जारी रह सकती है। सीबीआई की टीमों ने दोनों उद्योगपतियों के ठिकानों से कई अहम दस्तावेज जब्त करते बी किए हैं। सीबीआई के इन छापों की भनक दोनों उद्योगपतियों को पहले ही लग गई थी, इसलिए उन्होंने अपने घरों, ऑफिस से अधिकांश कंप्यूटर पहले ही हटा दिए थे।

पेयजल में सीवेज पर एनजीटी सख्त

दूषित पानी पर मप्र, उप्र राजस्थान से मांगा जवाब

नई दिल्ली, जेएनएन। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की प्रधान पीठ नई दिल्ली ने पेयजल में सीवेज की मिलावट पर मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की सरकारों से जवाब मांगा है। एनजीटी ने इंदौर में गंदे पानी से मौत होने और भोपाल में 'ई-कोलाई' बैक्टीरिया मिलने का भी हवाला दिया। तीनों राज्यों के पेयजल में सीवेज की मिलावट से जुड़ी गंभीर समस्याओं पर मीडिया रिपोर्ट को ट्रिब्यूनल ने बुधवार को स्वतः संज्ञान लिया है। मीडिया रिपोर्ट में जनस्वास्थ्य और

पर्यावरण के लिए गंभीर खतरे उजागर हुए हैं। एक रिपोर्ट में इंदौर के गंदे पानी से मौत होने और बाकी शहरों में भी सीवेज की समस्या होने की बात कही गई तो दूसरी रिपोर्ट में बताया गया कि पुरानी, जर्जर और दशकों पुरानी पाइप लाइन व्यवस्था के कारण कई स्थानों पर सीवेज का पानी पेयजल पाइप लाइनों में मिल रहा है। इससे राजस्थान के उदयपुर, जोधपुर, कोटा, बांसवाड़ा, जयपुर, अजमेर और बोरा जैसे शहर भी प्रभावित बताए गए। तस्वीरों में पेयजल की पाइप लाइनें खुले नालों और सीवेज लाइनों से होकर गुजरती हुई दिखाई गईं, जो गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करती हैं।

रैंकिंग भारतीय नागरिक अब 55 देशों में कर सकते हैं वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल यात्रा

भारतीय पासपोर्ट मजबूत, 85 से 80वें नंबर पर आया

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय पासपोर्ट की ताकत पिछले एक साल में बढ़ी है। पासपोर्ट रैंकिंग जारी करने वाले ऑर्गेनाइजेशन हेनली एंड पार्टनर्स की 2026 की रैंकिंग में भारत 5 स्थान की छलांग लगाकर 80वें नंबर पर पहुंच गया है। पिछले साल 2025 में भारत की रैंक 85 थी। नई रैंकिंग के मुताबिक, भारतीय नागरिक अब 55 देशों में वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल यात्रा कर सकते हैं। यह रैंकिंग पासपोर्ट धारकों को बिना पूर्व वीजा कितने देशों में प्रवेश की अनुमति है, इसी आधार पर तय की जाती है। इधर, पाकिस्तानी पासपोर्ट दुनिया का 5वां सबसे कमजोर पासपोर्ट है। पाकिस्तान की नई रैंकिंग 98वीं है। पिछले साल 2025 में पाकिस्तान की रेंकिंग 103 थी। वहीं, बांग्लादेशी पासपोर्ट 95 वें नंबर पर है और दुनिया का 8वां सबसे कमजोर पासपोर्ट है।

सिंगापुरी पासपोर्ट लगातार दूसरे साल सबसे मजबूत: सिंगापुर लगातार दूसरे साल दुनिया का सबसे ताकतवर पासपोर्ट बना हुआ है, जिसे 227 में से 192 देशों में वीजा-फ्री एंट्री है। जापान और दक्षिण कोरिया संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं, इन देशों के नागरिक 188 देशों में बिना वीजा के यात्रा कर सकते हैं। 2025 की रैंकिंग में भारतीय पासपोर्ट 85वें स्थान पर था और 57 देशों तक वीजा-फ्री पहुंच थी। 2024 में भी भारत की रैंक 80 थी। यानी 2025 में गिरावट के बाद 2026 में फिर से सुधार देखने को मिला है। हालांकि, वीजा-फ्री यात्रा में 2 देशों कम हो गए है।

दुनिया में अफगानी पासपोर्ट सबसे कमजोर

186 देशों में फ्री वीजा एंट्री के साथ डेनमार्क, लक्समबर्ग, स्पेन, स्वीडन और स्विटजरलैंड तीसरे स्थान पर रहे। अफगानी पासपोर्ट दुनिया का सबसे कमजोर पासपोर्ट है और लिस्ट में सबसे नीचे 101वें स्थान पर बना हुआ है। उधर, पाकिस्तान का पासपोर्ट विश्व का पांचवां सबसे कमजोर पासपोर्ट है। उसके नागरिक 31 देशों में वीजा फ्री यात्रा कर सकते हैं। पिछले साल पाकिस्तानी पासपोर्ट चौथा सबसे कमजोर पासपोर्ट था। हालांकि, पाकिस्तानी नागरिक 33 देशों में वीजा फ्री यात्रा कर सकते थे।

कैसे तय होती है रैंकिंग

साल में दो बार यह रैंकिंग जारी की जाती है। पहली बार जनवरी और दूसरी बार जुलाई में इंडेक्स जारी किए जाते हैं। हेनली पासपोर्ट वीजा इंडेक्स की वेबसाइट के मुताबिक पूरे साल रियल टाइम डेटा अपडेट किया जाता है। वीजा पॉलिसी में बदलाव भी ध्यान में रखे जाते हैं। रैंकिंग इस आधार पर तय की जाती है कि किसी देश का पासपोर्ट होल्डर कितने दूसरे देशों में बिना पूर्व वीजा हासिल किए यात्रा कर सकता है। इसके लिए उसे पहले से वीजा लेने की जरूरत नहीं होगी। इसके अलावा कई देश वीजा फ्री ट्रैवल का ऑप्शन भी देते हैं। इसका मतलब यह है कि उस देश में कुछ खास देशों के लोग बिना वीजा के भी जा सकते हैं। हालांकि इसकी शर्तें तय रहती हैं।

लाल किला ब्लास्ट केस

डॉ. शाहीन समेत 5 की हिरासत 3 दिन बढ़ाई

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने लाल किला ब्लास्ट मामले की आरोपी डॉ शाहीन समेत पांच आरोपियों को तीन दिनों की एनआईए हिरासत में भेज दिया। प्रधान जिला एवं सत्र जज अंजु बजाज चांदना ने यह आदेश दिया है। कोर्ट ने डॉ शाहीन सईद के अलावा जिन आरोपियों को एनआईए हिरासत में भेजने का आदेश दिया, उनमें मुफ्ती इरफान अहमद, जासिर बिलाल वानी उर्फ दानिश, डॉ. आदिल अहमद और डॉ. मुजम्मिल शकील शामिल है। इससे पहले 18 नवंबर को कोर्ट ने जासिर बिलाल वानी उर्फ दानिश को एनआईए हिरासत में भेजा था। एनआईए टीम ने जासिर बिलाल वानी को श्रीनगर से 17 नवंबर को गिरफ्तार किया था।

संक्षिप्त खबरें

किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं : सीएम

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हितग्राही मूलक योजनाओं के मामले में किसी भी तरह का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा अधिकारी संकल्प से लेकर समाधान अभियान के तहत पात्र हिग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। सीएम बुधवार को अपने निवास पर समाधान अभियान की समीक्षा बैठक के दौरान संभागायुक्तों को निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत समय-सीमा में पारदर्शी तरीके से गतिविधियां सुनिश्चित की जाएं। किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार को बरदार्शत नहीं किया जाएगा, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाए। डॉ. यादव ने कहा कि अभियान के अंतर्गत योजनाओं के प्रचार-प्रसार पर विशेष ध्यान दें जिससे सभी हितग्राहियों को योजनाओं की आवश्यक जानकारी हो सके। संभागीय अधिकारी जिला, विकासखंड और ग्राम स्तर तक भ्रमण कर अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा करें। अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य परीक्षण, स्वच्छता तथा शिक्षा के लिए प्रेरित करने पर केंद्रित गतिविधियां भी संचालित की जाएं।

सोमकर लिपिक कर्मचारी संघ के उप प्रांताध्यक्ष नियुक्त

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मध्य प्रदेश लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ द्वारा लोक शिक्षण संचालनालय में पदस्थ सतीश सोमकर सहायक ग्रेड 2 को उप प्रांताध्यक्ष बनाया गया है। उनकी नियुक्ति पर प्रांत अध्यक्ष मुकेश चतुर्वेदी, कार्यकारी प्रांत अध्यक्ष संजय दुबे, संरक्षक एमपी द्विवेदी, संरक्षक राकेश हजारी, संतोष शुक्ला, संतोष तिवारी सभी ने हर्ष व्यक्त किया। सोमकर ने लिपिकवर्गीय की मांगों को पूर्ण कराने का आश्वासन दिया।

मकर संक्रांति पर अधिकतम मांग की निर्बाध आपूर्ति

भोपाल। 2026 की शुरुआत मध्यप्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक रही। मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर प्रदेश ने अब तक की सर्वाधिक विद्युत मांग को सफलतापूर्वक पूरा करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया। पर्व के दिन प्रातः 10 बजकर 36 मिनट पर प्रदेश में 19,895 मेगावाट की रिकॉर्ड बिजली मांग दर्ज की गई, जिसे विद्युत कंपनियों के उत्कृष्ट समन्वय से बिना किसी व्यवधान के पूरा किया गया। इस दौरान प्रदेश की समस्त विद्युत उत्पादन, पारेषण एवं वितरण कंपनियों ने समन्वित प्रयास करते हुए 19,895 मेगावाट की मांग की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की।

प्रदेश के हालात पर हाईकमान की नजर

मुद्दों पर गरमाई राजनीतिः दूषित पानी को लंबे समय तक कांग्रेस रखेगी गर्म, भाजपा एक्शन लेकर निकाल रही हवा

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में भले ही लगभग तीन साल का समय बचा है, लेकिन अभी से यहां के मुद्दों पर दिल्ली में बैठे राजनैतिक दलों के हाईकमानों की नजर है। कांग्रेस जहां दूषित पानी के मुद्दे को छोड़ना नहीं चाहती है, तो वहीं सत्ता पर बैठी भाजपा अपनी सरकार को उन मुद्दों को लेकर शेफ जोन में ले जाने की रणनीति पर लगातार काम कर रही है, जिसकी वजह से डैमेज होने की आशंका बनती है।

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस पिछले कुछ महीनों से लगातार सरकार और भाजपा पर अलग-अलग मुद्दों को लेकर घेरती आ रही है। छिंदवाड़ा सिरप घटना में कांग्रेस ने जोर शोर से सरकार और भाजपा को बेनकाब करने की कोशिशें की, लेकिन प्रदेश सरकार और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने इस पूरे मामले को प्रदेश में हावी नहीं होने दिया। इसी तरह अब पार्टी इंदौर में दूषित पानी को लेकर हुई मौतों पर कांग्रेस के एक्शन पर नजर बनाए हुए हैं। भाजपा से जुड़े नेताओं का कहना है कि

संगठन को मालूम है कि कांग्रेस इस मुद्दे को लंबे समय तक जीवित रखना चाहती है। इसलिए शीर्ष नेतृत्व इस मुद्दे की हवा निकालने के लिए जल्द ही कोई बड़े निर्णय ले सकती है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने स्वयं कमान संभाल कर लोगों को विश्वास दिलाना शुरु कर दिया है कि सरकार उनकी प्रत्येक समस्याओं का निराकरण करने की दिशा में काम कर रही है।

दिल्ली ले रही फीडबैक

सूत्रों का कहना है कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व इंदौर के मामले को लेकर लगातार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से फीडबैक ले रहा है और उन्हें आवश्यक दिशा में दिए जा रहे है। सीएम ने इस घटना के तत्काल बाद जिस तरह से अधिकारियों पर एक्शन लिया है,उससे काफी हद तक इंदौर सहित पूरे प्रदेश में सकारात्मक संदेश गया है। आने वाले समय में पार्टी और सरकार कुछ और कदम उठा सकती है,जिससे विपक्ष को इस मुद्दे पर पूरी तरह क्लीन बोल्ड किया जा सके।

कांग्रेस बड़ा आंदोलन बनाने की तैयारी में

इधर कांग्रेस इंदौर दूषित पानी के मुद्दे को बड़े आंदोलन में तब्दील करने की कोशिश में लग गई है। कहा जा रहा है कि ऐसा निर्णय केन्द्रीय नेतृत्व के निर्देश पर लिया गया है। कहा जा रहा है कि राहुल गांधी के इंदौर आना इसी बात की ओर इशारा कर रहा है, क्योंकि छिंदवाड़ा जैसी घटना में राहुल गांधी या दूसरे राष्ट्रीय स्तर के नेता छिंदवाड़ा या भोपाल नहीं पहुंचे थे। लेकिन इंदौर घटना को बड़ा मुद्दा बनाने के लिए राहुल गांधी का इंदौर दौरा हो रहा है। पार्टी के जानकारों का कहना है कि दूषित पानी का मुद्दा जनता से सीधे जुड़ा हुआ है, विशेषकर इससे वह वर्ग प्रभावित हुआ है,जो निम्न आय वर्ग से आता है और पिछले कुछ चुनावों में यह वर्ग कांग्रेस से दूरी बनाकर अपना मतदान कर रहा है। ऐसे में कांग्रेस का मानना है कि इस मुद्दे को बड़ा बनाकर लंबे समय तक जीवित रखा जाएगा,जिसे इस वर्ग का मतदाता उनके साथ फिर से लौट आए। इसी लिए

कांग्रेस ने मध्यप्रदेश के प्रत्येक वार्ड में वॉटर ऑडिट कराने की मुहिम प्रारम्भ की है। पार्टी की यह मुहिम लंबे समय तक चलेगी,जिससे मुद्दा भी काफी समय तक प्रदेश में प्रभावशील रह सकता है। हालांकि कांग्रेस के कुछ नेता इस मुद्दे को बेहद संवेदनशील बताते हुए दावा करते है कि इसमें कांग्रेस राजनैतिक लाभ लेने के लिए मैदान पर नहीं उतरी है,अलबत्ता जनता को न्याय दिलाने और उन्हें स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए सरकार और भाजपा से लड़ाई लड़ रही है। इस संबंध में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का कहना है कि जनता से जुड़े मुद्दे को उनका दल हमेशा उठाता रहा है।

शहीदों के परिजनों और वीर नारियों को किया सम्मानित

जागरण संवाददाता, भोपाल। सैनिक दिवस के अवसर पर भोपाल के द्वितीय विश्वयुद्ध में भाग लेने वाले पूर्व सैनिक की विधवाओं वेटरन्स एवं शहीद सैनिकों के परिजनों एवं उनकी वीरनारियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। यह आयोजन सैनिक कल्याण कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक रामेश्वर शर्मा और भगवानदास सबनानी रहे। बता दें कि हर साल यह आयोजन सैनिक दिवस के अवसर पर किया जाता है, जिसके तहत भारतीय सशस्त्र सेनाओं के ऐसे जवान जो देश की रक्षा, राच्य की सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा के दौरान अपने प्राणों का बलिदान देते हैं। देश की रक्षा में किए गए इस अभूतपूर्व योगदान, राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता के लिए उनके परिजनों और विधवाओं (वीरनारियों) को सम्मानित किया जाता है। आयोजन के दौरान पूर्व सैन्य अधिकारी एयर वाइज पीके श्रीवास्तव, कमांडर आरके दीक्षित उपस्थित रहे।

बोर्ड परीक्षाओं में नकल करने पर होगी तीन साल की जेल

नकल में सहयोग करने वालों के खिलाफ भी होगी कार्रवाई

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल ने आगामी 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को लेकर कड़े कदम उठाए हैं। मंडल ने परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और नकल को पूरी तरह से रोकने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अगर कोई विद्यार्थी नकल करते हुए पकड़ा जाता है, तो उसे तीन साल तक की जेल की सजा हो सकती है। यह निर्णय राज्य में परीक्षा प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से लिया गया है।

मंडल के मुताबिक इस तरह के सख्त प्रावधान से विद्यार्थी नकल जैसी गतिविधियों से दूर रहेंगे और अपनी मेहनत पर ध्यान केंद्रित करेंगे। मंडल द्वारा जारी गाइडलाइन में परीक्षा केंद्रों के लिए भी कई नियम तय किए गए हैं। प्रत्येक केंद्र पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होंगे और किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। छात्रों को परीक्षा शुरू होने से कुछ समय पहले केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य होगा, ताकि उनकी पूरी तरह से जांच की जा सके।

नकल विरोधी अधिनियम के तहत होगी कार्रवाई

जारी किए गए निर्देशों के अनुसार, परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करते पाए जाने पर छात्र के खिलाफ मप्र मान्यता प्राप्त परीक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसमें न केवल विद्यार्थी, बल्कि नकल में मदद करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ भी मामला दर्ज किया जा सकता है। मंडल ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इन नए और सख्त नियमों का उद्देश्य मेधावी छात्रों के भविष्य को सुरक्षित करना और परीक्षाओं के प्रति विश्वास को बढ़ाना है। सभी छात्रों को सलाह दी गई है कि वे उक्त नियमों का सख्ती से पालन करें।

एक्सीलेंस स्कूल में काइट फेस्टिवल का आयोजन

भोपाल। जिला प्रशासन, पर्यटन विभाग एवं जिला पुरातत्त्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद द्वारा संक्रांति के पर्व पर काईट फेस्टिवल का आयोजन एक्सीलेंस स्कूल में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी ने सूर्य को अर्घ्य देकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। साथ ही महिलाओं को सुहाग सामग्री प्रदान की। काईट फेस्टिवल में मुख्य अतिथियों के साथ स्कूली विद्यार्थियों एवं शामिल लोगों ने पतंगबाजी के आनंद का लुत्फ उठाया। फेस्टिवल नन्हे विद्यार्थियों ने मलखंभ का भी प्रदर्शन किया, जिसकी उपस्थित अतिथिगणों एवं दर्शकों ने जमकर प्रशंसा की।

स्विट्जरलैंड के दावोस में सीएम निवेशकों को बताएंगे प्रदेश की औद्योगिक खूबियां

19 से 23 जनवरी तक प्रवास पर रहेंगे सीएम, एजेंडे को लेकर हुई उच्च स्तरीय बैठक

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम) 2026 में बैठक में भाग लेंगे। स्विट्जरलैंड के दावोस में यह बैठक होनी है, जिसमें भाग लेने सीएम पांच दिवसीय प्रवास पर दावोस जाएंगे। इसके लिए अधिकारियों ने तैयारी शुरू कर दी है। गौरतलब है कि दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम 2026 की बैठक में भाग लेने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 19 से 23 जनवरी तक वहां के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान सीएम द्वारा निवेशकों से मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों पर चर्चा करेंगे और वैश्विक निवेशकों से भी उनकी मुलाकात होगी। इस विशेष यात्रा को लेकर अधिकारियों द्वारा मंत्रालय स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई है। बताया गया है कि अपनी इस यात्रा को लेकर सीएम ने स्वयं अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक ली है और रणनीतिक मंथन किया। बैठक में इस बात को लेकर चर्चा की गई कि इकोनॉमिक फोरम के मंच पर मध्यप्रदेश के किन प्रमुख बिंदुओं और संभावनाओं को रेखांकित करना है। प्रदेश की औद्योनिक नीति,निवेश के लिए राज्य की अनुकूलता और उद्योगों को लेकर किए गए सुधारों को लेकर किस तरह से बात रखी जाए,इस पर अधिकारियों से सुझाव लिए गए। बताया गया है कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि दावोस में सरकार की योजनाओं के

स्थान पर राज्य की उद्योग और निवेश को लेकर वास्तविक हकीकत के बारे में जानकारी दी जाए। विशेषकर पर्यटन सेक्टर में मौजूद अवसरों के अलावा लॉजिस्टिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी और मैन्युफैक्चरिंग के बारे में विस्तृत जानकारी से वहां के निवेशकों को अवगत कराया जाए। जानकारों की माने तो सीएम दावोस जाने से पहले इस संबंध में एक बार फिर से उच्च स्तरीय बैठक करेंगे, जिसमें दावोस के एजेंडों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

रीजनल एआई इम्पैक्ट-2026 कांफ्रेंस आज

विसं, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार 15 जनवरी को भोपाल में 'मध्यप्रदेश रीजनल एआई इम्पैक्ट कांफ्रेंस-2026' में एआई-सक्षम शासन और आर्थिक परिवर्तन के लिए मध्यप्रदेश के रणनीतिक रोडमैप को प्रस्तुत करेंगे। यह कांफ्रेंस एआई इनेबल्ड गवर्नेंस फॉर एन एम्पावर्ड भारत की थीम पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा इंडिया एआई मिशन के सहयोग से आयोजित की जा रही है।इससे एआई आधारित शासन,तकनीक एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अकादमिक और उद्योग समन्वय को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ प्रदेश सरकार एआई को नागरिक-केंद्रित, पारदर्शी और कुशल शासन की आधारशिला के रूप में स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। कांफ्रेंस में मध्यप्रदेश इनोवेशन एक्सपो का शुभारंभ भी किया जाएगा, जिसमें इंडिया एआई पेवेलियन, मध्यप्रदेश पेवेलियन, स्टार्ट-अप शोकेस, हैकाथॉन एरिना और स्टार्ट-अप प्रतियोगिता शामिल होंगी। कांफ्रेंस में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अपर सचिव एवं सीईओ इंडिया एआई अभिषेक सिंह व आईआईटी इंदौर के निदेशक सुहास एस. जोशी संबोधित करेंगे। अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संजय दुबे द्वारा एआई फॉर पीपल,प्लेनेट एंड प्रोग्रेस-मध्यप्रदेश रोडमैप टू इंपैक्ट पर राज्य का प्रमुख एआई विजन प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्य सचिव अनुराग जैन कांफ्रेंस को संबोधित करेंगे। कांफ्रेंस में स्पेसटेक नीति लांच होगी, विभिन्न समझौता ज्ञापनों और नवाचार एवं युवा एआई पहलों से संबंधित महत्वपूर्ण घोषणाएं की जाएंगी।

स्पेसटेक नीति होगी लांच, कई अहम घोषणाएं होंगी

पूर्व राज्यसभा सांसद स्व. कैलाश सारंग की प्रतिमा से छेड़छाड़ के विरोध में प्रदर्शन

जागरण, भोपाल। खेल मंत्री विश्वास सारंग के पिता और पूर्व राज्यसभा सांसद स्व. कैलाश सारंग की प्रतिमा से भोपाल में छेड़छाड़ की गई। अटल पथ स्थित पार्क में अनावरण के लिए रखी गई प्रतिमा में असामाजिक तत्वों ने आग लगा दी। इसे लेकर रोशनपुरा चौराहे पर बुधवार को कायस्थ समाज एवं सकल हिंदू समाज ने एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि अटल पथ स्थित पार्क में स्थापित स्व. कैलाश सारंग जी की प्रतिमा के साथ असामाजिक तत्वों द्वारा आग लगाकर छेड़छाड़ की गई, जो न केवल एक सम्मानित जनप्रतिनिधि का अपमान है, बल्कि समाज की भावनाओं को आहत करने वाला कृत्य भी है। इस घटना से आमजन में भारी रोष व्याप्त है।

रात में बंद स्कूलों का निरीक्षण कर रिपोर्ट बनाने वाली बीआरसीसी को प्रभार से किया गया मुक्त

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। भोपाल के स्कूलों की मान्यता की गलत निरीक्षण रिपोर्ट देने समेत अन्य शिकायतों को लेकर विकास खंड स्त्रोत समन्वयक (बीआरसीसी) फंदा ग्रामीण रूपाली रिछारिया पर करवाई की गई है। उन्होंने रात में बंद स्कूलों का निरीक्षण करने के साथ वाहनों के फर्जी बिल बनाकर अपने बैंक खाते में भुगतान करा लिए थे। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने रूपाली से बीआरसीसी का प्रभार छीनते हुए बालेंद्र सिंह को दिया है। स्कूल शिक्षा विभाग के तहत भोपाल जिले में बीआरसीसी के कार्यभार में कलेक्टर कौशलेंद्र सिंह ने बदलाव किया है। कलेक्टर सिंह के आदेश से उच्च माध्यमिक शिक्षक बालेंद्र सिंह को बैरसिया बीआरसीसी से फंदा ग्रामीण बीआरसीसी नियुक्त किया गया है। बीआरसीसी फंदा ग्रामीण रूपाली रिछारिया अब सिर्फ एपीसी बालिका शिक्षा जिला शिक्षा केंद्र का कार्य देखेंगी। उन्हें बीआरसीसी फंदा ग्रामीण के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है। उच्च माध्यमिक शिक्षक रामकिशन गुर्जर को एपीसी मोबालाइजेशन जिला केंद्र से मुक्त करते हुए बीआरसीसी बैरसिया बनाया गया है। कलेक्टर के जारी आदेश के पहले जिला पंचायत भोपाल के शिक्षा समिति के अध्यक्ष मोहन जाट ने फंदा बीआरसीसी रूपाली रिछारिया को तत्काल हटाने की मांग की थी। मोहन जाट ने रूपाली के खिलाफ मय दस्तावेजों के साथ मुख्य सचिव, आयुक्त लोक शिक्षण, कलेक्टर भोपाल, जिला पंचायत सीईओ समेत आला अधिकारियों को शिकायत की प्रति सौंपी थी। इसमें बताया गया कि रूपाली ने शासकीय धन का गबन व प्रायवेट स्कूलों की मान्यता के संबंध में रात्रि में निरीक्षण रिपोर्ट लगा दी।

अपने बैंक खातों में किया भुगतान

फंदा ब्लॉक का ओलंपियाड परीक्षा का सेंटर रातीबड़ हायर स्कूल में सुदूर ग्रामीण अंचल के स्कूलों से विद्यार्थियों को परीक्षा के लिए बजट स्वीकृत हुआ था। रिछारिया ने वाहनों की व्यवस्था नहीं की। छात्र अभिभावकों के वाहनों से परीक्षा केंद्र पर आये थे। फंदा बीआरसीसी द्वारा वाहनों के फर्जी बिल लगाकर पैड वाय मीटर कर राशि अपने स्वयं के खाते में प्राप्त कर ली।

फंदा बीआरसीसी रुपाली रिछारिया की गंभीर शिकायतें प्राप्त हुई हैं। उन्हें निलंबित करने के लिए पत्र भेजा गया था। मौजूदा स्थिति में उन्हें प्रभार से मुक्त किया गया है। जांच होने के बाद मान्यता में बरती गई अनियमितताएं सामने आएंगी।

- **मोहन जाट,** उपाध्यक्ष व शिक्षा समिति अध्यक्ष, जिला पंचायत भोपाल

उक्त स्कूलों का किया गया रातों में निरीक्षण

बीआरसीसी फंदा रहते हुए रुपाली रिछारिया ने निजी स्कूलों की आरटीई तहत मान्यता के संबंध में स्कूलों का निरीक्षण रात्रि के अंधेरे में किया गया। जबकि किसी भी निजी स्कूल का समय शाम पांच बजे के बाद का नहीं है। ऑनलाइन सिस्टम में इनका फोटोग्राफ, तारीख और समय की जानकारी पोर्टल प्रिंट से देखे जा सकते हैं। रात्रि में ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर स्कूल बंद होने के बाद निरीक्षण करना गंभीर बताया गया है। स्कूलों का निरीक्षण द प्रतिनव स्कूल रातीबड़ का निरीक्षण 19 फरवरी की रात्रि में 10.05 पर किया। उज्जवल पब्लिक स्कूल पिपलिया जाहीरपीर का निरीक्षण गत 10 फरवरी की रात्रि 9.23 पर किया गया। रानीलक्ष्मी बाई आदर्श विद्यालय मूंडला का निरीक्षण 19 फरवरी की रात्रि 8.52 पर किया गया। जय हिन्द विद्या मंदिर बड़झिरी का निरीक्षण गत 19 फरवरी रात्रि 8.31 बजे किया गया। एसव्ही पब्लिक स्कूल बेरखेड़ी का निरीक्षण 13 फरवरी की रात्रि 8.03 बजे व 12 जनवरी 2026 को वेतन पब्लिक स्कूल का निरीक्षण रात्रि में 11.52 पर दर्शाया गया है।

मांगों को लेकर तृतीय वर्ग कर्मचारियों का आंदोलन आज

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ का विशाल आंदोलन गुरुवार को होने जा रहा है। हर जिले में कलेक्टरों को ज्ञापन सौंपा जाएगा। मुख्यमंत्री के नाम इस ज्ञापन में पूरी समस्या बताई जाएगी। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अतुल मिश्रा ने कहा है कि संघ उन कर्मचारियों के लिए संघर्ष कर रहा है जिन्हें दो दशक गुजरने के बाद भी कोई न्याय नहीं मिल पा रहा है। सबसे तो पहले 20 हजार वह गुरु हैं। जिन्हें पात्रता परीक्षा के माध्यम से पहले संविदा शिक्षक फिर अध्यापक बनाया गया और आज उनका शिक्षा विभाग में संविलियन कर लिया गया है, लेकिन उनकी नियुक्ति दिनांक से गणना नहीं हो पा रही है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अतुल मिश्रा का कहना है कि काम समान है, लेकिन वेतनमान में बड़ी असमानता है। मंत्रालय में कर्मचारियों को जो ग्रेड पे मिल रहा है। वह मैदानी लिपिक कर्मचारियों को नहीं दिया जा रहा है। जबकि मंत्रालय से चार गुना अधिक काम मैदानी लिपिक कर्मचारी कर रहे हैं। इसलिए मुख्यमंत्री को पत्र के माध्यम से अवगत कराया है और गुरुवार को पूरे राज्य में कलेक्टरों को आंदोलन के माध्यम से यह दर्द बताया जा रहा है। मिश्रा के अनुसार गुरुजी लिपिकों सहित अन्य कैडर की 11 सूत्रीय मांगे हैं। जिसको लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र लिखा गया है।

संगठन अध्यक्ष अतुल मिश्रा ने कहा कलेक्टरों को सौंपेंगे ज्ञापन

चुनाव एक फरवरी को मानस भवन में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक होगा मतदान

चैंबर ऑफ कॉमर्स चुनाव में सभी 76 नामांकन मिले वैध

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राजधानी के कारोबारी जगत के सबसे बड़े संगठनो में एक भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (बीसीसीआई) चुनाव में दाखिल किए गए सभी 76 नामांकन पत्रों को स्क्रूटनी के बाद वैध पाया गया है। चुनाव के लिए पर्यवेक्षक बनाए गए वैभव जैन सीए के अनुसार बुधवार को स्क्रूटनी के बाद अध्यक्ष पद के लिए 4, उपाध्यक्ष पद के लिए 9, महामंत्री पद के लिए 3, मंत्री पद के लिए 9, कोषाध्यक्ष पद के लिए 2, सह कोषाध्यक्ष पद के लिए 3, अतिरिक्त कोषाध्यक्ष पद के लिए 2 और कार्यकारिणी सदस्य के लिए सभी 44 नामांकन वैध पाए गए हैं। चैंबर चुनाव में प्रत्याशी शुक्रवार शाम तक अपना नाम वापस ले सकते हैं। शनिवार को प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। चैंबर के पदाधाकारियों के लिए मतदान 1 फरवरी को मानस भवन में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक होगा और अगले दिन मतगणना के बाद परिणाम जारी किए जाएंगे। चैंबर चुनाव के जरिए 1 अध्यक्ष, 4 उपाध्यक्ष, 1 महामंत्री, 3 मंत्री, 1 कोषाध्यक्ष, 2 सह कोषाध्यक्ष, 3 अतिरिक्त कोषाध्यक्ष और 24 कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव होगा।

अध्यक्ष पद के लिए 4 दावेदार, दो के नाम वापस लेने की संभावना

इस बार चैंबर चुनाव के लिए चार नामांकन वैध पाए गए हैं। इनमें तेजकुलपाल सिंह पाली, गोविंद गोयल, आकाश गोयल और कमल पंजवानी के नाम हैं। संभावना जताई जा रही है कि इस बार भी मुकाबला कार्यकारी अध्यक्ष आकाश गोयल एवं तेजकुलपाल सिंह पाली के बीच ही होगा। अध्यक्ष पद के लिए आकाश गोयल के पक्ष में उनके पिता गोविंद गोयल अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। इसके साथ ही कमल पंजवानी ने भी अध्यक्ष के साथ उपाध्यक्ष पद के लिए नाम दाखिल किया है। वे भी अध्यक्ष पद से अपना नाम वापस ले सकते हैं। इसके अलावा उपाध्यक्ष पद के लिए प्रदीप कुमार अग्रवाल, आदित्य जैन मन्या, अरविंद जैन सुपारी, कमल पंजवानी, अजय देवनानी, ललित तांतेड़, सुनील सिंघई, अमित गोयल, हरीश ज्ञानचंदानी के नामांकन वैध पाए गए हैं।

एक से अधिक पदों पर नामांकन वापस न लेने पर चुनाव से अपात्र

भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के इन चुनावों में कई प्रत्याशियों ने एक से अधिक पदों के लिए अपने नामांकन वैध पाए गए हैं। बुधवार को स्क्रूटनी के बाद सूची जारी करते हुए निर्वाचन अधिकारी प्रदीप कुमार तिवारी ने साफ कर दिया कि जो उम्मीदवार एक से अधिक पदों के लिए नामांकन पत्र दाखिल कर चुके हैं, वे शुक्रवार तक अपनी पसंद का एक पद चुनकर अन्य पदों से नाम वापस ले लें। चुनाव अधिकारी ने स्पष्ट कर दिया है कि जो भी प्रत्याशी शेष नामांकन वापिस नहीं लेगा उसके सभी नामांकन पत्र अवैध घोषित कर दिए जाएंगे और उन्हें चुनाव लड़ने का अधिकार नहीं होगा । गौरतलब है कि कमल पंजवानी, अमित गोयल, ललित तांतेड़, सुनील जैन जैनाविन अमित कुमार बिंदल आदि ने एक से ज्यादा पदों के लिए नामांकन भरे हैं। इन्हें चुनाव लड़ने के लिए किसी एक पद का नामांकन वापस लेना होगा।

हाईकोर्ट के आदेश का पालन नहीं कर रहा शासन, कल घेराव

कर्मचारियों की मांगों पर चुप्पी साध बैठी है सरकार

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। भोपाल के कर्मचार पांच सूत्रीय मांगों के समर्थन में 16 जनवरी को दोपहर दो बजे मंत्रालय वल्लभ भवन का घेराव करेंगे और मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौपेंगे। यह निर्णय कर्मचारी मंच एवं मंत्रालय अधिकारी कर्मचारी संघ तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी सघं वाहन चालक कर्मचारी संघर्ष मोर्चा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी मोर्चा द्वारा संयुक्त रूप से लिया गया है।

16 जनवरी के आंदोलन का आवाह्न इंजीनियर सुधीर नायक, विजय मिश्रा, डा अनिल भार्गव वायु, मयूर उपाध्याय, राजकुमार पटेल, सत्येंद्र पांडे, चांद सिंह थावरिया, भानु प्रताप सिंह, हरि सिंह दरबार, प्रीतम सिंह मेहर, हरि सिंह, गुड्डू गुर्जर, लव प्रकाश पाराशर, नितिन गुप्ता, घनश्याम कटारे, सुनील पाठक, अभिमन्यु विश्वकर्मा ने किया है। आंदोलन का समर्थन मप्र सर्वजन न्याय मंच, ग्रामीण डाक कर्मचारी संघर्ष मोर्चा और सॅवर्ण अधिकारी कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने किया है। मप्र कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया है कि राज सरकार लंबे समय से प्रदेश के कर्मचारी की मांगों को संज्ञान में नहीं ले रही है मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की सरकार के गठन हुए दो साल का समय बीत गया है, लेकिन सरकार ने कर्मचारियों की एक भी मांग को मंजूर नहीं किया है। ना ही कर्मचारी संगठनों से संवाद किया है। सरकार न्यायालय के आदेशों का पालन कर कर्मचारियों को उसका लाभ नहीं दे रही है। पदोन्नति प्रक्रिया शुरू नहीं की जा रही है।

दैनिक जागरण
भोपाल, 15 जनवरी 2026

राजधानी जागरण

03

राजधानी का तापमान/मौसम
अधिकतम 26.8°c | न्यूनतम 9.8°c
राजधानी में सर्दी का मौसम शुरू हो गया है, आज भी तापमान गिर सकता है

11 • राज्य • 31 • संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित
www.dainikjagranmpcg.com

पितृपुरुष गुरुदेव गुप्त के 107वें जन्मदिवस पर जागरण परिवार ने किया स्मरण

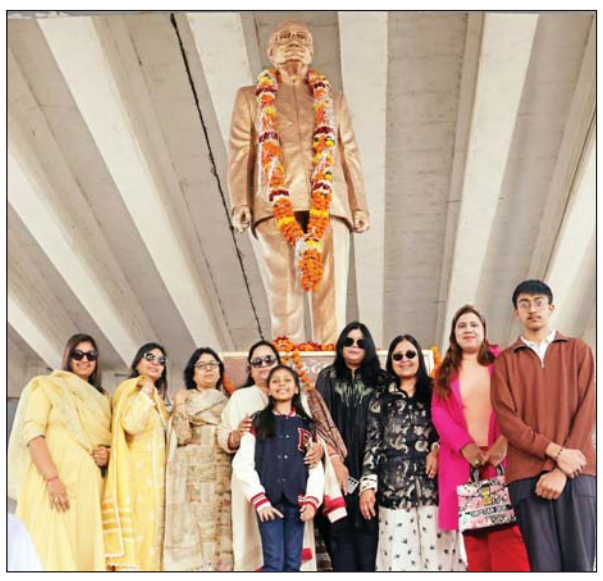

विशेष संवाददाता, भोपाल। पत्रकारिता के पितृपुरुष एवं दैनिक जागरण के संस्थापक स्वर्गीय गुरुदेव गुप्त को उनके 107वें जन्मदिन पर उन्हें याद किया गया। मंगलवार को राजधानी के स्व. गुरुदेव गुप्त चौराहे पर आयोजित गरिमामय आयोजन में उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल सहित विशिष्टजनों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी पुष्पांजलि अर्पित की। उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बाबू जी के साथ अपने संस्मरण बताते हुए उन्हें पत्रकारिता का पितृपुरुष बताया। खेल, युवा एवं सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने भी स्व. गुप्त को पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर दैनिक जागरण रीवा के संपादक मदनमोहन गुप्त, दैनिक जागरण भोपाल के स्थानीय संपादक एवं जागरण वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन हरिमोहन गुप्त, दैनिक जागरण भोपाल के संपादक राजीव मोहन गुप्त, दैनिक जागरण के मैनेजिंग डायरेक्टर आशुतोष मोहन गुप्त, जागरण वेलफेयर सोसाइटी के ज्वाइंट सेक्रेटरी अभिषेक मोहन गुप्त और दैनिक जागरण के सीईओ अंशुमान मोहन गुप्त सहित जागरण परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

समग्र ई-केवायसी करने में भोपाल जिला सबसे फिसड्डी

अब तक 54 फीसदी आबादी का हो सका सत्यापन, योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा

जागरण संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के 55 जिलों में समग्र आईडी की ई-केवायसी करने में भोपाल जिला अब तक सबसे फिसड्डी साबित हुआ है। जिले में अब तक 54 फीसदी आबादी की समग्र आईडी को आधार कार्ड के साथ सत्यापित किया जा सका है। जबकि प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहे छिंदवाड़ा में 94.46 फीसदी नागरिकों की समग्र आईडी की ई-केवायसी की जा चुकी है। इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर भोपाल संभाग का राजगढ़ जिला है। राजगढ़ में 92.70 नागरिकों की समग्र ई-केवायसी हो चुकी है। भोपाल जिले में सबसे ज्यादा समग्र ई-केवायसी नगर पालिका बैरसिया के अंतर्गत हुई हैं। यहां पर कुल 89.19 फीसदी नागरिकों की समग्र आईडी का सत्यापन किया जा चुका है। जबकि सबसे कम समग्र ई-केवायसी का सत्यापन नगर निगम भोपाल की सीमा में हुआ है। निगम सीमा में केवल 50.33 फीसदी नागरिकों की ही समग्र ई-केवायसी की गई है। जबकि जनपद पंचायत बैरसिया में 71.31 फीसदी और जनपद पंचायत पंचायत ग्रामीण में 70.08 फीसदी नागरिकों की ई-केवायसी हो चुकी है। इस तरह जिले में कुल 54.16 फीसदी नागरिकों की समग्र ई-केवायसी हुई है। सरकारी योजनाओं का लाभ सही लाभार्थी तक पहुंचाने और बार-बार कागजी कार्यवाही खत्म करने के लिए ई-केवायसी की जाती है, लेकिन इसके न होने के एवज में कई बार अपात्र लाभार्थी भी सरकारी योजनाओं का लाभ उठा लेते हैं। बता दें कि सरकारी योजनाओं का लाभ सही लाभार्थियों तक पहुंचाने, धोखाधड़ी रोकने और रिकॉर्ड को सटीक बनाने के समग्र आईडी की ई केवायसी की जाती है। ई केवायसी करने समग्र आईडी को आधार से लिंक करके नागरिक की पहचान इलेक्ट्रॉनिक रूप से सत्यापित की जाती है, जिससे छात्रवृत्ति, पेंशन और सब्सिडी जैसी सेवाओं के लिए पात्रता सुनिश्चित होती है।

भोपाल के सबसे विफल वार्ड

ई-केवायसी करने में नगर निगम भोपाल के वार्ड 67, वार्ड 13 और वार्ड 18 सबसे विफल रहे हैं। इसके अलावा वार्ड 30, 71, 35, 59, 11, 01, 40 भी विफल रहे हैं। इन वार्डों में अब तक 37 से 35 फीसदी आबादी का ही सत्यापन हो सका है।

वार्ड	सत्यापित आबादी का प्रतिशत
वार्ड 67	30.28
वार्ड 13	32.25
वार्ड 18	32.61
वार्ड 30	35.27
वार्ड 71	35.55
वार्ड 35	35.59
वार्ड 59	35.89
वार्ड 11	36.35
वार्ड 01	37.61
वार्ड 40	37.72

प्रदेश में टॉप 5 जिले

जिले का नाम	प्रतिशत
छिंदवाड़ा	94.46
राजगढ़	92.70
बालाघाट	92.26
नीमच	91.65
गुना	91.03

यह होते हैं लाभ

सरकारी योजनाओं का लाभ : विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए यह अनिवार्य है, अन्यथा लाभ रुक सकता है। **पहचान का सत्यापन :** यह आपकी पहचान की पुष्टि करता है और सुनिश्चित करता है कि जानकारी सही है। **डुप्लीकेसी खत्म करना :** आधार से लिंक होने पर समग्र आईडी में डुप्लीकेट एंट्री खत्म हो जाती हैं। **सीधा भुगतान (डीबीटी) :** आधार-लिंक्ड खातों में सीधे पैसा ट्रांसफर करने में मदद मिलती है, जिससे पारदर्शिता बढ़ती है। **समय और कागजी कार्यवाही की बचत :** एक बार सत्यापन के बाद बार-बार दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं पड़ती है।

यह है भोपाल की स्थिति

स्थानीय निकाय	पंजीकृत जनसंख्या	सत्यापित ई-केवायस	सत्यापन हेतु लंबित ई-केवायसी/प्रतिशत
जनपद पंचायत बैरसिया	290681	207277	82987/71.31
जनपद पंचायत फंदा	277278	197100	79713/71.08
नगर निगम भोपाल	2836979	1427989	1403455/50.33
नगर पालिका बैरसिया	33938	30269	3634/89.19
कुल	3438876	1862635	1569789/54.16

प्रदेश में 55 वें स्थान पर है भोपाल : लगातार प्रयासों के बाद भी समग्र ई-केवायसी करने में भोपाल की स्थिति में सुधार नहीं हो सका है। पूरे प्रदेश में भोपाल 55 वें स्थान पर है। जबकि भोपाल संभाग के दो जिले राजगढ़ और विदिशा की स्थिति बेहतर है। राजगढ़ 92.70 फीसदी ई-केवायसी के साथ दूसरे स्थान पर है। जबकि विदिशा 87.88 फीसदी ई केवायसी के साथ दूसरे स्थान पर है। सीहोर 87.61 ई-केवायसी कर 12वें स्थान पर, जबकि रायसेन में 77.85 फीसदी नागरिकों की ही ई-केवायसी हुई है। वह 32 वें स्थान पर हैं। जबकि भोपाल की स्थिति पूरे प्रदेश में सबसे खराब है।

नगर में आज

कर्मचारियों का प्रदर्शन
■ समय: दोपहर 1 बजे
स्थान: सतपुड़ा भवन में 55 विभागों के लिपिक कर्मचारी एकजुट होकर अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन करेंगे।

बुक डिस्कशन
■ समय: शाम 5:30 बजे
स्थान: अरेरा क्लब

समागम सम्मान
■ समय: दोपहर 3:30 बजे
स्थान तुषांत संग्रहालय

माह की प्रदर्शनी
■ समय: प्रतिदिन 12 बजे से
स्थान इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में

चैंबर चुनाव
■ समय: सुबह 11 से
■ स्थान: कोहेफिजा
बीसीसीआई भवन में चुनाव प्रक्रिया के तहत नाम वापसी होगी।

संक्षिप्त खबरें

बाइक की टक्कर से किसान की मौत

जागरण, भोपाल। बिलखिरिया थाना क्षेत्र में बाइक की टक्कर से किसान की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार 65 वर्षीय प्रताप सिहं आदमपुर छावनी में रहते थे। वह खेती किसानी का काम करते थे। सोमवार सुबह 11 वह अपनी बाइक से खेत जा रहे थे। तभी जेके रिसोर्ट के पास अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद राहगीरों ने तुरंत उन्हें निजी अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एसपीए में कल होगा सीपीटीईडी सम्मेलन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। स्कूल ऑफ प्लानिंग एण्ड आर्किटेक्चर (एसपीए) में क्राइम प्रिवेशन एनवायरनमेंटल डिजाईन (सीपीटीईडी) सम्मेलन 16 जनवरी को आयोजित होगा। एसपीए के वास्तुकला विभाग और नई दिल्ली के इंफॉमेशन शेयरिंग एण्ड एनालिसिस सेंटर द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। सीपीटीईडी पर केंद्रित यह एक दिवसीय सम्मेलन स्मार्ट सिटीज़, इंटलिजेंट बिल्डिंग और फिजिटल सिक्योरिटी जैसे विषयों पर चर्चा करेगा। आयोजकों को एब्स्ट्रेक्ट सबमिशन चरण में पूरे देश से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। इसमें 13 राज्यों के 22 शहरों से 33 संस्थानों और संगठनों ने भाग लिया।

चाइनीज मांझा बेचते दुकानदार समेत 4 के खिलाफ केस दर्ज

दो नाबालिग चाइनीज मांझा से पतंग उड़ाते मिले

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। राजधानी पुलिस ने दो दिन में जानलेवा चायनीज मांझा से खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। पुलिस ने चाइनीज मांझा बेचने वाले दुकानदार, ठेले वाले समेत चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। वहीं दो नाबालिग चाइनीज मांझा से पतंग उड़ाते मिले।

पुलिस के मुताबिक, अयोध्या नगर के एफ-सेक्टर निवासी संतोष जैन की सिंगारिका जनरल स्टोर से 5 रोल चाइनीज मांझा, किरण नगर निवासी जीतेन्द्र गौतम की श्रवणकांता कालोनी स्थित दुकान से 3 रोल चाइनीज मांझा बेचते हुए पकड़ा है। इसी तरह पिपलानी थाना पुलिस ने बालबिहार आनंद नगर निवासी संकेत जैन पिता संजय जैन के घर में चल रही पतंग-मांझा की दुकान से 1 खुला रोल व दो पैक रोल चाइनीज मांझा जब्त किया है। वहीं पिपलानी पुलिस ने एनसीसी ग्राउंड से दो नाबालिग बच्चों को

चाइनीज मांझा से पतंग उड़ाते हुए पकड़ा है। इधर, बिलखिरिया थाना पुलिस ने अनंतपुरा कोकता निवासी वहीद खां को ठेले पर चाइनीज मांझा बेचते हुए पकड़ा है। पुलिस ने उसके पास से 5 चरखी चाइनीज मांझा जब्त किया है। आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 223 के तहत केस दर्ज किया है। जोकि पुलिस कमिश्नर के आदेश का उल्लंघन है।

जबलपुर और सागर के सटोरिए भोपाल में खिलवा रहे थे क्रिकेट पर ऑनलाइन सट्टा

दो आरोपी गिरफ्तार, गोरखधंधे के लिए किराए पर लिया था फ्लैट

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। जबलपुर और सागर के सटोरिए भोपाल में क्रिकेट पर आनलाइन सट्टा खिलवा रहे थे। कोलार रोड पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे 16 मोबाइल, 3 लैपटाप, भारी संख्या में सिम और 36 हजार रुपए जब्त किए हैं। पुलिस आरोपियों की कॉल डिटेल और बैंक अकाउंट की जानकारी खंगाल रही है। उनका नेटवर्क इंदौर, सागर, जबलपुर और बालाघाट आदि जिलों में फैला है। तीन गुना पैसे देने का लालच देकर आरोपी लोगों को अपने जाल में फांसते थे। सटोरियों ने गोरखधंधे के लिए कोलार में किराए का फ्लैट लिया था। मकान मालिक ने किराएदार की सूचना पुलिस को नहीं दी थी। पुलिस उन्हें नोटिस जारी करने जा रही है। कोलार रोड थाना प्रभारी संजय सोनी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर मंगलवार रात आशियाना हाइट्स के फ्लैट नंबर 104 में छापा मारा था। जहां पर दो युवक क्रिकेट पर आनलाइन सट्टा खिलवा रहे थे। उनके पास आईडी थी,

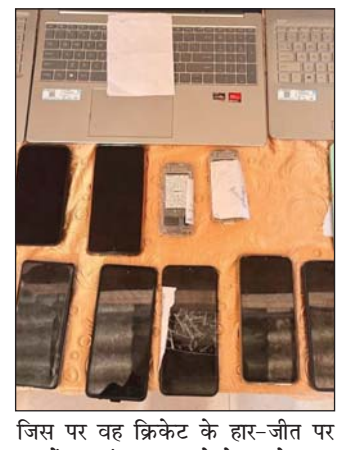

जिस पर वह क्रिकेट के हार-जीत पर रुपयों का दांव लगवा रहे थे। उनके पास लैपटाप था। मोबाइल पर कॉल से सट्टा बुक कर रहे थे। उनके पास 36 हजार रुपए नकद मिले। आरोपियों की पहचान अमित सुहाने (32) पिता सुरेश सुहाने निवासी एलआईजी 181 रेलवे स्टेशन के पास मकरोनिया सागर हाल पता फ्लैट नंबर 104 आशियाना हाइट्स कोलार और अमित रावत (40) निवासी मनमोहन नगर गायत्री मंदिर रोड़ जबलपुर के रूप में हुई। दोनों आरोपी अवैध रूप से सट्टा खिलवाकर धनलाभ अर्जित कर रहे थे। पुलिस ने दोनों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया।

मकान मालिक को देगी नोटिस

पुलिस दोनों आरोपियों के मोबाइल की कॉल डिटेल खंगाल रही है। वह किन-लोगों से बातें करते थे और उन्होंने किसे-किसे आईडी बांटी है। उनसे कौन लोग जुड़े हैं। बैंक अकाउंट के माध्यम से पैसों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस सागर और जबलपुर से उनके पूर्व आपराधिक रिकार्ड का पता लगा रही है। आरोपी अमित सुहाने ने चार महीने पहले आशियाना हाइट्स में फ्लैट किराए पर लिया था। मकान मालिक ने किराएदार की सूचना नहीं दी थी। पुलिस मकान मालिक को नोटिस जारी करने जा रही है।

राशन वितरण में गड़बड़ी पर सोसायटी संचालक के खिलाफ एफआईआर

जागरण, भोपाल। बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान में राशन वितरण में अनियमितता पाए जाने पर पुलिस ने आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार 15 अक्टूबर 2025 को खाद्य अधिकारी मयंक दुबे निरीक्षण के लिए कोलुआ खुर्द सोसायटी की राशन दुकान पर पहुंचे थे। जांच के दौरान दुकान में गेहूं, चावल और शक्कर की मात्रा रजिस्टर्ड स्टॉक से ज्यादा पाया गया था। भौतिक सत्यापन में अतिरिक्त अनाज बरामद हुआ। निरीक्षण के दौरान दुकान पर न तो सूचना बोर्ड लगा था और न ही वस्तुओं की दर सूची प्रदर्शित की गई थी। इसके अलावा पीएम (पॉइंट ऑफ सेल) मशीन भी नहीं पाई गई, जो शासन के निर्देशों के खिलाफ है। इस पर खाद्य अधिकारी मयंक दुबे ने उच्च अधिकारियों से शिकायत की। जांच सही पाए जाने पर पुलिस ने दुकान संचालक किरण चौकसे के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नवाचार दूषित पानी की शिकायत के बाद भोज विवि प्रबंधन की पहल, इधर... कमला नेहरू सांदीपनि स्कूल में स्वच्छता के लिए प्रेरणादायक मुहिम

इंदौर घटना से सबक: भोज विवि में अब सप्लाई होगा नर्मदा जल, 60 पुरानी टंकियां भी बदलीं

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। दूषित पानी को लेकर प्रदेशभर में भय का माहौल बना हुआ है। इंदौर में दूषित पानी पीने से अब तक करीब दो दर्जन लोगों की मौत हो चुकी है। इधर, दूषित पानी का इस्तेमाल करने से भोज मुक्त विवि के कर्मचारी-अधिकारियों को चर्म रोग का शिकार हो रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि वे दाद-खाज और खुजली के रोग से परेशान हैं। इस परेशानी को देखते हुए रजिस्ट्रार डॉ सुशील मंडोरिया ने पानी सप्लाई की पूरी व्यवस्था को बदलने का निर्णय लिया है। रजिस्ट्रार ने नगर निगम को 70 लाख रुपये का भुगतान कर नर्मदा लाइन से पूरे विवि में पानी की सप्लाई का इंतजाम कर दिया है। इससे भोज में रहने वाले सभी कर्मचारी और अधकारियों को नर्मदा का साफ और स्वच्छ पानी मिलेगा, जो उन्हें सभी प्रकार के चर्म रोगों से मुक्ति देगा। इसके अलावा विवि में रखी पानी की पांच दर्जन पानी की टंकियां भी बदलवा दी गई हैं। बता दें कि अभी तक भोज विवि में ट्यूबवेल का पानी सप्लाई किया जा रहा था। परीक्षण रिपोर्ट में ट्यूबवेल के पानी में काफी मात्रा में टीडीएस आया है, जिससे यहां रहने वाले लोगों को चर्म रोग का सामना करना पड़ रहा था। ऐसी शिकायतों को देखते हुए रजिस्ट्रार मंडेरिया ने सबसे पहले पानी की सप्लाई का परीक्षण कराया। इसमें देखा कि यहां सालों की रखी पानी की टंकी साफ नहीं हुई हैं। उनकी हालत बहुत ही खराब बनी हुई है। इसके बाद समूचे विवि में रखीं 60 पुरानी टंकियां हटवाकर नई रखवा दी गई हैं। बताया जा रहा है कि जल्द ही भोज विवि में नर्मदा जल की सप्लाई शुरू हो जाएगी।

जलपात्र हुए खराब

भोज विवि में पानी की पूर्ति करने के लिए तीन-तीन ट्यूबवेल हैं। इन्हीं ट्यूबवेल से पानी की सप्लाई पूरे भोज विवि में होती है। पानी को संग्रहित करने वाले पानी के पात्र खराब हो गए हैं। यहां तक कूलरों में मोटी मोटी परत जम गई है। कई घरों के कूलर सड़ गए हैं, जिसे कर्मचारी और अधिकारी ठीक कराने में लगे हुए हैं।

दूषित पानी के प्रभाव को देखते हुए नर्मदा लाइन से पानी की सप्लाई करने का निर्णय लिया गया है। दूषित पानी से पानी की टंकियां खराब हो गई थीं, जिन्हें बदलवा दिया गया है।
- प्रो सुशील मंडेरिया, कुलसचिव भोज मुक्त विश्वविद्यालय

हर कक्षा में स्वच्छता मॉनीटर नियुक्त, खुद कचरा उठाकर डस्टबिन में डालती हैं छात्राएं

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। कमला नेहरू सांदीपनि स्कूल स्वच्छता को लेकर चर्चा में बना हुआ है। स्कूल की छात्राओं द्वारा किया जा रहा नवाचार प्रेरणादायक बन गया है। स्कूल की कक्षाओं से लेकर गैलरी और ग्राउंड में फैले कचरे को हटाने के लिए चपरासी नहीं बुलाया जाता है। बल्कि छात्राएं स्वयं ही पूरा कचरा उठाकर डस्टबिन में डाल रही हैं। स्कूल प्रबंधन ने हर कक्षा में स्वच्छता मॉनीटर नियुक्त किया हुआ हैं, जो हर कक्षा में सफाई व्यवस्था पर नजर रख रहा है। स्कूल में गीले और सूखे कचरे का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। छात्राओं की पेंसिल छीलन से लेकर पुस्तकों से निकली अन्य सामग्री को डस्टबिन में डलवाने तक के सभी कार्य उक्त स्वच्छता मानीटर का रहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन का स्लोगन देते हुए छात्राओं ने सिर्फ हर कक्षा को सफाई से चाक-चौबंद किया हुआ है।

जलपात्र हुए खराब

भोज विवि में पानी की पूर्ति करने के लिए तीन-तीन ट्यूबवेल हैं। इन्हीं ट्यूबवेल से पानी की सप्लाई पूरे भोज विवि में होती है। पानी को संग्रहित करने वाले पानी के पात्र खराब हो गए हैं। यहां तक कूलरों में मोटी मोटी परत जम गई है। कई घरों के कूलर सड़ गए हैं, जिसे कर्मचारी और अधिकारी ठीक कराने में लगे हुए हैं।

अभिभावक भी करते हैं खुलकर प्रशंसा

हर माह स्कूल मैनेजमेंट कमेटी की बैठक में भी अभिभावक छात्राओं की खुलकर प्रशंसा कर रहे हैं। उनका कहना है कि छात्राएं स्कूल से लौटकर घर आती हैं, तो सबसे पहले उनका फोकस घरों में स्वच्छता के प्रति रहता है। वे गली मोहल्ले में स्वच्छता के लिए लोगों को जागरूक करने का कार्य भी करने लगी हैं। छात्राओं का कहना है कि समाज में यह चेतना लाना जरूरी है, क्योंकि सफाई है, तो समृद्धि है। स्वच्छता के लिए स्कूल में किए गए छात्राओं के कार्य की चर्चा अब घर-परिवार और गली-मोहल्लों में होने लगे हैं। स्कूल प्रबंधन का कहना है कि छात्राएं जितनी पढ़ाई के लिए गंभीर हैं, उतनी सफाई के लिए जागरूक है। स्कूल में गंदगी देखने को नहीं मिल रही।

स्कूल की छात्राएं स्वच्छता के प्रति ज्यादा गंभीर हैं। स्कूल प्रबंधन द्वारा हर कक्षा में स्वच्छता मॉनीटर नियुक्त किया गया है। वे अपनी पढ़ाई के साथ सफाई का भी पूरा ध्यान रख रही हैं। अभिभावक भी उनके इस कार्य काफी प्रभावित हैं। **- संगीता सक्सेना,** प्राचार्य, महर्षि सांदीपनि कमला नेहरू उमावि, भोपाल

दैनिक जागरण

सप्तरंग

अंतस और अध्यात्म का

भोपाल 15 जनवरी 2026

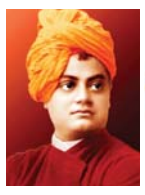

निर्झरिणी

ब्रह्मांड की सारी शक्तियों का प्रकाश हमारे अंदर है। हमने ही अपनी आंखों पर हाथ रखा हुआ है और कहते हैं कि अंधेरा है। - स्वामी विवेकानंद

बदलाव के लिए बदलें दृष्टिकोण

जीवन दर्शन

ब्रह्मा कुमारी शिवानी
प्रेरक वक्ता

संसार में जो कुछ है, वह हमारे दृष्टिकोण पर निर्भर करता है। हमारा सुख-दुख भी। हम अपने व दूसरों के दृष्टिकोण को बदलकर जीवन व जगत के दृश्य को बदल सकते हैं। कहते भी हैं, जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि। यह सृष्टि हमारे सोच, दृष्टिकोण, कर्म और संबंधों पर आधारित है ....

हम अपने आपसी संबंधों में मधुरता चाहते हैं, सही ऊर्जा का लेन-देन करने की प्रयास करते हैं। अगर आपसी लेन-देन की हमारी ऊर्जा में सामंजस्य व समानता नहीं होगी तो हम लोगों के बीच असहज-सी भावना होगी। ऐसा अनुभव किसी पड़ोसी, सहकर्मी, संबंधी या फिर अपने ही परिवार के सदस्यों के साथ भी हो सकता है। अगर हम अपने संबंधों की गुणवत्ता की जांच करना चाहें तो हमें बाहर देखने की आवश्यकता नहीं है। अपने दृष्टिकोण और विचारों पर दृष्टि रखते हुए हम देख सकते हैं कि हम दूसरों के साथ किस तरह का संबंध रखते हैं। जिनके बारे में हम अधिकतर अच्छा सोचते हैं, उनके साथ हमारे सुंदर संबंध होते हैं और जिनके साथ हमारा सोच उलझा हुआ होता है, उनके साथ संबंधों में कटुता हो सकती है।

हम अपने संबंधों में पास भी आ सकते हैं और दूर भी जा सकते हैं। यह सब हमारे दृष्टिकोण और निर्वाह के ढंग पर निर्भर करता है। मान लीजिए, आपने अपने किसी सहकर्मी के कार्य से संतुष्ट न होकर उसके बारे में नकारात्मक सोचा और चाहा कि वह काम छोड़कर चला जाए। भले ही आपने उसे कुछ कहा नहीं, पर आपके इस सोच का स्पंदन उसके पास पहुंच गया। वह उदास हुआ और उसने काम छोड़ने का निश्चय किया। उसके सोच का भी स्पंदन आप तक पहुंचा तो आपने मन में ही उसे शुभ भावना का स्पंदन भेजा। आप देखेंगे कुछ समय के बाद वह बहुत ही स्नेही व बदला हुआ दिखेगा और आपके साथ पुनः काम करने के लिए तैयार हो जाएगा। यह उदाहरण हमें नजरिया बदल कर नजारा बदलने की बात को पुष्टि करता है। आपने उसके लिए सोच और दृष्टिकोण बदला, तो वह भी बदल गया। वह आपके नकारात्मक विचारों के स्पंदन के वशीभूत होकर काम छोड़कर जाना चाहता था, लेकिन जब आपने सकारात्मक विचारों का स्पंदन भेजा, उसे स्नेहमयी ऊर्जा का उपहार भेजा, तो वह पुनः काम करने के लिए तैयार हो गया। कई बार अपने नकारात्मक कार्यकलापों के लिए हम क्षमा मांग लेते हैं, पर उस दशा में हमें मनचाहे परिणाम नहीं मिलते हैं, क्योंकि संबंधों का विरोध बाहरी नहीं, भीतरी है। जब हम किसी के विरोध में होते हैं, तो हमारे मन के भीतर की डोरियां उलझ जाती हैं। एक बार उन्हें खोल दें तो बाहरी तौर पर क्षमा तुरंत स्वीकार हो जाती है। यदि हम क्षमा मांगें, पर हमारे ही विचार हमारा साथ न दें, तो वही व्यक्ति हमारी क्षमा-याचना को ठुकरा देगा। भले ही आप उसे नौकरी में ठहरने को कहें, परंतु वह छोड़ने के लिए अड़ा रहेगा, क्योंकि क्षमा का स्पंदन उसके अंतःकरण तक पहुंचा ही नहीं है।

हम किसी के बारे में लगातार नकारात्मक विचार तब उत्पन्न करते हैं, जब हम उसके व्यक्तित्व के किसी विशेष संस्कार के साथ सहज नहीं होते हैं। हमारा मन उन विचारों में उलझ जाता है। परंतु जब हम उस संस्कार पर केंद्रित होना बंद कर देते हैं तो हमारे भीतर कोई भारी ऊर्जा जमा नहीं होती, जबकि वह संस्कार उस व्यक्ति में तब भी उपस्थित होता है। इसका अर्थ है कि हमारा संबंध-दो आत्माओं के बीच ऊर्जा के आदान-प्रदान की गुणवत्ता पर निर्भर करता है। इस पहलू को समझना आवश्यक है कि प्रतिदिन हम बहुत से ऐसे लोगों से मिलते हैं, जिनके संस्कार हमसे मेल नहीं खाते हैं। अगर हम पुराने ढांचे के सोच से जुड़े रहे, तो बहुत से लोगों से हमारी विरोध की स्थिति बन सकती है।

कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनके साथ हम नाता नहीं जोड़ पाते, क्योंकि हमारा स्वभाव उनके साथ मेल नहीं खाता। हम ऐसे मामले में भी आपसी तालमेल रख सकते हैं। हो सकता है कि उनके दोष हमें दिखें, परंतु अगर हम नकारात्मकता को अपने ऊपर हावी नहीं होने देंगे, तो हमारे संबंधों में सामंजस्य हो सकता है। इससे यह पाठ सीखने को मिलता है कि विरोध दूसरे व्यक्ति के व्यवहार में नहीं, अपितु आपके दृष्टिकोण एवं कार्यशैली में होता है। संबंध का अर्थ है एक आत्मा का दूसरे आत्मा से संपर्क। जब भी हम दूसरे व्यक्ति का विरोध करते हैं, तो इसका अर्थ है कि दोनों आत्माओं के बीच आपस में संपर्क नहीं रहता है। वे अपने मूल गुणों व योग्यताओं से दूर हो जाते हैं। उनकी ऊर्जा में बाधा उत्पन्न होती है।

जीवन दर्शन

मोरारी बापू
प्रसिद्ध कथावाचक

ज्ञान और वोध में अंतर है। ज्ञान होने पर व्यक्ति में क्रोध हो सकता है, बोध में नहीं। वोध आते ही क्रोध और विरोध दोनों ही समाप्त हो जाते हैं...

ज्ञान व्यक्ति को लाभ अर्जित करने का गुण दे सकता है, लेकिन बोध व्यक्ति को शुभ की तलाश कराता है। बोध कहेगा कि शुभ का संग करो। प्रत्येक लाभ में शुभ नहीं होता, लेकिन प्रत्येक शुभ में लाभ ही होता है। शुभ का संग भी सत्संग है। बोध सिखाता है कि शुभ जहां से भी मिले, वहां से उसे ग्रहण कर लिया जाए।

बोध से समाप्त हो जाता है विरोध

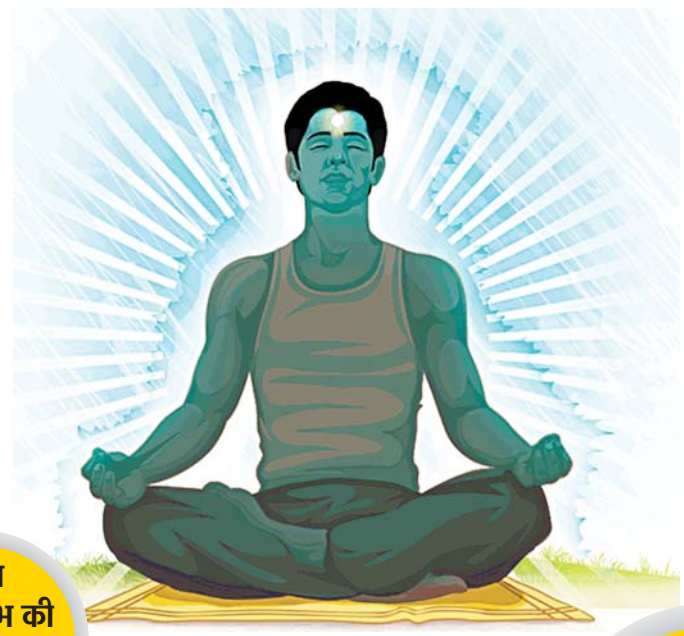

जिसे बोध हो गया, वह क्रोध कर ही नहीं सकता। बोध होते ही क्रोध और विरोध हृदय से बाहर निकल जाते हैं। क्रोध और विरोध परमात्मा को प्राप्त करने के मार्ग में भी बाधक बन जाते हैं। काग भुशुंडि ने महर्षि लोमस से राम-चरण के दर्शन की इच्छा जताई। महर्षि लोमस निराकार ब्रह्म की भक्ति करते थे। क्रोधित महर्षि लोमस ने काग भुशुंडि को शाप दे दिया। काग भुशुंडि ने तो काग रूप में भी भगवान के दर्शन प्राप्त कर लिए, लेकिन क्रोधवश महर्षि लोमस को यह फल नहीं मिला।

बोध सदैव शुभ की खोज कराता है।

मैं अक्सर कहता हूं कि छह स्थितियों में बिल्कुल भी क्रोध न करें। पहला, सुबह उठते ही क्रोध न करें। दूसरा, भजन-पूजन के समय क्रोध न करें। तीसरा, घर से बाहर जाते समय क्रोध न करें। चौथा, दफ्तर से आते समय क्रोध न करें। पांचवां, बच्चों पर क्रोध न करें और छठा रात्रि में सोते समय क्रोध न करें। आप पूछेंगे कि इन छह के अलावा क्या कहीं भी क्रोध कर सकते हैं, तो उसके जवाब में मेरा कहना है कि जब आप इन छह स्थितियों में क्रोध नहीं करेंगे तो फिर धीरे-धीरे क्रोध आपसे छूट ही जाएगा। आप फिर कहीं भी क्रोध नहीं कर सकेंगे। इसलिए मैं कहता रहता हूं कि बोध है तो फिर क्रोध कैसा? और अगर क्रोध है तो फिर बोध कैसा?

दोनों साथ-साथ चल ही नहीं सकते। हमारे यहां बहुत ही प्रचलित शब्द है शुभ लाभ। ज्ञान व्यक्ति को लाभ अर्जित करने का गुण दे सकता है, लेकिन बोध व्यक्ति को शुभ की तलाश कराता है। बोध कहेगा कि शुभ का संग करो। प्रत्येक लाभ में शुभ नहीं होता, लेकिन प्रत्येक शुभ में लाभ ही होता है। शुभ का संग भी सत्संग है। बोध सिखाता है कि शुभ जहां से भी मिले, वहां से उसे ग्रहण कर लिया जाए। इसीलिए सत्संग से मेरा आशय सिर्फ धार्मिक क्रिया से नहीं होता। वह तो सत्संग है ही, लेकिन मेरे लिए सत्संग का अर्थ बहुत व्यापक है। एक अच्छी शायरी, कविता, गीत भी मेरे लिए सत्संग है। किसी फिल्म का गीत अगर प्रेरणा देता है तो मेरे लिए वह भी सत्संग का ही हिस्सा है।

ज्ञान हमें सीख देता है कि सत्य बोला जाए। बोध हमें बताता है कि सत्य को किस तरह बोला जाए कि वह कड़वा न हो जाए। जब हम सच की बात करते हैं तो एक कहावत कही जाती है कि सत्य हमेशा कड़वा होता है। वह आसानी से पचता नहीं है। मैं ऐसा नहीं मानता। मुझे लगता है कि सत्य को जानबूझकर कड़वा कर दिया जाता है। जो लोग कड़वा बोलने की तैयारी करके सत्य बोलते हैं, वे अनुचित शब्दों का चुनाव कर, गलत अंदाज में बोलकर उसे कड़वा बना देते हैं। बोध से हम जान जाते हैं कि सत्य को मीठा बनाकर भी बोल सकते हैं। दूसरे का दिल भी न दुखे और बात भी समझ में आ जाए।

काग भुशुंडि ने महर्षि लोमस से राम-चरण के दर्शन की इच्छा जताई। महर्षि लोमस निराकार ब्रह्म की भक्ति करते थे। क्रोधित महर्षि लोमस ने काग भुशुंडि को शाप दे दिया।

ज्ञान के लिए कुछ साधन चाहिए। कुछ पढ़ना, कुछ सुनना, कुछ अध्ययन। बोध किसी बुद्धपुरुष, सद्गुरु की कृपा से भी हो सकता है। बोध किसी साधन का मोहताज नहीं होता। गौतम बुद्ध अपने 10 हजार शिष्यों से बात करते थे। इसका अर्थ यह नहीं कि प्रत्येक भक्त से अलग-अलग कक्ष में मिलते होंगे, बल्कि जो लोग गौतम बुद्ध की शरण में गए होंगे, उन्हें उनके द्वारा कही बातों को समझने का अवसर मिला होगा। व्यक्ति जब भगवान की भक्ति में लीन होता है तो उसके गुण, उपदेश, आदर्श को अंतःकरण में महसूस करने लगता है। जब भी भक्त को आवश्यकता होती है तो भगवान किसी न किसी रूप में अवश्य उसके सामने उपस्थित होते हैं। यह युगे युगे नहीं, क्षणे-क्षणे, दिने- दिने भी हो सकता है। एक बार किसी ने पूछा था कि इस धरती पर न तो बोधिवृक्ष है और न ही आनंद तो फिर गौतम बुद्ध यहां दोबारा कैसे आएंगे। मैंने कहा था कि जिस वृक्ष के नीचे बुद्ध बैठ जाएं, वही वृक्ष बोधिवृक्ष हो जाएगा। अगर गौतम बुद्ध आए तो आनंद तो आएगा ही।

इसमें संदेह नहीं कि ज्ञान किसी भी व्यक्ति को सांसारिक समृद्धि दे सकता है, लेकिन बोध बताता है कि हमें अपने साथ-साथ सभी की समृद्धि की कामना करनी चाहिए। अगर समृद्धि हमें भावशून्य कर दे तो यह घाटे का सौदा होगा। ऐसी प्रगति, ऐसी भौतिक उन्नति किसी काम की नहीं है, जो हमारे भगवत स्मरण को घटा दे और हमारी आंखों के आंसुओं को सुखा दे। कुछ करके दिखाने की होड़ और पैसा कमाने की आपाधापी में लोग प्रसन्न रहना तो भूल ही रहे हैं, हद तो यह है कि वो रोना भी भूल रहे हैं। कई लोग कहते हैं कि धन-संपत्ति तो खूब कमा ली, मगर अब किसी भी बात पर आंखें नम नहीं होतीं। आपकी करुणा का समाप्त होना या कम होना घाटे का सौदा है। कुछ भी कमा लो और संवेदनाओं को गंवा दो तो बहुत हानि की बात है। बोध बताता है कि ऐसी समृद्धि दो कौड़ी की है, जो व्यक्ति को भाव शून्य बना दे।

सार रूप में कहूं तो बोध हमें भरोसा देता है कि हमारे जीवन में जो भी घटनाएं घट रही हैं, वे परम तत्व की ओर ले जाने वाली घटनाएं हैं। जीवन में जो रही है।

सच कड़वा होता है

ज्ञान हमें सीख देता है कि सत्य बोला जाए। बोध हमें बताता है कि सत्य को किस तरह बोला जाए कि वह कड़वा न हो जाए। जब हम सच की बात करते हैं तो एक कहावत कही जाती है कि सत्य हमेशा कड़वा होता है। वह आसानी से पचता नहीं है। मैं ऐसा नहीं मानता। मुझे लगता है कि सत्य को जानबूझकर कड़वा कर दिया जाता है। जो लोग कड़वा बोलने की तैयारी करके सत्य बोलते हैं, वे अनुचित शब्दों का चुनाव कर, गलत अंदाज में बोलकर उसे कड़वा बना देते हैं।

देवताओं के दिन का आरंभ है मकर संक्रांति

पर्व-संस्कृति

प्रो. गिरिजा शंकर शास्त्री
अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय

मान्यता है कि यह समय देवताओं के लिए दिन तथा असुरों के लिए रात्रि का काल है। यहीं से पृथ्वी वासियों के लिए भी प्रकाश बढ़ने लगता है। उत्तरायण में दिन बढ़ने लगता है। प्रकाश की वृद्धि सर्वथा शुभ होती है।

भारतीय संस्कृति में वेदों से लेकर लौकिक साहित्य तक सर्वत्र भगवान सूर्य की महिमा सर्वाधिक रूप में वर्णित है। सूर्य प्रत्यक्ष देवता हैं। सूर्य संपूर्ण संसार के नेत्र 'हृदय तथा जीवों की उत्पत्ति' पालन, पोषण, संहारक देव हैं। संपूर्ण जगत की आत्मा हैं। तभी तो वेद उद्घोषित करते हैं - सूर्य आत्मा जगतस्तस्थुषश्च। संपूर्ण देवता इन्हीं के स्वरूप हैं। जब भगवान सूर्य धनु राशि का भ्रमण पूरा करके मकर राशि में प्रवेश करते हैं, उस काल को मकर संक्रांति कहा जाता है। मकर राशि में सूर्य एक महीने रहते हैं। संपूर्ण महीने व्रत, तप, यज्ञ, अनुष्ठान, जप, हवन, कथा श्रवण आदि का अनंत पुण्य होता है, तथापि मकर राशि में सूर्य के प्रवेश काल से 32 घटी अर्थात 12 घंटा, 48 मिनट सर्वाधिक पुण्यदायी काल कहा गया है।

राशियों के क्रम में मकर राशि दसवीं राशि है, दसवां स्थान आकाश एवं कर्म का है। मकर का अर्थ है जो मंगल या कल्याण प्रदान करें। मकर संक्रांति प्राकृतिक पर्व है तथापि भारतवर्ष में इसे धार्मिक पर्व के रूप में सदैव से मनाया जाता रहा है। पुराणों एवं धर्मशास्त्रों ने इसे अत्यधिक पुण्यदायी संक्रांति माना है। इसका कारण है कि यहीं से सूर्य अपने गमन पथ के दक्षिणी मार्ग का परित्याग करके उत्तर मार्ग पर चलना आरंभ करते हैं, अतएव इस पर्व को उत्तरायण भी कहा जाता है। मान्यता है कि यह समय देवताओं के लिए दिन तथा असुरों के लिए रात्रि का काल है। यहीं से पृथ्वी वासियों के लिए भी प्रकाश बढ़ने लगता है। उत्तरायण में दिन बढ़ने लगता है। प्रकाश की वृद्धि सर्वथा शुभ होती है।

इस पर्व का दूसरा एवं महत्वपूर्ण कारण यह है कि आज से लगभग 35 सौ वर्ष पूर्व वेदांग ज्योतिष के रचनाकार महात्मा लगध ने इस काल को युगादि अर्थात युगारंभ का प्रथम दिन कहा था। युगारंभ के साथ-साथ शिशिर ऋतु भी इसी दिन से आरंभ होती है और उत्तरायण काल के आरंभ को ही मकर संक्रांति, अयनी संक्रांति तथा खिचड़ी पर्व भी कहा जाता है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने उत्तरायण तथा दक्षिणायन का वर्णन करते हुए कहा है, जिस मार्ग में प्रकाश स्वरूप अग्नि, दिनाधिपति देवता तथा शुक्लपक्षाधिपति देवता विद्यमान है, वहीं छह मास का उत्तरायण है, जहां तमस का आधिक्य है, वहीं छह महीने का दक्षिणायन का काल है। व्यास जी कहते हैं, यह (उत्तरायण) काल योगियों द्वारा चाहा जाने वाला है। आध्यात्मिक दृष्टि से जब मनुष्य सद्विचार, विद्या, विवेक, वैराग्य, ज्ञान आदि के चिंतन में प्रवृत्त होता है, वही उत्तरायण की स्थिति है। जब वह भोग-सुख, काम, क्रोध में वृत्ति लगाता है, वही दक्षिणायन है। उत्तरायण के सूर्य में शरीर त्याग की इच्छा बड़े-बड़े संत महंत, ऋषि, योगी, तपस्वी तथा संन्यासी भी करते हैं।

श्रीमद्भागवत महापुराण में वर्णन आता है कि शरशय्या पर पड़े हुए भीष्म पितामह ने इच्छा मृत्यु वरदान होने के कारण कष्ट सहते हुए भी अपना शरीर नहीं छोड़ा, अपितु उत्तरायण की प्रतीक्षा करते रहे। महाभारत की कथा के अनुसार एक बार दुर्वासा ऋषि कौरव पांडवों के गुरु द्रोणाचार्य के आश्रम में गए। वहां उनकी पत्नी कृपी ने ऋषि की पूजा-अर्चना की। दुर्वासा के प्रसन्न होने पर उन्होंने संतान प्राप्ति का उपाय पूछा। दुर्वासा ने कहा कि यदि तुम मकर संक्रांति के दिन स्नान करके सूर्य की पूजा करोगी तो तुम्हें संतान प्राप्त होगी। कृपी ने वैसा ही किया और उन्हें अश्वत्थामा नामक पुत्र यथा समय प्राप्त हुआ।

एक दूसरी कथा के अनुसार एक बार सुनाग मुनि ने महर्षि जावालि से मकर संक्रांति के महत्व को जानना चाहा। महर्षि जावालि ने मकर संक्रांति का महत्व बताते हुए कहा कि जो इस अवसर पर भगवान शंकर का अभिषेक घी से करके तिल, पुष्प, बेलपत्र आदि चढ़ाएगा उसे अक्षय पुण्य की प्राप्ति होगी। सूर्य के उत्तरायण में प्रवेश करने के समय से ही वैवाहिक संस्कार, जलाशय, देव प्रतिष्ठा, अग्न्याधान तथा गृह प्रवेश आदि समस्त शुभ कार्य होने लगते हैं।

पहचानें अपनी आंतरिक शक्ति को

दृष्टिकोण ..

वेद में कहा गया है-कर्म ज्ञानपूर्वक करना चाहिए। ऐसे कर्म ही हमें मुक्ति दिलाते हैं। दुखों से छुटकारा दिलाते हैं। यही मोक्ष के मार्ग हैं। जीवन के जो चार पुरुषार्थ हैं, उनमें धर्म पहल नंबर पर आता है।

धर्मावलंबी व्यक्ति सच्चरित्रता से अपने जीवन को सार्थक बना लेता है। वेद में कहा गया है-कर्म ज्ञानपूर्वक करना चाहिए।

एक चरित्रवान व्यक्ति कभी अमानवीय नहीं हो सकता।

हमारे अच्छे कर्म हमारी सबसे बड़ी पूंजी हैं। जिसके पास यह पूंजी है, वही असली धनवान है। वही गुणवान है। वही चरित्रवान है। नित्य प्रति के कर्मों को किस तरह हम सूझबूझ से करते हैं, हमारी संवेदना कितनी गहरी है, इस पर निर्भर करता है कि हमारे कर्मों का परिणाम क्या होगा।

एक चरित्रवान व्यक्ति कभी अमानवीय नहीं हो सकता। इसलिए कहा गया है कि चरित्र को संवारते रहिए, बाकी सभी चीजें अपने आप संवरती जाएंगी। यदि हम अपने जैसा दुख-सुख, हानि-लाभ और दुर्दिन-सुदिन दूसरे में भी महसूस करते हैं तो हम ईमानदार और चरित्रवान प्राणी हैं। ऐसे व्यक्तियों से ही धरती पर स्वर्ग की कल्पना की जाती है। सुकर्म व सच्चरित्र जिनमें नहीं है, वे मानव होकर भी पशुवत है। हम अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानने का प्रयास नहीं करते। हमारे अंदर दो तरह की शक्तियां मौजूद हैं। एक वह, जो हमें बुरे कर्म की ओर प्रेरित करती है। इसे दुर्बुद्धि कह सकते हैं। दूसरी शक्ति है, जो सुबुद्धि की तरफ प्रेरित करती है। निर्णय हमारा होगा कि हम सुबुद्धि की तरफ चलते हैं या दुर्बुद्धि की तरफ। हम जो कर्म करते हैं, वे स्वयं के लिए, परिवार और समाज के लिए कितने अनुकूल हैं, इस पर हमें गौर करने की जरूरत है।

जीवन छोटा हो या बड़ा, लेकिन वह स्वयं के उत्थान और परहित में समर्पित है. मानवता के निर्माण में समर्पित है, चरित्र के निर्माण में समर्पित है तो ऐसा जीवन ही सार्थक माना जाता है। धर्म के मार्ग पर चलने वाले और अधर्म के मार्ग पर चलने वाले व्यक्तियों में अंतर उनके चरित्र से लगता है।

धर्मावलंबी व्यक्ति सच्चरित्रता से अपने जीवन को सार्थक बना लेता है। वेद में कहा गया है-कर्म ज्ञानपूर्वक करना चाहिए। ऐसे कर्म ही हमें मुक्ति दिलाते हैं। दुखों से छुटकारा दिलाते हैं। यही मोक्ष के मार्ग हैं। जीवन के जो चार पुरुषार्थ हैं, उनमें धर्म पहल नंबर पर आता है। दूसरे में अर्थ आता है अर्थात धर्मपूर्वक किए गए कर्म ही सार्थक हैं।

तीसरे नंबर पर आता है काम अर्थात हमारी कामना का प्रयोजन। अगर यह प्रयोजन उन्नति की ओर ले जाने वाला है तो उससे सुख होता है।

सनातन धारा

डा. प्रणव पण्ड्या
प्रमुख, अखिल विश्व गायत्री परिवार

गुरुवंश परंपरा के प्रथम गुरु भगवान दत्तात्रेय

भगवान दत्तात्रेय मानते हैं कि हम आत्मा हैं, शरीर नहीं। शरीर और आत्मा अलग-अलग हैं। आत्मा चेतन है। आत्मा न तो जन्मता है, न मरता है और न ही वह भौतिक शरीर के अधीन होता है। शरीर जड़ है और परिवर्तनशील है। हमने आत्मा को नहीं, केवल शरीर को अपना माना है, इसी से सारा आडंबर है।

हमारे पौराणिक ग्रंथों में भगवान दत्तात्रेय को सृष्टि का प्रथम गुरु माना गया है। इन्हें ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समेकित रूप में पूजा जाता है। इन्हें आदिगुरु और सर्वज्ञ के रूप में माना गया है। उन्हें गुरु वंश का प्रथम गुरु, साधक, योगी और वैज्ञानिक माना जाता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, दत्तात्रेय ने पारद (पारा) से व्योमयान उड्डयन की शक्ति का पता लगाया और चिकित्सा विज्ञान में महत्वपूर्ण शोध किया।

भगवान दत्तात्रेय का जीवन और उनकी शिक्षाएं अद्भुत दृष्टिकोण से जीवन और ब्रह्मज्ञान की प्राप्ति के मार्ग को प्रकट करती हैं। दत्तात्रेय को शैव शिव के अवतार तथा वैष्णव विष्णु के अंशावतार के रूप में मानते हैं। दत्तात्रेय को नाथ संप्रदाय की नवनाथ परंपरा का भी अग्रज माना जाता है। उनके संबंध में यह भी मान्यता है कि रसेश्वर संप्रदाय के प्रवर्तक भी दत्तात्रेय ही हैं।

दत्तात्रेय महर्षि अत्रि और माता अनुसूया के पुत्र हैं। उनमें ब्रह्मा के सृजनात्मक गुण, विष्णु के पालनकारी गुण और महेश के संहारक गुण हैं। माना जाता है कि उनकी उपासना से भक्ति, ज्ञान और मुक्ति प्राप्त होती है।

भगवान दत्तात्रेय को गुरु के रूप में भी पूजा जाता है। उन्होंने अपने जीवन का सबसे बड़ा गुरु स्वयं के आत्मा को माना। फिर उन्होंने पृथ्वी, जल, वायु, आकाश, सूर्य, चंद्रमा पक्षी, मछली सहित कुल 24 विभिन्न प्राकृतिक तत्वों, जानवरों और घटनाओं से शिक्षा ली और प्रत्येक से एक अलग ज्ञान की सीख दी, जो समग्र रूप से जीवन और ब्रह्मज्ञान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। भगवान दत्तात्रेय ने सिद्ध किया कि ज्ञान कहीं भी और किसी से भी प्राप्त किया जा सकता है। यदि हमारी भावना शुद्ध हो।

भगवान दत्तात्रेय मानते हैं कि हम आत्मा हैं, शरीर नहीं। शरीर और आत्मा अलग-अलग हैं। आत्मा चेतन है। आत्मा न तो जन्मता है, न मरता है और न ही वह भौतिक शरीर के अधीन होता है। शरीर जड़ है और परिवर्तनशील है। हमने आत्मा को नहीं, केवल शरीर को अपना माना है, इसी से सारा आडंबर है।

संसार के विषय-भोगों से आसक्ति छोड़ो। हम अपनी आत्मा को भूलकर मात्र शारीरिक व भौतिक सुखों के प्रति आसक्त हो जाते हैं। यही कारण है कि हम सारा आडंबर रचते हैं, जो हमारे भीतर और बाहर भटकाव पैदा करता है।

भगवान दत्तात्रेय ने अपनी उपदेशों से यह सिखाया कि हमें अपने आत्मा के अस्तित्व का अनुभव करना चाहिए और शरीर तथा भौतिक सुखों से ऊपर उठकर ईश्वर के साथ समन्वय कर आत्मसात करना चाहिए।

स्मरण करने मात्र से ही प्रसन्न हो जाते हैं भगवान दत्तात्रेय

भगवान दत्तात्रेय को भगवान ब्रह्मा, विष्णु तथा महेश तीनों का अवतार माना जाता है। भगवान दत्तात्रेय शीघ्र कृपा करने वाले हैं और स्मरण मात्र से ही भक्तों पर कृपा बरसाते हैं। इसीलिए भगवान दत्तात्रेय को स्मृतिगामी भी कहा जाता है। भगवान दत्तात्रेय, ऋषि अत्रि और माता अनसूया के पुत्र हैं। उनके नाम पर ही दत्त संप्रदाय का उदय हुआ।

भगवान दत्तात्रेय की पूजा से घर में सुख, समृद्धि, वैभव की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि अगर संकट की घड़ी में भक्त इन्हें सच्चे दिल से याद करें तो भगवान दत्तात्रेय अपने भक्तों की सहायता के लिए जरूर पहुंचते हैं। ईश्वर व गुरु दोनों के रूप समाहित होने के कारण भगवान दत्तात्रेय को श्री गुरुदेव दत्त भी कहा जाता है। कहा जाता है कि भगवान दत्तात्रेय ने 24 गुरुओं से शिक्षा प्राप्त की थी।

संक्षिप्त खबरें

महर्षि योगी के संकल्पों को पूर्ण करना हमारा संकल्प: ब्रह्मचारी

जागरण, भोपाल। विश्व के महान चेतना वैज्ञानिक महर्षि महेश योगी के 109 वें जन्मदिवस के अवसर पर भोपाल स्थित ब्रह्मानंद सरस्वती आश्रम में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महर्षि महेश योगी संस्थान के प्रमुख ब्रह्मचारी गिरीश ने कहा कि महर्षि महेश योगी के सभी संकल्पों को पूर्ण करना ही हमारा मुख्य संकल्प है। ज्ञान युग दिवस के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से विश्व शांति विषय पर एक सेमिनार भी संपन्न हुआ, जिसमें देश के जाने-माने वैज्ञानिकों एवं विद्वानों ने विचार रखे। ब्रह्मचारी गिरीश ने कहा कि महर्षि ज्ञान और वैदिक परंपरा शाश्वत विज्ञान पर आधारित है। जगतगुरु ब्रह्मानंद सरस्वती महाराज के प्रशिक्षण से महर्षि ने 124 देशों में ज्ञान का प्रसार किया। उन्होंने कभी स्वयं को गुरु नहीं कहा, फिर भी लाखों लोग उनसे जुड़े। वेद ज्ञान के प्रचार के लिए उन्हें 'महर्षि' की उपाधि मिली और उन्होंने विश्व भर में 3000 से अधिक केंद्र स्थापित किए।

मंत्री सारंग ने व्यांगजनों को दिया सशक्तिकरण का संदेश

जागरण, भोपाल। मकर संक्रांति के अवसर पर समेकित क्षेत्रीय केंद्र (सी.आर.सी.), में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार द्वारा आयोजित पतंग उत्सव कार्यक्रम में सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग शामिल हुए। उन्होंने दिव्यांग बच्चों एवं उनके अभिभावकों से संवाद कर पर्व की शुभकामनाएं दीं और उत्सव की खुशियों में सहभागिता की। पतंग उत्सव के अंतर्गत बच्चों ने स्वयं पतंगें बनाईं और उन्हें उड़ाकर उत्साहपूर्वक पर्व मनाया। रंग-बिरंगी पतंगों के बीच बच्चों के चेहरों पर उमड़ी मुस्कान ने आयोजन को सांस्कृतिक उल्लास से भर दिया। इस अवसर पर सी.आर.सी. भोपाल के निदेशक डॉ. नरेंद्र कुमार सहित अधिकारी-कर्मचारी, अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मंत्री सारंग ने कहा कि दिव्यांगजन समाज की मुख्यधारा का अभिन्न हिस्सा हैं और उनके सशक्तिकरण, पुनर्वास व आत्मनिर्भरता के लिए केंद्र और राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री सारंग द्वारा दिव्यांगजनों को 03 बैटरी चालित ट्राइसाइकिल, 02 टीचिंग लर्निंग मटेरियल (टीएलएम) किट सहित अन्य सहायक उपकरण वितरित किए गए।

एमपी नगर में मार्केटिंग हेड की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

जागरण, भोपाल। एमपीनगर थाना क्षेत्र में होटल में रूके मार्केटिंग हेड की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह मीटिंग के सिलसिले में जबलपुर से भोपाल आए थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 54 वर्षीय त्रिलोकीनाथ दुबे मूल रूप से जबलपुर का रहने वाले थे। वह एक निजी कंपनी में मार्केटिंग का काम करते थे। सोमवार को वह अपनी टीम के साथ मीटिंग के सिलसिले में भोपाल पहुंचे थे। जहां वह एमपीनगर जोन 2 स्थित सिग्नेटिक ब्लू होटल में ठहरे हुए थे। मंगलवार शाम 7 बजे सीने में दर्द होने पर उन्होंने दवाईयां खा ली थी। देर रात जब उनकी तबियत में सुधार नहीं हुआ तो उनके साथी त्रिलोकीनाथ को जेपी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पीएम करवा कर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राजधानी में महिला अपराधों पर लगाम नहीं, घर में ही सबसे ज्यादा असुरक्षित

2025 में 434 एफआईआर, घरेलू हिंसा के 383 मामले, 2024 के मुकाबले 25 प्रतिशत ज्यादा

भोपाल के महिला थाने में दर्ज एफआईआर

अपराध	मामले
घरेलू हिंसा	383
शादी का झांसा देकर शोषण	15
छेड़छाड़	12
अन्य अपराध	24
कुल	434

साल दर साल बढ़ते महिला अपराध

साल	एफआईआर
2021	210
2022	346
202	349
2024	347
2025	434

राजधानी में हर 26 घंटे में एक महिला अपराध

2025 में भोपाल के महिला थाने में 700 शिकायतें आईं, जिनमें से 200 से अधिक काउंसलिंग के जरिए निपटा ली गईं। 2025 में दर्ज मामलों में 26 केस अभी लंबित हैं, जबकि 14 मामलों में चालान पेंडिंग है। 2021 से 25 के बीच महिला थाने में कुल 1686 मामले दर्ज हुए। यानी औसतन हर 26 घंटे में एक महिला अपराध का शिकार हुई। घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, शादी का झांसा देकर शोषण जैसे मामलों में पिछले 5 सालों में 107 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

जागरण, भोपाल। घर महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित जगह मानी जाती है लेकिन बदलते दौर में यही उनके लिए गाली-गलौज, धमकी, मारपीट, छेड़छाड़, दहेज की मांग, ज्यादती और मानसिक-शारीरिक अत्याचार की वजह बन गई है। राजधानी में छोटी-छोटी बातों पर घरेलू हिंसा का शिकार हुई महिलाएं अपने हक की कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए महिला थाने का रुख करती हैं। हालात ये हैं कि महिला थाने में साल दर साल बढ़ते मामलों ने महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। 2025 में महिला थाने में कुल 434 एफआईआर दर्ज की गईं जिनमें सबसे ज्यादा 383 मामले घरेलू हिंसा से ही जुड़े हैं। यह 2024 के मुकाबले 25 प्रतिशत ज्यादा हैं।

महिला अपराधों का बढ़ता ग्राफ: महिला थाने में दर्ज अपराधों में घरेलू हिंसा का ग्राफ सबसे ऊपर है। साल 2025 में दर्ज कुल 434 एफआईआर में से 383 मामले घरेलू हिंसा के हैं। इसके अलावा शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण, छेड़छाड़ और अन्य अपराधों के मामले भी सामने आए हैं। थाने में पदस्थ सब इंस्पेक्टर मोनिका शुक्ला ने बताया कि महिला अपराधों के पीछे कई कारण हो सकते है। इनमें पति का बेरोजगार होना, शराब की लत, पैसों की मांग, दहेज की मांग, गाड़ी और मकान बनवाने का दबाव, दूसरी महिला से संबंध, सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती, एफआईआर के सहारे तलाक की कोशिश और शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण जैसे तमाम कारण शामिल हैं।

> लोगों में अब धैर्य नहीं बचा है। दंपती के पास एक-दूसरे के लिए टाइम नहीं है। आजकल लोगों के लिए रिश्ते रील की तरह हो गए हैं और गहराई नहीं बची है। पैसे और लग्जरी लाइफ की चाहत के चलते महिला अपराध बढ़े हैं और अब लोगों की आइडियोलॉजी भी बदल गई है।
>
> ■ **अंजना दुबे**
> टीआई, महिला थाना भोपाल

संक्रांति पर पतंगों से रंगा आसमान

जागरण, भोपाल। शहर की समृद्ध परंपराओं को जीवंत करते हुए भोजपाल महोत्सव मेला समिति द्वारा पहली बार मकर संक्रांति पर भोजपाल पतंग महोत्सव का आयोजन किया गया। राजधानी के जम्बूरी मैदान (भेल) में बुधवार को आयोजित इस कार्यक्रम में 10 हजार से च्यादा लोग परिवार और बच्चों के साथ पतंग उड़ाने पहुंचे। महोत्सव में आने वाले लोगों को समिति की ओर से 2,000 पतंगें और माझा निःशुल्क वितरित किया गया। महाप्रसादी के तौर पर लोगों को तिल-गुड़ के लड्डू और खिचड़ी बांटी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद आलोक शर्मा, विशिष्ट अतिथि भोपाल भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति, अध्यक्ष सुनील यादव, संयोजक विकास वीरानी, महामंत्री हरीश कुमार राम, उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, राजेंद्र सिंह यादव, पार्षद बी शक्ति राव, रामनारायण गिरी, राजेश्वर सिंह, आनंद पाठक सहित अन्य लोगों ने पूजा- अर्चना और दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने के लिए विनय सिंह, महेंद्र नामदेव, सुनील शाह, मधु भवनानी, केश कुमार शाह, चंदन वर्मा, देवेंद्र चौकसे, सहित अन्य सदस्य शामिल रहे।

बैरसिया में दूषित जल की घर पर ही जांच कर सकेंगे ग्रामीण

पीएचई के कर्मचारियों ने सिखाया जांच करना

जागरण संवाददाता, भोपाल। ग्रामीणों को भी शुद्ध पेयजल मिल सके और लोग गंदे पानी का सेवन करने से बचें। इसके लिए जनपद बैरसिया में एक विशेष अभियान चलाकर लोगों को फील्ड टेस्टिंग किट के माध्यम से पानी की जांच करना सिखाई जा रही है। विशेष अभियान के तहत गत दिवस पीएचई के लैब टेक्नीशियन ने फील्ड टेस्टिंग किट का उपयोग कर आम लोगों के सामने पानी का परीक्षण किया। अब जनपद बैरसिया की सभी ग्राम पंचायत में ग्रामीण महिलाओं, सरपंच और सचिव को टेस्टिंग किट का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक इस मिट का उपयोग करके गांवों में होने वाली पेयजल की दूषित सप्लाई पर रोक लग सकेगी। इससे गंभीर बीमारियों सहित असमय होने वाली मौत पर लगाम लगाई जाएगी। जल्दी ही जनपद फंदा और नगर पालिका बैरसिया में भी इस तरह के अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा।

परवलिया में कृषि भूमि पर बिना परमीशन के काटी कॉलोनी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। परवलिया इलाके में कृषि भूमि पर बिना परमीशन के प्लाट काटकर कालोनी का निर्माण करने के चार मामले सामने आए हैं। आरोपियों ने वर्ष 2024 में यहां कालोनी के निर्माण कर प्लाट बेच दिए। लगभग दो साल बाद पटवारी की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ स्वराज पंचायत अधिनियम के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की है। परवलिया थाना प्रभारी रोहित नागर के मुताबिक, इस संबंध में सायमा खान पटवारी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उनका कहना है कि आरोपी अहमद, अनीस, शालाए, आसिफ खान, अमजद अनीस, अनीस अमजद के पास कृषि भूमि थी। आरोपियों ने अपनी कृषि भूमि पर बिना परमीशन के प्लाट काट दिए। इसके बाद इन प्लाट को बेचकर कालोनी का निर्माण किया। अवैध तरीके आरोपियों ने लाभ प्राप्त किया। इस आधार पर पुलिस ने उनके खिलाफ एफआईआई दर्ज की है।

फर्जी बिल्डर ने बेचे प्लाट पटवारी की रिपोर्ट पर केस

जन्मदिन पर बीसीए थर्ड ईयर के छात्र ने फांसी लगाकर दी जान

जागरण, भोपाल। अरेराहिल्स थाना क्षेत्र में बीसीए थर्ड ईयर के छात्र ने जन्मदिन पर फांसी लगा ली। फांसी लगाने से पहले वह पार्टी कर शराब के नशे में घर पहुंचा था। मृतक ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है। पुलिस के अनुसार 23 वर्षीय सुशील चौरसिया पिता रामस्वरूप वल्लभनगर में रहता था। उसके पिता पुताई का काम करते है। जबकि मां गृहणी है। सुशील तीन भाईयों में सबसे छोटा था। वह रातीबड़ स्थित निजी कॉलेज से बीसीए थर्ड ईयर का छात्र था। बुधवार शाम 4 बजे सुशील अपना जन्मदिन मनाने के बाद शराब के नशे में घर पहुंचा। जहां उसने कमरे का दरवाजा बंद कर अपना मोबाइल तोड़ दिया। घटना के वक्त उसकी मां बाहर बैठी हुई थी। काफी देर तक जब सुशील ने दरवाजा नहीं खोला, तो स्थानीय लोगों की मदद से परिजनों ने दरवाजा तोड़ दिया। अंदर जाकर देखा वह साड़ी से बने फांसी के फंदे पर लटका मिला। परिजन तुरंत उसे नीचे उतारकर जेपी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने सुशील को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को पीएम के लिए भिजवाया। गुरूवार को शव का पीएम होगा। इधर, हबीबगंज थाना क्षेत्र में सिक्योरिटी गार्ड ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस के अनुसार मीरा नगर निवासी 38 वर्षीय हल्के पटेल बागसेवनिया में गार्ड की नौकरी करते थे। बुधवार सुबह 8 बजे पत्नी शशी ने पति को फांसी के फंदे पर झूलता देखा तो तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ट्रेन की चपेट में आया युवक, मौत

ऐशबाग थाना क्षेत्र में ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। युवक रेल की पटरी क्रॉस कर रहा था, तभी तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया। पुलिस ने शव की पहचान कर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार 30 वर्षीय सोनू दुबे जनता क्वार्टर का रहने वाले थे। वह पुताई का काम करते थे और शराब पीने के आदी थे।

मंगलवार रात 8 बजे बाग उमराव दुल्हा रेलवे लाइन पार कर बरखेड़ी जा रहे थे। इसी दौरान अंधेरे की वजह से ट्रेन नहीं दिखाई देने पर वह उसकी चपेट में आ गए। टक्कर इतनी तेज थी कि उनका शरीर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को दी। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

विज्ञान का महाकुंभ: नवाचारों के साथ संपन्न

विज्ञान फेस्ट में प्रस्तुत किया ऑटोनोमस ड्रोन और विज्ञान केंद्र के 31 वर्षों के सफर की हुई समीक्षा

जागरण, भोपाल। रीजनल साइंस सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय विज्ञान पर्व का बुधवार को समापन हुआ। यह आयोजन केंद्र की 31वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में किया गया था। समापन समारोह के मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. संजय गोयल थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में इसरो (एमसीएफ) के ग्रुप डायरेक्टर शैलेंद्र कुमार और नेहरू विज्ञान केंद्र, मुंबई के डायरेक्टर उमेश कुमार रुस्तगी उपस्थित रहे। समापन दिवस पर आरआरकैट, इंदौर के प्रो. सुनील वर्मा ने सामग्री विज्ञान एवं जैव फोटोनिक्स विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि इस तकनीक का उपयोग स्वास्थ्य और औद्योगिक क्षेत्र में किस प्रकार किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को इस विषय में उपलब्ध करियर और शोध के अवसरों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि डॉ. संजय गोयल ने केंद्र की 31 वर्षों की गतिविधियों की समीक्षा की और विद्यार्थियों से वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। परियोजना समन्वयक साकेत सिंह कौरव ने बताया कि तीन दिनों में बड़ी संख्या में आगंतुकों ने विभिन्न वैज्ञानिक मॉडलों और प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। कार्यक्रम के अंत में सहयोगी संस्थानों के प्रतिनिधियों को स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

आइसर के स्टूडेंट्स ने तैयार किया एआई आधारित ड्रोन : फेस्ट में आइशर, भोपाल के पीएचडी स्टूडेंट रघुपति पांडे और शिवेंद्रनाथ मिश्रा ने मल्टीपर्पज ऑटोनोमस ड्रोन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि यह केवल रिमोट से चलने वाला खिलौना नहीं, बल्कि एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित ड्रोन है। भीषण आग या आपदा क्षेत्र, जहां इंसानों का पहुंचना कठिन है, वहां यह ड्रोन राहत कार्य कर सकते हैं। खाद और कीटनाशकों का सटीक छिड़काव कर यह किसानों का श्रम और लागत कम कर सकते हैं। इसे कंप्यूटर आधारित ग्राउंड स्टेशन से जोड़कर मिशन मोड पर सेट किया जा सकता है, जिसके बाद यह बिना मानवीय हस्तक्षेप के निर्धारित कार्य पूरा कर वापस लौट आता है। इन ड्रोन्स की रेंज 50 हजार से लेकर 50 लाख रुपये तक है, जिससे यह छोटे स्टार्टअप से लेकर बड़े उद्योगों तक के लिए सुलभ हैं।

युवक ने सल्फास खाकर की खुदकुशी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कोलार रोड इलाके में एक युवक ने सल्फास खाकर खुदकुशी कर ली। मृतक ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है, जिससे आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के मुताबिक, 30 वर्षीय सुल्तान खान पिता इमान खान थुआखेड़ा अमरावत कला कोलार में रहता था। वह निजी काम करता था। मंगलवार शाम करीब चार बजे सुल्तान ने घर में किसी वजह से सल्फास खा लिया। तबियत बिगड़ने पर उसका भाई सलीम उसे लेकर जेके अस्पताल पहुंचा। यहां से उसे एम्स रेफर किया।

सिटी इंवेट मकर संक्रांति पर आयोजित हुआ पतंग के रंग मानव संग्रहालय के संग, कच्छ गायन और घूमर नृत्य ने मोहा मन

मानव संग्रहालय के आकाश में उड़ी पतंगें, लड़े पेंच

जागरण भोपाल। राजधानी के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के मंडपम परिसर में बुधवार को मकर संक्रांति के अवसर पर उत्सव और उमंग का अनूठा संगम देखने को मिला। पतंग के रंग मानव संग्रहालय के संग कार्यक्रम में आसमान रंग-बिरंगी पतंगों से गुलजार हुआ, साथ ही लोक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से मिनी भारत की झलक पेश की। सुबह से ही संग्रहालय में बच्चों, युवाओं और परिवारों का तांता लगा रहा, जिन्होंने पारंपरिक व्यंजनों और पतंगबाजी का जमकर लुत्फ उठाया। कार्यक्रम का शुभारंभ संग्रहालय निदेशक और यूनिसेफ की टीम द्वारा किया गया। इस मौके पर निदेशक ने प्रतीकात्मक रूप से पतंग उड़ाकर उत्सव की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति का यह पर्व प्रकृति और कृषि के प्रति हमारे आभार का प्रतीक है।

रबारी गायन और घूमर पर थिरके कदम

उत्सव में गुजरात के कच्छ से आए रबारी समुदाय ने रतन हल्कारो जाऊं मारवाड़ देश जैसे पारंपरिक लोकगीतों की प्रस्तुति दी। वहीं, राजस्थानी घूमर और दुल-दुल घोड़ी नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बीर सिंह ब्याह नचावेगा ओर आवे हिचकी जैसे लोकगीतों की धुनों पर सैलानी भी झूमने को मजबूर हो गए।

खास रहा चाइनीज ड्रैगन और डिजाइनर पतंगें

आयोजक सादत ने बताया कि इस बार दर्शकों के लिए चाइनीज ड्रैगन और कई डिजाइनर पतंगें आकर्षण का केंद्र रहीं। संग्रहालय की ओर से बच्चों को निःशुल्क पतंग और मांझा वितरित किया गया। साथ ही लोगों ने तिल-गुड़ के पारंपरिक पकवानों का स्वाद लिया और मकर संक्रांति क्विज में भाग लिया।

महिलाओं ने भी दिखाई पतंगबाजी

प्रतियोगिता के दौरान आकाश में कलात्मक पतंगों के बीच पेंच लड़ाने की होड़ मची रही। प्रोफेशनल वर्ग- जम्बो सिंगड़ पहले, अरशद दूसरे और हुजैफ तीसरे स्थान पर रहे। युवा वर्ग- भूरा मुफीद ने बाजी मारी, दाऊद खान और समीद खान क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग- डॉ. रितु गुप्ता ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

आईईएचई, में उत्तरायण उत्सव का आयोजन

जागरण, भोपाल। उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आईईएचई) में प्रबंधन विभाग द्वारा 12 और 13 जनवरी 2026 को मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में उत्तरायण उत्सव का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक मिलन समारोह के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शैक्षणिक सीमाओं से परे भारतीय परंपराओं को रचनात्मकता, आनंद और एकता के साथ मनाने का अवसर मिला। संचालक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल ने अपने सम्बोधन में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया। जिसके माध्यम से विद्यार्थियों का समग्र विकास संभव हो पाता है। कार्यक्रम में प्रबंधन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. शारदा गंगवार ने मार्गदर्शक की भूमिका निभाई। उत्सव में एमबीए और बीबीए में अध्ययरत विद्यार्थियों द्वारा खाद्य स्टॉल्स के साथ पारंपरिक व मनोरंजक खेल स्टॉल्स भी लगाये गए। इन स्टॉल्स को विद्यार्थियों व आगंतुकों से उत्साही प्रतिक्रियाएं भी प्राप्त हुई।

दादाजी धाम मंदिर में मकर संक्रांति पर लगाया चिकित्सा शिविर

जागरण, भोपाल। रायसेन रोड स्थित दादाजी धाम मंदिर, पटेल नगर मकर संक्रांति पर्व श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ जनसेवा से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में दिल्ली के मुकेश राय एवं उनके सहयोगियों द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ प्रस्तुत किया गया। दोपहर में पत्रकार सम्मान समारोह में शहर के 25 वरिष्ठ पत्रकारों का शाल, श्रीफल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। जनसेवा के अंतर्गत निःशुल्क पैथोलॉजी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 60 मरीजों की शुगर, हीमोग्लोबिन, थायराइड, विटामिन-डी, कोलेस्ट्रॉल, आर्थराइटिस आदि की जांच थायरोकेयर एवं माइक्रोकेयर द्वारा निःशुल्क की गई। निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर में डॉ. शिखा नामदेव द्वारा लगभग 40 मरीजों को सर्दी-खांसी, बुखार, हाथ-पैर दर्द, बीपी, साइटिका आदि रोगों की निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं।

पावरग्रिड POWERGRID

सूचना

1. विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 79 (1) (डी) के साथ पठित धारा 62 के तहत टैरिफ के निर्धारण के लिए याचिका और केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग (व्यवसाय का संचालन) विनियमन, 2023 के विनियमन 15 (1) (ए) और विनियमन 23 के तहत केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग (टैरिफ विनियमन की शर्तें और नियम) 2024 के साथ पठित **याचिका– 1: गुजरात में आईएसटीएस, पार्ट–सी से एटीसी को बढ़ाने हेतु ट्रांसमिशन नेटवर्क का विस्तार।**
2. उपर्युक्त ट्रांसमिशन सिस्टम के लाभार्थी हैं **(1)** मध्य प्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड, जबलपुर **(2)** छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, रायपुर **(3)** गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड, वडोदरा, **(4)** विद्युत विभाग, गोवा सरकार, पणजी, **(5)** महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, मुंबई, **(6)** डीएनएचडीडी पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड, सिलवासा
3. टैरिफ विवरण:

ए) 2024–29 ब्लॉक — रु. लाख में

याचि. सं.	परिसंपत्ति विवरण	डीओसीओ/ ईसीओडी/	31.03.2029 तक समापन की लागत	2024-25	2025-26	2026-27	2027-28	2028-29
				एएफसी				
1	बनासकांठा सबस्टेशन पर 765/400 केवी, 1x1500 एमवीए आईसीटी–3 और उससे जुड़े 765 और 400 केवी आईसीटी बे।	21.11.2024	9005.38	271.51	1270.02	1826.75	1896.08	1895.42
2	बनासकांठा–प्रांतिज (GETCO) 400 केवी डी/सी लाइन का 400 केवी डी/सी (सर्किट–3 और 4) बनासकांठा सांखरी सेक्शन (पावरग्रिड का कार्यक्षेत्र), साथ ही बनासकांठा सब–स्टेशन पर संबंधित लाइन बे (दोनों सर्किट GETCO द्वारा किए गए एक अंतरिम व्यवस्था के तहत सांखरी (GETCO) सब–स्टेशन पर समाप्त होते हैं)	03.04.2025	8876.80	–	1220.48	1386.81	1410.62	1384.12

4. इस नोटिस की एक प्रति और टैरिफ के निर्धारण के लिए किए गए आवेदन की प्रति आवेदक की वेबसाइट **www.powergrid.in** पर पोस्ट कर दी गई है।
5. याचिका में निहित टैरिफ निर्धारण के प्रस्तावों पर सुझाव और आपत्तियां, यदि कोई हों, तो लाभार्थियों सहित किसी भी व्यक्ति द्वारा आयोग के ई–फाइलिंग पोर्टल के माध्यम से या सचिव, केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, 6वीं, 7वीं और 8वीं मंजिल, टॉवर बी, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली – 110029 (या अन्य पता जहां आयोग का कार्यालय स्थित है) के समक्ष दायर की जानी चाहिए, जिसकी एक प्रति याचिकाकर्ता को इस नोटिस के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर अपने कॉर्पोरेट कार्यालय के पते पर भेजी जानी चाहिए।

स्थान : गुरुग्राम — हस्ता./–
दिनांक : 14.01.2026 — उप महाप्रबंधक (वाणिज्यिक)

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
पंजीकृत कार्यालय: बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016
केन्द्रीय कार्यालय: "सौदामिनी", प्लॉट सं. 2, सेक्टर-29, गुड़गाँव, हरियाणा-122001
वेबसाइट: **www.powergrid.in**, CIN : L40101DL1989GOI038121
एक महारत्न पीएसयू

PG/CC/Notice-73/Advt-90/2025-26 Interads

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
(कोल इंडिया लिमिटेड लिमिटेड का एक उपक्रम)
कोल इस्टेट, सिविल लाइन्स, नागपुर, 440 001, महाराष्ट्र, भारत. वेबसाईट: www.westerncoal.in

सूचना

कोल इंडिया लिमिटेड तथा उसकी अनुषंगी कंपनियो द्वारा वस्तुओं, कार्यो और सेवाओं की खरीद हेतु जारी की गई सभी निविदाएं कोल इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट **www.coalindia.in,** संबंधित सहायक कंपनी की वेबसाईट (वेस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड) **www.westerncoal.in, CIL** ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://coalindiatenders.nic.in** तथा सेंट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://eprocure.gov.in** पर उपलब्ध है। वस्तुओं और सेवाओं की खरीद (यदि वे GeM पोर्टल पर उपलब्ध है) GeM पोर्टल **https://gem.gov.in** के माध्यम से की जाती है।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

पाक-बांग्लादेश की निकटता भारत के लिए चिंताजनक

अंतरिम सरकार के गठन के बाद से ही बांग्लादेश की पाकिस्तान से नजदीकी बढ़ी है। अलबत्ता दोनों देश आपसी रक्षा समझौते पर जिस तरह से काम कर रहे हैं, वह भारत के लिए चिंताजनक होना चाहिए। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के गठन के बाद से पाकिस्तान के साथ उसकी नजदीकी तो बढ़ ही रही है, दोनों देशों को निकट लाने में चीन की बड़ी भूमिका भी देखने वाली है, जो बांग्लादेश में चीन की बढ़ती पैठ के बारे में बताती है।

बांग्लादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार खलीलुर रहमान भी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से नजदीकियां बढ़ाना चाहते हैं। अमेरिकी अधिकारियों के साथ एक मुलाकात में इसी मंशा को रखते हुए में उन्होंने कहा कि उनका देश गाजा में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल में शामिल होने के लिए सैद्धांतिक रूप से तैयार है। कुछ महीने पहले पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार ने ढाका में मोहम्मद यूनुस और विदेश मामलों के सलाहकार से मुलाकात की थी। इस बीच दोनों देशों के बीच व्यापार शुरू हुआ है और दोनों ने सार्क को पुनर्गठित करने की भी मांग की है, जबकि पाकिस्तान की संदिग्ध भूमिका के कारण ही सार्क की प्रासंगिकता खत्म हुई। चीन की मध्यस्थता में न सिर्फ पाकिस्तान-बांग्लादेश की बैठक हुई, बल्कि पाक विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह चीन और बांग्लादेश के साथ त्रिपक्षीय सहयोग फ्रेमवर्क को आगे बढ़ाना जारी रखेगा।

अलबत्ता पाकिस्तान-बांग्लादेश के बीच रक्षा संबंध जिस तरह बढ़ रहा है, वह भारत के लिए चिंताजनक है। पिछले साल दोनों देशों की थलसेना, वायुसेना और नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों की कई बैठकें हुई हैं, जिनमें प्रशिक्षण लेने, क्षमता बढ़ाने और पेशेवर आदान-प्रदान से जुड़े कई सहमति पत्रों पर दोनों देशों ने दस्तखत किये हैं। इसके अलावा बांग्लादेश के वायुसेना प्रमुख ने अपने हालिया इस्लामाबाद दौरे में पाकिस्तान से जेएफ-17 ब्लॉक-3 लड़ाकू विमान खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है।

पाकिस्तान और बांग्लादेश आपसी रक्षा समझौते पर न सिर्फ काम कर रहे हैं, बल्कि इसके लिए उन्होंने एक संयुक्त तंत्र बनाया है। यह समझौता पाकिस्तान-सऊदी अरब समझौते की तरह होगा, जिसमें एक देश पर होने वाले हमले को दूसरे देश पर भी हमला माना जाएगा। यही नहीं, आसिम मुनीर की तरह बांग्लादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार खलीलुर रहमान भी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के चहेते बनना चाहते हैं। अमेरिकी अधिकारियों के साथ बातचीत में उन्होंने कहा कि उनका देश गाजा में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल में शामिल होने के लिए सैद्धांतिक रूप से तैयार है। अमेरिकी अधिकारियों का भी कहना था कि वे इस मामले में बांग्लादेश के साथ मिल कर काम करने के इच्छुक हैं। हालांकि गाजा में पाक शांति सेना भेजने के मामले में विवाद है। जहां पाकिस्तान के अंदर सेना भेजे जाने का विरोध हुआ है, वहीं इस्राइल भी पाक सेना के स्थिरीकरण बल में शामिल होने को लेकर सहज नहीं है। लेकिन गाजा में सेना भेजने के प्रति बांग्लादेश की उत्सुकता से यह तो साफ है कि पाकिस्तान की तरह वह भी अमेरिकी समर्थन पाने का इच्छुक है।

पड़ोसी देशों में जिस तरह से अल्पसंख्यकों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है, वह सांप्रदायिक उन्माद फैलाने का प्रयास है। मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अल्पसंख्यक नागरिकों खासकर हिंदुओं की सुरक्षा और उनके मौलिक अधिकारों के लिए आवाज उठाना अब जरूरी हो गया है। भारत को संबंधित देशों में अपने प्रतिनिधिमंडल भेजने से लेकर द्विपक्षीय वार्ताओं में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाना होगा। यह सच है कि भारत शांतिप्रिय देश है और वह सदियों से दुनिया को समरसता और मैत्री का संदेश देता आया है। मगर अब वक्त यह याद दिलाने का है कि दुनिया के किसी भी कोने में अल्पसंख्यकों के साथ हिंसा और मानवता को शर्मसार करने वाली घटनाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

काशी-तमिल संगम

काशी का तमिल समाज और संस्कृति से गहरा नाता रहा है।

भारत की विविध परंपराओं का समागम

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

कुछ दिन पहले ही मुझे सोमनाथ की पवित्र भूमि पर सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में हिस्सा लेने का सुअवसर मिला। इस क्षण का साक्षी बनने के लिए देश के कोने-कोने से लोग सोमनाथ पहुंचे। इस कार्यक्रम के दौरान मेरी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से भी हुई, जो इससे पहले सौराष्ट्र-तमिल संगमम के दौरान सोमनाथ आए थे और इससे पहले काशी-तमिल संगमम के समय काशी भी गए थे। ऐसे मंचों को लेकर उनकी सकारात्मक सोच ने मुझे बहुत प्रभावित किया। इसलिए मैंने तय किया कि क्यों ना इस विषय पर अपने कुछ विचार साझा करूं।

'मन की बात' के एक एपिसोड के दौरान मैंने कहा था कि अपने जीवन में तमिल भाषा ना सीख पाने का मुझे बहुत दुख है। यह हमारा सौभाग्य है कि बीते कुछ वर्षों से हमारी सरकार तमिल संस्कृति को देश में और लोकप्रिय बनाने में निरंतर जुटी हुई है। यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को और सशक्त बनाने वाला है। हमारी संस्कृति में संगम का बहुत महत्व है। इस पहलू से भी काशी-तमिल संगमम एक अनूठा प्रयास है। इसमें जहां भारत की विविध परंपराओं के बीच अद्भुत सामंजस्य दिखता है, वहीं यह भी पता चलता है कि कैसे हम एक दूसरे की परंपराओं का सम्मान करते हैं।

काशी तमिल संगमम के आयोजन के लिए काशी सबसे उपयुक्त स्थान कहा जा सकता है। यह वही काशी है, जो अनादि काल से हमारी सभ्यता की धुरी बनी हुई है। यहां हजारों वर्षों से लोग ज्ञान, जीवन के अर्थ और मोक्ष की खोज में आते रहे हैं। काशी का तमिल समाज और संस्कृति से अत्यंत गहरा नाता रहा है। काशी बाबा विश्वनाथ की नगरी है, तो तमिलनाडु में रामेश्वरम तीर्थ है। तमिलनाडु की तेनकासी को दक्षिण की काशी या दक्षिण काशी कहा जाता है। पूज्य कुमारगुरुवर स्वामी ने अपनी विद्वता और अध्यात्म परंपरा के माध्यम से काशी और तमिलनाडु के बीच एक सशक्त और स्थायी संबंध स्थापित किया था। तमिलनाडु के महान सपूत महाकवि सुब्रमण्यम भारती जी को भी काशी में बौद्धिक विकास और आध्यात्मिक जागरण का अद्भुत अवसर दिखा। यहीं उनका राष्ट्रवाद और प्रबल हुआ, साथ ही उनकी कविताओं को एक नई धार मिली। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जो काशी और तमिलनाडु के बीच गहरे आत्मीय संबंध को दर्शाते हैं।

वर्ष 2022 में वाराणसी की धरती पर काशी-तमिल संगमम की शुरुआत हुई थी। मुझे इसके उद्घाटन समारोह में शामिल होने का सौभाग्य मिला था। तब तमिलनाडु से आए लेखकों, विद्यार्थियों, कलाकारों, विद्वानों, किसानों और अतिथियों ने काशी के साथ साथ प्रयागराज और अयोध्या के दर्शन भी किए थे। इसके बाद के आयोजनों में इस पहल को और विस्तार दिया गया। इसका उद्देश्य यह था कि संगमम में समय-समय पर नए विषय जोड़े जाएं, नए और रचनात्मक तरीके अपनाए जाएं और इसमें लोगों की भागीदारी ज्यादा से ज्यादा हो। काशी-तमिल संगमम का चौथा संस्करण 2 दिसंबर, 2025 को आरंभ हुआ। इस बार की थीम बहुत रोचक थी- तमिल करकलम् यानि तमिल सीखें....। इससे काशी और दूसरी जगहों के लोगों को तमिल भाषा सीखने का एक अनूठा अवसर मिला। तमिलनाडु से आए शिक्षकों ने काशी के विद्यार्थियों के लिए इसे अविस्मरणीय बना दिया! प्राचीन तमिल साहित्य ग्रंथ तोलकाप्पियम का चार भारतीय और छह विदेशी भाषाओं में अनुवाद किया गया।

इस अभियान में सांस्कृतिक एकता के संदेश का प्रसार करने वाले पांड्य वंश के महान राजा आदि वीर पराक्रम पांडियन जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। काशी-तमिल संगमम में इस बार जिस चीज ने मुझे सबसे अधिक प्रसन्नता दी, वो हमारे युवा साथियों का उत्साह है। उनके लिए ये एक ऐसा अद्भुत मंच है, जहां वे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं। संगमम के अलावा काशी की यात्रा भी यादगार बने, इसके लिए विशेष प्रयास किए गए। भारतीय रेल ने लोगों को तमिलनाडु से उत्तर प्रदेश ले जाने के लिए विशेष ट्रेनें चलाईं। इस दौरान कई रेलवे स्टेशनों पर, विशेषकर तमिलनाडु में उनका खूब उत्साह बढ़ाया गया। सुंदर गीतों और आपसी चर्चाओं से ये सफर और आनंददायक बन गया।

यहां मैं काशी और उत्तर प्रदेश के अपने भाइयों और बहनों की सराहना करना चाहूंगा, जिन्होंने काशी-तमिल संगमम को विशेष बनाने में अपना अद्भुत योगदान दिया है। उन्होंने अपने अतिथियों के स्वागत और सत्कार में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। कई लोगों ने तमिलनाडु से आए अतिथियों के लिए अपने घरों के दरवाजे तक खोल दिए। स्थानीय प्रशासन भी चौबीसों घंटे जुटा रहा, ताकि मेहमानों को किसी प्रकार की दिक्कत ना हो। वाराणसी का सांसद होने के नाते मेरे लिए ये गर्व और संतोष दोनों का विषय है। इस बार काशी-तमिल संगमम का समापन समारोह रामेश्वरम में आयोजित किया गया, जिसमें तमिलनाडु के सपूत उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन जी भी मौजूद रहे। उन्होंने इस कार्यक्रम को अपने विचारों से समृद्ध बनाया। भारतवर्ष की आध्यात्मिक समृद्धि पर बल देते हुए उन्होंने बताया कि कैसे इस तरह के मंच राष्ट्रीय एकता को और अधिक सुदृढ़ करते हैं।

काशी-तमिल संगमम का बहुत गहरा प्रभाव देखने को मिला है। इस मंच ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को आगे बढ़ाया है, इसलिए आने वाले समय में हम इस आयोजन को और वाइब्रेंट बनाने वाले हैं। ये वो भावना है, जो शताब्दियों से हमारे पर्व-त्योहार, साहित्य, संगीत, कला, खान-पान, वास्तुकला और ज्ञान-पद्धतियों का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है।

वर्ष का यह समय हर देशवासी के लिए बहुत ही पावन माना जाता है। लोग बड़े उत्साह के साथ संक्रांति, उत्तरायण, पोंगल, माघ बिहू जैसे अनेक त्योहार मना रहे हैं। ये सभी उत्सव मुख्य रूप से सूर्यदेव, प्रकृति और कृषि को समर्पित हैं। ये त्योहार लोगों को आपस में जोड़ते हैं, जिससे समाज में सद्भाव और एकजुटता की भावना और प्रगाढ़ होती है। इस अवसर पर मैं आप सभी को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि इन उत्सवों के साथ हमारी साझी विरासत और सामूहिक भागीदारी की भावना देशवासियों की एकता को और मजबूत करेगी।

खुला मंच

एआई की रील और तबाही की फील

राकेश सोहम

पहले वे फेसबुक प्रेमी थे, अब रील प्रेमी। आजकल उनके मन की रेल फेसबुक के स्टेशन पर नहीं रुकती। रील की पटरी पर दौड़ने लगती है। और फिर दौड़ती हुई किसी मकाम पर नहीं पहुंचती। फेसबुकी मित्रों की पोस्ट रेल यात्रियों की भांति प्रतीक्षालयों में बैठी रह जाती है। उन्होंने जाड़े की जकड़न के दौरान एक अजीब-सी रील देखी और किटकिटाते दांतों तले अंगुली दबा ली। एक शहर में चट्टान की माफिक विशालकाय ओले गिर रहे हैं। ओलों की मार से वाहन चरमरा गए हैं। घरों की छतें टूट रही हैं। सड़कों में छेद हो रहे हैं। उनकी पूरी उम्र निकलने को है पर प्रकृति का ऐसा भयानक मंजर नहीं देखा!

अगले दिन फिर, वे फेसबुक से होते हुए रील पर जा फिसले। देखा कि उनका शहर बर्फ की चादर में ढंक गया है। चट्टानी ओलों की बारिश ने तबाही मचा रखी है। वे अपने घर से दूर, दूसरे शहर में बैठे चिंता में पड़ गए। अगली रील सरकाते ही किटकिटाते दांतों तले उनकी अंगुली घायल हो गई। उनके घर पर भी ऐसे ही ओलों की बारिश हो रही है। मोहल्ले पड़ोस के लोग भाग रहे हैं। घर की छत विशाल ओले के प्रहार से टूट रही है। इकलौती कार का कचूमर निकला पड़ा है। वे बिलख पड़े। तभी उनके पड़ोसी का बालक मुस्कुराता हुआ रील में दिखाई दिया। उन्हें भारी क्रोध आया, 'नाशपिटा पड़ोसी।'

क्रोधावेश में उन्होंने पड़ोसी को फोन लगया, 'कहां हो भैया? मेरे घर की ये हालत थी तो मुझे एक बार बता देते।' वह अंजान-सा बोला, 'जनकलाल जी, क्या हुआ है आपके घर को? मैं तो रोज ही एक चक्कर मार लेता हूं। कहो तो अभी जाकर देख लूं।'

जनकलाल ने उसे आड़े हाथों लिया, 'अरे! आप क्या देखेंगे? एक फोन करना भी मुनासिब न समझा!' इस बार पड़ोसी विचलित हो उठा, 'अभी मैं बात करते हुए आपके घर के सामने पहुंच गया हूं। यहां तो सब ठीक-ठाक दिख रहा है। अंदर जाकर देख लेता हूं। आपकी कार घर के दरवाजे के सामने वैसे की वैसी अड़ी है।'

जनकलाल चौंके, 'अरे! मैंने रील में अपने घर को बर्बाद होते देखा है!' पड़ोसी हंसा और खुलासा किया। उसका बेटा फिजूल की रीलें बनाता है। एआई की मदद से यह तबाही की रील बनाई है।' जनकलाल ने माथा पकड़ लिया, 'तबाही में आनंद खोजती आजकल की नई पौध अजीब है।' तभी अगली रील में उन्होंने अपने आप को घर के सामने खड़े पाया, जबकि वे तो यहां हैं, सो बड़बड़ाए, 'ससुरी रील बुरी, रील की फिसलन बुरी।'

प्रसंगवश

ईरानी जनता को उकसाना गैरकानूनी और अनैतिक

अजीत सिंह

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरानी प्रदर्शनकारियों से सीधे तौर पर सरकारी संस्थाओं पर कब्जा करने का आह्वान करना अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के स्थापित सिद्धांतों और संप्रभुता की मर्यादा को पूरी तरह से दरकिनार करने जैसा है। मंगलवार को दिए गए उनके इस बयान ने न केवल ईरान के भीतर चल रहे संघर्ष को हवा देने का काम किया है, बल्कि वैश्विक राजनीति में एक नया और खतरनाक उदाहरण भी पेश किया है। किसी भी देश के राष्ट्रपति द्वारा दूसरे संप्रभु राष्ट्र की जनता को विद्रोह और अवैध कब्जों के लिए उकसाना अंतरराष्ट्रीय कानून, विशेषकर संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2(4) का खुला उल्लंघन है। यह कानून स्पष्ट रूप से किसी भी देश की राजनीतिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप करने से मना करता है।

इतिहास गवाह है कि जब भी किसी बाहरी शक्ति ने लोकतंत्र स्थापित करने या फिर मानवाधिकार की रक्षा करने के नाम पर किसी दूसरे देश में शासन परिवर्तन की कोशिश की है, तो परिणाम अक्सर अराजकता, गृहयुद्ध और लंबे समय तक चलने वाली अस्थिरता के रूप में सामने आए हैं। इराक, लीबिया और हाल के वर्षों में सीरिया इसके प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। ट्रंप का 'मदद आ रही है' वाला आश्वासन ईरानी सुरक्षा बलों और सरकार के बीच रक्षात्मक आक्रामकता को बढ़ा सकता है, जिसका सीधा नुकसान उन निहत्थे प्रदर्शनकारियों को उठाना पड़ सकता है जो अपनी वास्तविक आर्थिक और सामाजिक मांगों के लिए सड़कों पर हैं। जब एक विदेशी शक्ति खुलेआम हस्तक्षेप करती है, तो संबंधित सरकार को इन प्रदर्शनों को विदेशी साजिश करार देने का बहाना मिल जाता है, जिससे दमन और अधिक हिंसक हो जाता है।

अमेरिका अक्सर खुद को मानवाधिकारों का वैश्विक संरक्षक घोषित करता है, लेकिन इस स्वयंभू ठेकेदारी पर सवाल उठना लाजमी है। यदि यह मान लिया जाए कि मानवाधिकारों की रक्षा ही एकमात्र उद्देश्य है, तो यह प्रक्रिया संयुक्त राष्ट्र की संस्थाओं और बहुपक्षीय कूटनीति के माध्यम से होनी चाहिए, न कि किसी एक देश के राष्ट्रपति के सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का मूल उद्देश्य ही यही था कि वैश्विक शांति और न्याय के मुद्दों पर कोई भी देश एकतरफा कार्रवाई न करे। ट्रंप प्रशासन द्वारा संयुक्त राष्ट्र को दरकिनार करना और सुरक्षा परिषद की सहमति के बिना सैन्य कार्रवाई या 'मदद' की बात करना विश्व व्यवस्था को उस दौर में ले जाने जैसा है जहां 'जिसकी लाठी उसकी भैंस' का नियम चलता था।

दरअसल, ट्रंप का यह रवैया दोहरे मापदंडों की ओर भी इशारा करता है। अमेरिका अक्सर उन देशों के मानवाधिकारों के मुद्दे पर मौन रहता है जिनसे उसके रणनीतिक और व्यापारिक हित जुड़े होते हैं। ईरान के मामले में उनकी आक्रामकता के पीछे मानवाधिकारों से कहीं अधिक भू-राजनीतिक वर्चस्व और ईरान की क्षेत्रीय शक्ति को कमजोर करने की मंशा दिखाई देती है। ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी देना इसी आर्थिक युद्ध का हिस्सा है, जो दर्शाता है कि अमेरिका अपनी शक्तियों का उपयोग केवल अपने विरोधियों को झुकाने के लिए कर रहा है।

अंततः, किसी भी देश का भविष्य वहां की जनता को ही तय करने देना चाहिए। बाहरी उकसावा और संस्थाओं पर कब्जे की अपील लोकतंत्र लाने के बजाय खून-खराबे और सत्ता के शून्य को जन्म देती है। यदि ईरान में मानवाधिकारों का हनन हो रहा है, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर दबाव बनाना चाहिए, न कि सीधे तौर पर गृहयुद्ध की स्थिति पैदा करने वाले बयान देने चाहिए। ट्रंप का यह कदम संप्रभुता के वैश्विक सम्मान को चोट पहुंचाता है और यह संदेश देता है कि शक्तिशाली देश जब चाहें, किसी भी देश की सीमाओं और कानूनों का उल्लंघन कर सकते हैं। यह न केवल ईरान के लिए, बल्कि पूरी दुनिया की स्थिरता के लिए एक चिंताजनक संकेत है।

हरित ऊर्जा

हरित बिजली के पूरे उत्पादन को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना एक चुनौती।

बिजली बन तो रही है, पर लोगों को मिल नहीं रही

धनेंद्र कुमार

भारत तेजी से हरित ऊर्जा उत्पादन की ओर बढ़ रहा है। हालांकि, ट्रांसमिशन व्यवस्था की कमी इस प्रगति में एक बड़ी रुकावट बनती जा रही है। बिजली बनने के बाद भी वह उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंच पा रही है।

देश में बिजली की जरूरत हर साल बढ़ रही है। खेतों की सिंचाई हो, छोटे उद्योग हों या घरों की रोशनी-बिजली के बिना काम नहीं चलता। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए हरित ऊर्जा पर जोर देना आवश्यक है। इसी जरूरत को देखते हुए भारत तेजी से सौर और पवन ऊर्जा की ओर बढ़ रहा है। सरकार ने लक्ष्य रखा है कि साल 2030 तक देश में 500 गीगीवॉट गैर-जीवाश्म ऊर्जा तैयार की जाए। राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और लद्दाख जैसे इलाकों में बड़े पैमाने पर सोलर और पवन बिजलीघर लगाए जा रहे हैं यह देश के लिए अच्छी बात है। लेकिन इसी के साथ एक गंभीर समस्या भी सामने आ रही है।

बिजली तैयार, फिर भी बंद क्यों?

कई जगह ऐसा हो रहा है कि बिजलीघर पूरी तरह तैयार है, सूरज चमक रहा है, हवा चल रही है, फिर भी बिजली का उत्पादन घटाना पड़ रहा है या बंद करना पड़ रहा है। इसकी वजह है ट्रांसमिशन लाइन- यानी वह व्यवस्था जो बिजली को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाती है, में असंतुलन और क्षमता में कमी। अगर बिजली बनाने का काम पहले पूरा हो जाए और लाइन बाद में बने, जो बनी हुई बिजली को आगे भेजा ही नहीं जा सकता। इसी मजबूरी को तकनीकी भाषा में कर्टेलमेन्ट कहा जाता है-यानी बिजली होते हुए भी उसका इस्तेमाल न हो पाना। इसके फलस्वरूप बिजली बनाने वाले डेवलपर्स को काफी हानि होती है, और कर्ज का बोझ बढ़ता रहता है।

कहां-कहां हो रही है यह दिक्कत?

राजस्थान में हाल के महीनों में कई बार सोलर और पवन बिजली का बड़ा हिस्सा ग्रिड में नहीं लिया जा सका। गुजरात और महाराष्ट्र में भी बिजली तैयार होने के बावूजद उत्पादन घटाना पड़ा। लद्दाख जैसे दूरस्थ इलाकों में आने वाले समय के लिए ट्रांसमिशन की तैयारी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। इसका सीधा मतलब है-स्वच्छ बिजली की बर्बादी और देश को नुकसान। ग्रिड मजबूत है, लेकिन ट्रांसमिशन में असंतुलन और दबाव बढ़ गया है। यह सच है कि भारत का राष्ट्रीय बिजली ग्रिड दुनिया के सबसे बड़े और मजबूत ग्रिडों में से एक है। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने वर्षों तक देश को जोड़ने वाली बिजली लाइनों का मजबूत जाल खड़ा किया है। इसमें उनकी भूमिका सराहनीय रही है। लेकिन अब हालात बदल गए हैं। आज नवीकरणीय परियोजनाएं बहुत तेजी से बन रही हैं। एक साथ कई राज्यों में काम चल रहा है। कई बड़े प्रोजेक्ट एक-दूसरे पर निर्भर है। ऐसे में अगर किसी एक लाइन या परियोजना में देरी हो जाए, तो उसका असर कई बिजलीघरों पर पड़ता है। यह किसी एक संस्था की कमी नहीं, बल्कि काम के बढ़ते बोझ की हकीकत है। कई कारणों से पावर ग्रिड कॉपोरेशन को 50 से अधिक काम मिला हुआ है, जबकि अन्य कई ट्रांसमिशन कंपनियों के पास अधिक काम नहीं है, और असंतुलन बना हुआ है।

जमीन और अनुमति की मुश्किलें

ट्रांसमिशन लाइन बनाना आसान नहीं है इसके लिए किसानों की जमीन से लाइन निकालनी पड़ती है। जंगल और पर्यावरण से जुड़ी मंजूरी लेनी होती है। कई जिलों और राज्यों से होकर लाइन जाती है। हर जगह अलग नियम और अलग प्रक्रिया होती है। इसी कारण कई बार ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट एक-दो साल तक लेट हो जाते हैं।

आखिर नुकसान किसका होता है?

जब बिजलीघर तैयार हैं, लेकिन लाइन नहीं, तो बिजली बनाने वालों को आर्थिक नुकसान होता है। निवेश करने वाले हिचकिचाने लगते हैं और आम आदमी तक सस्ती, साफ बिजली नहीं पहुंच पाती। कुछ कंपनियों ने तो नियामक आयोग में यह दावा किया है कि ट्रांसमिशन में देरी और कर्टेलमेन्ट से उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

समाधान क्या है?

इस समस्या का हल समय रहते निकाला जा सकता है। पहला, काम का बंटवारा-जहां संभव हो, ट्रांसमिशन के काम में ज्यादा कंपनियों को मौका मिले, ताकि काम का बोझ बंटे और देरी कम हो। प्रतिस्पर्धा के लिए भी यह आवश्यक है। दूसरा, जल्दी मंजूरी-जमीन और अन्य अनुमतियों के लिए एक ही जगह से, तय समय में मंजूरी की व्यवस्था हो। तीसरा, पहले से तैयारी-जहां बड़े सोलर या पवन पार्क बनने हैं, वहां ट्रांसमिशन लाइन का काम पहले या साथ-साथ शुरू हो। चौथा, स्थानी उपाय- बैटरी स्टोरेज और बेहतर प्रबंधन से कुछ बिजली को वहीं इस्तेमाल या सुरक्षित किया जा सकता है। निष्कर्ष: हरित ऊर्जा भारत के भविष्य के लिए बेहद जरूरी है लेकिन सिर्फ बिजली बनाना ही काफी नहीं, उसे सही समय पर सही जगह पहुंचाना भी उतना ही जरूरी है। यह समय आरोप लगाने का नहीं, बल्कि देश के हित में मिलकर समाधान खोजने का है, ताकि किसानों की जमीन का सही इस्तेमाल हो, निवेशकों का भरोसा बना रहे और आम आदमी तक सस्ती और साफ बिजली पहुंच सके। जब ट्रांसमिशन ग्रिड मजबूत और सुचारू होगा, तभी हरित भारत और देश के तीव्र विकास का सपना सच होगा।

जीवन दर्शन

प्रतिकूलता को अपनाकर जीवन को समृद्ध बनाएं

जीवन हमें प्रतिकूल परिस्थितियों से भर सकता है, लेकिन हम हमेशा अपनी दृष्टि में बदलाव करके खुश रहना 'चुन' सकते हैं। जो हमारे पास 'नहीं है' उस पर ध्यान देकर दुःखी महसूस करने के बजाय, हमें अपने 'आशीर्वादों' को गिनना चाहिए और हृदय को कृतज्ञता से भरना चाहिए। हम दुनिया को कैसे देखते हैं, इसका चयन हम स्वयं करते हैं। उदाहरण के लिए-

यदि आप भारी आयकर चुकाते हैं, तो आभारी रहें क्योंकि यह तो आपकी मोटी आमदनी का संकेत है। यदि आपको घर पर कई काम करने पड़ते हैं, तो आभारी रहें कि आपके पास छत है, जबकि दुनिया में कितने लोग बेघर हैं। कठिन परिस्थितियों में सकारात्मकता की खोज करने की शुरुआत होती है बाहरी परिस्थितियों और हमारी भावनाओं के बीच के अंतर को समझने से। जब हम इस अंतर को स्वीकार करते हैं, तो हम सिक्के को पलटने और उज्जवल पक्ष को देखने में सक्षम होते हैं। इसलिए, इस अंतर को जानने से हमें परिस्थिति में उलझने से बच जाते हैं और हमें भावनाओं को नियंत्रित करने के लिए एक उत्तोलक मिल जाता है। यह मन को परिस्थिति की बेड़ियों से मुक्त करता है।

उच्च दृष्टिकोण चुनने के लिए अपनी इस स्वतंत्र इच्छा को समझना एवं इसका प्रयोग करने की क्षमता, हमारी भौतिक सफलता के साथ-साथ आध्यात्मिक विकास की भी नींव है। भगवद गीता में भगवान कृष्ण ने अर्जुन से कहा- मन तब शत्रु बनता है जब हम उसकी इच्छाओं अनुसार स्वयं का नियंत्रण होने देते हैं। लेकिन जब हम मन को अपने मूल्य, आकांक्षाओं और लक्ष्यों के अधीन कर देते हैं, तब वह हमारा मित्र बन जाता है। जब तक हम अपनी मनोस्थिति चुनने की ईश्वर-प्रदत्त स्वतंत्रता का एहसास नहीं करते, तब तक हम आध्यात्मिक रूप से कभी भी प्रगति नहीं कर सकते। हालांकि, जैसे शारीरिक योग्यता के लिए प्रयास की आवश्यकता होती है, वैसे ही मन को भी प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। आज जीवन में हम जहाँ हैं, वह संचित परिणाम है हमारे अनगिनत पिछले जन्मों और इस जन्म में हमारी स्वतंत्र इच्छा के अभ्यास का। यहाँ से हम आगे कहाँ जाते हैं, यह हमारे आज के किए गए निर्णयों पर निर्भर करेगा। इसलिए, हर सुबह जागकर हमें ऐसी दृष्टिकोण धारण करने की जिम्मेदारी उठानी चाहिए जो हमें प्रगति की ओर प्रेरित करे।

स्वामी मुकुंदानंद

गीता ज्ञान

श्लोक

एवं बुद्धेः परं बुद्ध्वा संस्तभ्यात्मानमात्मना।
जहि शत्रुं महाबाहो कामरूपं दुरासदम्।।

भावार्थ

इस प्रकार बुद्धि से परे अर्थात् सूक्ष्म, बलवान और अत्यन्त श्रेष्ठ आत्मा को जानकर और बुद्धि के द्वारा मन को वश में करके हे महाबाहो ! तू इस कामरूप दुर्जय शत्रु को मार डाल।

पाक सिंधी गीतों पर न नांचें न गाएं, अजरक टोपी न पहनें, मदद करने बनें अंतरराष्ट्रीय कोष

महामंडलेश्वर हंसराम महाराज बोले- इतने सालों बाद भी सरकार से क्यों हो छोटी-छोटी मांग

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। विश्वभर में सिंधी हिन्दुओं के एकमात्र सिंधी भाषी महामंडलेश्वर एवं सिंधी साधु समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत स्वामी हंसराम महाराज ने भारत समेत दुनियाभर के सिंधियों को विश्व स्तरीय आर्थिक कोष बनाने की अपील की है, और कहा है कि केवल सम्मेलन करने से कुछ नहीं होगा, जमीनी हकीकत को जानते हुए समाज के भला की दिशा में काम करना होगा। उन्होंने बताया किअजरक टोपी का आज भारत के हर सिंधी हिन्दु पर जादू छाया हुआ है, जबकि यह टोपी सनातनी सिंधियों की नहीं बल्कि पाकिस्तान में रहने वाले मुसलमान सिंधियों की है, जो कलमा व कुरान पढ़ते हैं। यह बात उन्होंने राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद नई दिल्ली सिंधु शोध पीठ कार्यक्रम के दौरान कही। इसके जरिए देश व दुनिया के सनातनी सिंधियों को संदेश भी भेजा है और कहा है कि अगर जरूरतमंद सिंधियों का जीवन स्तर ऊपर उठाना है, तो इसके लिए विश्वस्तरीय कोष की सख्त जरूरत है।

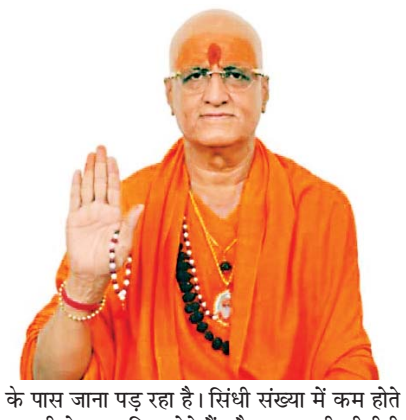

हमने अधिक पीढ़ा झेली : उन्होंने कहा कि आजादी के दौरान सबसे अधिक सिंधी हिन्दुओं ने पीढ़ा झेली दुर्भाग्य से इतनी पीढ़ा झेलने के बाद भी हमें अलग से प्रांत नहीं मिला। हम पुरूषार्थी रहे हम देना जानते हैं लेना नहीं पर यह दुर्भाग्य की बात है, कि आज छोटी छोटी बात के लिए सरकार के पास जाना पड़ रहा है। सिंधी संख्या में कम होते हुए भी टेक्स अधिक देते हैं और भारत की जीडीपी में उनका 24 प्रतिशत योगदान है, हम सनातनी हिन्दु हैं, पाकिस्तान में अधिक सिंधी है, पर वे नमाज व कलमा पढ़ते है। पूंजीपतियों को यह सोचना चाहिए कि जिस तरह से दूसरे समाजों ने कोष की स्थापना की है, उसी तरह का कोष सिंधियों को स्थापित करना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से उनके जहन में नहीं है इसके लिए सिंधी समाज के उत्थान के लिए फंड बनाने पर जोर दिया जाना चाहिए ताकि इस तरह के शोध की जरूरत नहीं है पड़े अगर कोष स्थापित हो जाए तो शोध क्या यूनिर्वसिटी खड़ी हो सकती है। कोष के बिना जरूरतमंद सिंधियों का भला मुमकिन नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं सिंधी महामंडलेश्वर नहीं बल्कि केवल महामंडलेश्वर हूं क्योंकि महामंडलेश्वर किसी समाज का नहीं होता, वह समूचे सनातन धर्म का होता है। शब्द संस्कृति को बनाते भी हैं, और बिगाड़ते भी हैं।

गलत नाच गाना न हो : उन्होंने कहा कि नाच गाना करके जो भजन करते हैं, वह भजन नहीं हो सकते आज पाकिस्तान में बने सिंधी गीतों को भारत के सिंधी सनातनी व विश्व में गाया जा रहा है, सिंध वाले जियें, सिंध वाले जियें, हम उन सिंधियों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं, जो पाकिस्तान में रहते हैं, और जो कलमा और नमाज पढ़ते हैं, इससे सिंधी हिन्दुओं को बचना चाहिए। भाव का पता नहीं केवल नाचने में हम मशगूल हैं, ऐसा नहीं होना चाहिए। बड़े बुजुर्ग कंधे पर दुशाले डालकर निकलते थे न कि अजरक पहनकर। मूल उद्देश्य से परे होने के कारण ही हमारी सभ्यता व संस्कृति विकट संकट में आती जा रही है।

सम्मेलन में क्या होता है : महामंडलेश्वर हंसराम महाराज ने कहा कि समय समय पर समाज के सम्मेलन होते हैं, पर क्या उन सम्मेलनों में समाज के हित की कोई बात होती है उनका इशारा भोपाल के एक पांच सितारा होटल में 9 से 11 जनवरी तक हुए सम्मेलन की तरफ था। किसी भी सिंधी सम्मेलन में भाषा, भूषण आभूषण देखने को नहीं मिलती। हमारी वे पोषाकें कहां हैं, जो हमारे पूर्वजों ने विरासत में दी थी।

संस्कृति गुम हर रहे हैं : हंसराम महाराज ने कहा कि हम खुद ही अपनी संस्कृति के दुश्मन बन रहे हैं, उसे भूल रहे हैं। अगर भाषा को जीवित रखना है, तो यह संकलप लेना होगा कि आपस में मिलने पर मातृ भाषा में बात करेंगे, अगर ऐसा नहीं किया तो आने वाले समय में हमारी भाषा, सभ्याता व संस्कृति पूरी तरह से लुप्त हो जाएगी। उन्होंने फिर जोर देकर विश्व स्तरीय कोष बनाने एवं आपसी एकता पर जोर।

सिंधी सनातनी का मूल बीज

महामंडलेश्वर ने देश व दुनिया में निवास करने वाले सिंधी हिन्दुओं के नाम जारी अपने संदेश में कहा है कि सिंधु वह है जो मूल संस्कृति और सनातनी संस्कृति का बीज है, उस पर शोध क्यों होना चाहिए। शोध की आवश्यकता क्यों पड़ी, कौनसी कमियां रह गई जिसकी वजह से अब शोध की जरूरत है। धरती से कुछ भी विलोपित नहीं होता, सप्त ऋषि के मण्डल से सिंधी संस्कृति कभी विलुप्त नहीं हो सकती।

पतंग प्रतियोगिता के विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

जागरण प्रतिनिधि ओबेदुल्लागंज। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर आयोजित पतंग प्रतियोगिता में जमकर पतंगवाजी का आयोजन किया गया पतंग महोत्सव आयोजन में बच्चे, युवा व बुजुर्ग बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी सहभागिता की मकर संक्रांति के दिन आसमान रंग-बिरंगी पतंगों से सजा नजर आया गौरतलब है कि नगर में पहली बार ऐसा आयोजन किया गया दर्शकों ने आयोजनकर्ताओ के इस तरह के मनभावन प्रयासों की सराहना की आयोजन में भाजपा मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र नागर कांग्रेस नेता हरपाल सिंह नपाध्यक्ष लक्ष्मी चौकसे नपा उपाध्यक्ष नमिता अग्रवाल पार्षद प्रमोद सेन भारती सेठी सुजीत यादव कार्यक्रम आयोजक सपन श्रीवास्तव ने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया साथ ही आयोजन के दौरान पारंपरिक उत्सव का आनंद और आपसी भाईचारे का संदेश भी देखने को मिला इस दौरान नगर के वरिष्ठ सर्वेश मित्तल प्रेस सतेंद्र पांडे क्लब अध्यक्ष उपेंद्र मालवीय धन्नू चौरसिया वचन लोधी दिलीप जयसवाल सुधीर द्ववेदी सहित बड़ी संख्या में युवा जन उपस्थित रहे।

विष्णु गेहानी का सिखाया जीवन भर भूल नहीं सकते: डा. मैथ्यूज

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। 90 साल की आयु में पिछले दिनों अलविदा हुए शिक्षाविद विष्णु गेहानी को आज हर संगठन व व्यक्ति याद कर रहा है। उन्होंने अपने जीवन के 70 साल विभिन्न स्कूलों में शिक्षा के स्तर को सुधारने में लगा दिए और अंतिम सांस तक साधु वासवानी स्कूल संस्थान की सुधार सभा के संरक्षक थे।

NAME CHANGE

I, Abhilasha wife shashikant singh (No.4286382Y rank havaldar unit-5, Bihar care of 99 APO),
My old name is Abhilasha Singh & Date of birth 26.08.1989, Wrong name & birth written in my husband service document. My real name is **Abhilasha & Date of Birth 05.06.1989.** Plz correct my name & Date of birth in my husband document.
H.No.142/A, Prem Nagar Colony
Nariyalkheda, Bhopal

भागचंदानी बने गांधीनगर सिंधी पंचायत के अध्यक्ष

फर्जी शिकायतों पर अतिक्रमण अमला आने की विधायक से शिकायत की

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। गांधीनगर सिंधी पंचायत में अचानक उलटफेर के बाद खूबचंद भागचंदानी को नया अध्यक्ष बनाया गया है। हालांकि दो दिन पूर्व ही पंचायत की हुई बैठक में पंचायत के लेटर पेट का गलत इस्तेमाल करने की शिकायत के बाद नए अध्यक्ष की नियुक्ति का संकेत मिल गया था, लेकिन बुधवार को हुई फिर से बैठक में सर्वसम्मति से खूबचंद भागचंदानी को नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

होती हैं झूठी शिकायतें : इधर संत हिरदाराम नगर की तरह समीपी इलाके गांधीनगर में भी एक ऐसा गिरोह सक्रिय है, जो झूठ शिकायतें कर जिला व नगर निगम प्रशासन के अधिकारियों को गुमराह करता है, और अधिकारी इसकी आड़ में न केवल भ्रष्टाचार करते हैं बल्कि बिना सूचना के नियमानुसार किए गए निर्माण को अतिक्रमण बताकर हटाने आ जाते हैं। झूठी शिकायत के आधार पर अतिकमण के नाम से परेशान गांधीनगर व्यापारी संघ एवं पूज्य सिन्धी पंचायत मिली विधायक रामेश्वर शर्मा से मुलाकात की और उन्हें स्थिति से अवगत कराया। इस अवसर पर गांधीनगर क्षेत्र में झूठी शिकायतो के आधार पर एसडीएम वैरागढ़ वृत्त एवं नगर निगम अतिक्रमण के नाम पर जनता एवं व्यापारियों को परेशान करने के संबंध में अवगत् कराया गया।

माता गोदा और भगवान रंगनाथ का दिव्य विवाह

बैरसिया। महेश्वरी अग्रवाल समाज तलैया मंदिर, बैरसिया में माता गोदा एवं भगवान रंगनाथ के पावन विवाह का पाँच दिवसीय उत्सव बुधवार को मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर भव्यता और धार्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। अंतिम दिन वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पंडित नरेन्द्र शास्त्री द्वारा विधि-विधान से विवाह संस्कार सम्पन्न कराया गया। मकर संक्रांति के दिन मंदिर परिसर में मंडप सजाया गया, जहां भगवान रंगनाथ (विष्णु) और माता गोदा (लक्ष्मी) को विराजमान कर हवन, फेरे एवं अन्य वैवाहिक रस्में पूरी की गईं। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर भक्तिरस और जयकारों से गूंजता रहा।

पाँच दिनों तक चले मांगलिक आयोजन : पाँच दिवसीय विवाह उत्सव के दौरान माता गोदा को दुल्हन के स्वरूप में सजाया गया। हल्दी, मेंहदी सहित विभिन्न मांगलिक कार्यक्रम अलग-अलग दिनों में आयोजित किए गए, जिनमें माहेश्वरी अग्रवाल समाज जनों और श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई।

जयमाला और फेरे देख भक्त हुए भावविभोर : मंदिर में जयमाला कार्यक्रम के दौरान माता गोदा की पालकी भगवान रंगनाथ के समक्ष लाई गई, जहां दोनों ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाई। इसके पश्चात मंडप में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन हुआ और अग्नि को साक्षी मानकर फेरे संपन्न कराए गए।

मंगलसूत्र धारण और विदाई : फेरे के बाद भगवान रंगनाथ ने माता गोदा को मंगलसूत्र धारण कराया। इस पावन क्षण के साक्षी बने श्रद्धालुओं ने जयकारों से वातावरण भक्तिमय कर दिया। लगभग चार घंटे चले विवाह महोत्सव के बाद माता गोदा की विदाई की रस्म निभाई गई। आकर्षक आतिशबाजी के बीच माता गोदा एवं भगवान रंगनाथ को पालकी में विराजमान कर मंदिर प्रांगण में भ्रमण कराया गया, साथ ही पाँच दिवसीय विवाह उत्सव का समापन हुआ।

धार्मिक मान्यता : पंडित नरेन्द्र शास्त्री ने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार माता गोदा ने भगवान रंगनाथ को पति रूप में पाने के लिए एक माह तक माता कात्यायनी की आराधना और व्रत किया था। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान रंगनाथ ने विवाह स्वीकार किया।

नाम संशोधन सूचना

मैं सोनू चड़ार (Sonu Chadar) पिता स्व. श्री गनेश राम (Ganesh Ram) उम्र-31 वर्ष निवासी-764, ग्राम आमदपुर छावनी, तहसील हुजूर, जिला भोपाल (म.प्र.)। मेरा नाम सोनू जिसे वर्तमान में सोनू चड़ार कराना चाहता हूं। मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड, परिचय पत्र, ड्राइविंग लायसेंस, सीपीसीटी, स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र में मेरा वर्तमान नाम सोनू चड़ार अंकित है। मेरी कक्षा 10वीं एवं कक्षा 12वीं, बी.कॉम, एम.कॉम, एम.ए., डी.सी.ए. जाति प्रमाण पत्र रिकार्ड में मेरा अधूरा नाम सोनू अंकित हो गया है। अत: भविष्य में मुझे सोनू चड़ार (Sonu Chadar) के नाम से जाना पहचाना जाऊंगा।

वार्ड 5 में जहां जरूरी, वहां नहीं हो रहा विकास कार्य, लोग परेशान

गन्दे पानी की भी समस्या, सड़क का हुआ भूमि पूजन

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। अगर बात की जाए जोन एक के अन्तर्गत तीन वार्डो की तो विकास के मामले में एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी काफी आगे चल रहे हैं उन्होंने जहां वर्ष 2024-25 में 1.80 करोड़ के विकास के काम करवाए, वहीं वर्ष 2025-26 में भी उनका 31 मार्च तक 2 करोड़ से विकास का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जबकि इसकी तुलना में वार्ड 5 के कांग्रेसी पार्षद का विकास ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रहा है। नव युवक परिषद के समीप बैरिक ए-5 एवं ए-13 के बीच की गली जहां पानी रूकता है, मात्र 80 फीट लम्बी इस गली का सीमेंट कांक्रीट कार्य लोगों की मांग के दो साल बाद भी नहीं हो पाया है। इसी तरह सर्वाधिक लीकेजे एवं गन्दे पानी की समस्या से भी वार्ड 5 के लोग जूझ रहे हैं। कम्युनिटी हाल के आस पास नालियों के अवैध कब्जों के कारण गन्दा पानी सड़कों पर बह रहा है। सिंधु समाज के समीप ही इसी तरह की हालत है। बहरहाल इन समस्याओं के बीच अशोक मारन ने ओल्ड डेयरी फार्म में मंदिर के पहुंच मार्ग का जरूर सीमेंट कांक्रीट का काम प्रारंभ करवाया है। अशोक मारन ने बताया कि पहुंच मार्ग जर्जर होने से श्रद्धालुओं को मंदिर जाने में परेशानी हो रही थी। इस अवसर पर झूलेलाल मंदिर ट्रस्ट के नवीन अध्यक्ष राज मनवानी, कांग्रेसी नेता घनश्याम लालवानी, पंडित प्रमोद चैबे, मंदिर समिति के अध्यक्ष आर आर वर्मा, श्याम राम, जगदीश नागर, राजू वर्मा, हरिश परसेरी, संजय केतवार आदि उपस्थित थे, जिन्होंने अशोक मारन का गर्मजोशी से स्वागत किया।

वार्ड 4 में बनेगी आरसीसी और पेवर ब्लाक सड़क

मंडीदीप। नगर पालिका परिषद मंडीदीप द्वारा विगत कई दिनों से नगर के विभिन्न वार्डों में नाली एवं सड़क मार्ग निर्माण कार्य लगातार कराया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को वार्ड क्रमांक 04 में आरसीसी और पेवर ब्लाक सड़क निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन किया गया। इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई जनहानि की घटना से सबक लेते हुए नगर में भी उन स्थानों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जहां पेयजल पाइपलाइन पुरानी हो चुकी हैं अथवा सीवेज व नालियों के बीच से गुजर रही हैं। ऐसी पाइपलाइनों को बाहर निकालकर बदला जा रहा है, ताकि नागरिकों को शुद्ध और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

श्रीमद्भागवत कथा का भव्य समापन भंडारे में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

जागरण संवाददाता ओबेदुल्लागंज। ज्वाला चौक पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा का आज विधि-विधान से समापन हुआ। समापन के अवसर पर हवन-पूजन किया गया, जिसमें मुख्य यजमान सहित भारी संख्या में भक्तों ने पूर्णाहूति दी। कथावाचक पंडित मनोज शास्त्री ने अंतिम दिन सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए बताया कि प्रभु की भक्ति ही मोक्ष का एकमात्र मार्ग है। कथा के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने व्यवस्था संभाली और कार्यक्रम को सफल बनाया।

नपा खेल महाकुंभ में स्कूली टीमों का शानदार प्रदर्शन

मंडीदीप। नगर में आयोजित खेल महाकुंभ के अंतर्गत खो-खो, वॉलीबॉल एवं फुटबॉल प्रतियोगिताओं में विद्यालयी टीमों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों का उत्साह और खेल भावना देखने योग्य रही। सोमवार को जूनियर बालिका खो-खो में सीएल आर्य साइंस हायर सेकेंडरी स्कूल प्रथम, विवेक जागृति द्वितीय व ग्रेफाइट हाई सेकेंडरी स्कूल तृतीय रहा। सीनियर बालिका खो-खो में विवेक जागृति प्रथम, सीएल आर्य साइंस द्वितीय व शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी विद्यालय तृतीय स्थान पर रहा। मिनी बालिका वॉलीबॉल में इंडियन पब्लिक स्कूल ने प्रथम, एक्सेल पब्लिक स्कूल द्वितीय व अपना स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मंगलवार को जूनियर बॉयज वॉलीबॉल में एक्सेल पब्लिक स्कूल प्रथम, धर्मा पब्लिक स्कूल द्वितीय व इंडियन पब्लिक स्कूल तृतीय रहा।

आम-सूचना

फ्लेट नं. 14112, ब्लाक नं. 14, प्रथम तल, एल.आई.जी., जिसका क्षेत्रफल 518.4 वर्गफिट है जो कि "सौम्या ऐवरग्रीन", ग्राम हितोनिया आलम, वार्ड नं. 84, तहसील हुजूर, जिला भोपाल के संबंध मे

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक फ्लैट नं. 14112, ब्लाक नं. 14, प्रथम तल, एल.आई.जी., जिसका क्षेत्रफल 518.4 वर्गफिट है जो कि "सौम्या ऐवरग्रीन", ग्राम हितोनिया आलम, वार्ड नं. 84, तहसील हुजूर, जिला भोपाल मे स्थित है। उक्त संपत्ति को मेसर्स सौम्या होम्स प्रा.लि. द्वारा डायरेक्टर श्री राजीव शर्मा पुत्र श्री स्व. आर.के.शर्मा द्वारा प्रमाणित मुख्तारआम श्री सत्येन्द्र सिंह पवार पुत्र श्री के.एल.पवार ने श्री संजय सिंह राठौर पुत्र श्री श्री एन.एस.राठौर एवं श्रीमति नीलम तोमर पत्नि श्री संजय सिंह राठौर को विक्रय पत्र के माध्यम से विक्रय किया था जिसके पंजीयन का इंद्राज उप-पंजीयक कार्यालय भोपाल मे ग्रंथ नं. 653, दस्तावेज नं. 3727/1, दिनांक 29.03.2014 मे दर्ज है तदोपरांत उक्त संपत्ति को श्री संजय सिंह राठौर पुत्र श्री श्री एन.एस.राठौर एवं श्रीमति नीलम तोमर पत्नि श्री संजय सिंह राठौर ने मेरे पक्षकार श्री हरिओम मिश्रा पुत्र श्री अंबिका प्रसाद मिश्रा एवं श्रीमति आकांक्षा मिश्रा पत्नि श्री हरिओम मिश्रा को विक्रय किया है जिसके पंजीयन का इंद्राज उप पंजीयक कार्यालय भोपाल मे ई-पंजीयन संख्या एमपी059702024ए11135436, दिनांक 13.09.2024 मे दर्ज है उक्त संपत्ति की मूल रजिस्ट्री दिनांक 29.03.2014 कही गुम हो गई है जो कि काफी तलाश करने के उपरांत भी नही मिल पा रहा है। जिसके संबंध मे थाना कोलार मे एन.सी.आर दिनांक 18.11.2025 को की गई है। उक्त संपत्ति की मूल रजिस्ट्री दिनांक 29.03.2014 जिस किसी को मिले वह मेरे कार्यालय मे प्रस्तुत करें एवं उक्त संपत्ति के संबंध मे किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, सरकारी व गैर सरकारी कार्यालय को कोई आपत्ति हो तो वह इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर मेरे कार्यालय मे मय दस्तावेजो के आपत्ति प्रस्तुत करे एवं उपरोक्त डीड की मूल प्रति का कोई भी दुरूपयोग ना करें और जिस किसी को भी उपरोक्त दस्तावेज प्राप्त हो वह मेरे कार्यालय मे प्रस्तुत करें या आपत्ति प्रस्तुत करें। निर्धारित समय वीतने के उपरांत कोई भी दावा आपत्ति स्वीकार नही किये जायेंगें।

भवदीय **रोहित यादव** (एडवोकेट)
कार्या.:-56, सी.आई. एन्क्लेव चूनाभट्टी कोलार रोड भोपाल
मो. 9993020804

॥ जाहिर सूचना ॥

(भूमि खसरा क्रमांक-1/1(S), कुल रकबा-1.1410 हेक्टेयर स्थित ग्राम-बारवाखेड़ी, तहसील व जिला सीहोर, म.प्र. के संबंध में)

मैं, अपने पक्षकारगणों के निर्देशानुसार व प्रदत्त दस्तावेजानुसार सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि मेरे पक्षकारगणों ने भूमि स्वामी-श्री भाव सिंह उर्फ भैयालाल जाटव आ. श्री चुन्नीलाल जाटव, निवासी-75, ग्राम-बारवाखेड़ी, कुलास कलां, कुलस्कलन, तहसील व जिला सीहोर, म.प्र. वर्तमान निवासी-ग्राम-तरावली, जिला-रायसेन म.प्र. के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की एक किता कृषि भूमि खसरा क्रं.-1/1(s), कुल रकबा-1.1410 हेक्टेयर अर्थात् 2.81 एकड़, जो कि ग्राम-बारवाखेड़ी, पटवारी हल्का नम्बर-पड़ली, तहसील व जिला सीहोर, म.प्र. में स्थित है, जिसकी चतुर्थ सीमाएं निम्नानुसार है-पूरब में-खसरा क्रं.-2 की भूमि, पश्चिम में-अन्य की भूमि, उत्तर में-अन्य की भूमि, दक्षिण में-खसरा क्रं.-1/2 की भूमि, जिसे मेरे पक्षकारगण ने उक्त वर्णित भूमि को क्रय करने हेतु भूमि स्वामी को टोकन राशि अदा कर टोकन रसीद का निष्पादन करा लिया है और पेपर विज्ञप्ति एवं सर्च की सहमति प्राप्त कर ली है। उक्त भूमि के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, हाऊसिंग फायनेंस संस्था, वित्तीय संस्थान, फर्म, शासकीय व गैर शासकीय, कार्यालयों को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो या उक्त वर्णित भूमि कहीं अनुबंध, विक्रय, दान, बंधक, गिरवी, वसीयत, हिबा, मेहर, हस्तांतरण इत्यादि हो तो वह इस सूचना प्रकाशन से 15 (पन्द्रह) दिवस की समयावधि में मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज सहित उपस्थित होकर या अपने अभिभाषक के माध्यम से लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें, उक्त समयावधि व्यतीत होने के पश्चात् कोई आपत्ति मेरे पक्षकारगणों पर बंधनकारी एवं मान्य नहीं होगी, तत्पश्चात् मेरे पक्षकारगण सम्पूर्ण तयशुदा विक्रय प्रतिफल राशि भूमि स्वामी को अदा कर विक्रय पत्र का पंजीयन कराने हेतु स्वतंत्र रहेंगें।

भवदीय-
एस.के.सक्सेना एडव्होकेट
कार्या.-24, शारदा लॉ चेम्बर, पुरानी विधान सभा के सामने, भोपाल मो.-9300815799

SUDOKU 119

		8				5	7	
	9						2	3
3				7				
2			4			1		
	4	5	7		1	8	9	
		3			2			4
				6				7
9	2						1	
	5	1				9		

SOLUTIONS 118

1	9	3	4	5	2	8	7	6
5	7	4	6	8	1	9	2	3
2	8	6	7	3	9	5	1	4
4	1	9	8	2	7	6	3	5
7	3	8	1	6	5	4	9	2
6	2	5	9	4	3	7	8	1
8	4	1	3	9	6	2	5	7
3	6	2	5	7	8	1	4	9
9	5	7	2	1	4	3	6	8

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज के दिन सेहत का खास ख्याल रखने की जरूरत है। व्यापारियों को मनचाहा लाभ होगा। आपको मेहनत का पूरा फल मिलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। दिन के अंत में पैसों के लेन-देन से बचें।

वृषभ : आज का दिन मिला-जुला रहने वाला है। दिन की शुरुआत में काम का दवाब रहेगा।

मिथुन : आज कोई शुभ समाचार लेकर आ सकता है। आज आपके आय के साधन में वृद्धि होगी। व्यापारियों को मनचाहा लाभ होगा।

कर्क : आज आप संतान की किसी बात से परेशान रहेंगे। दिन के मध्य में किसी विशेष काम में आपको सफलता मिल सकती है। आज खर्चों का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह : आज परिवार के सदस्यों के बीच मतभेद हो सकते हैं। सुख-सुविधा से जुड़ी किसी चीज में पैसे खर्च हो सकते हैं। मन में नकारात्मक विचारों का प्रभाव भी हो सकता है।

तुला : आज के दिन आपको कुछ बड़े खर्चों का सामना करना पड़ सकता है। दिन की शुरुआत में कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है।

धनु : आज का दिन उतार-चढ़ाव भरा साबित हो सकता है। नौकरी पेशा करने वाले जातकों को नौकरी के नए अवसर मिल सकते हैं। कार्यस्थल पर प्रमोशन मिल सकता है।

मकर : आज का दिन कुछ बड़े खर्चे लेकर आ सकता है। जिससे आपका आर्थिक बजट हिल सकता है। इस दिन समय और धन दोनों को सोच-समझकर खर्च करें।

कुम्भ : आज आपकी किस्मत चमक सकती है। इस दौरान आपको मनचाही सफलता हासिल होगी। रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

कन्या : आज के दिन नौकरी पेशा करने वाले जातकों को गुप्त शत्रुओं से बचना चाहिए। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृश्चिक : आज गुस्से और वाणी पर काबू रखें। दिन आपके लिए मिले-जुले परिणाम लेकर आया है। प्रतिष्ठा और मान-सम्मान बढ़ेगा।

मीन : आज के दिन काम के सिलसिले में ट्रैवल करना पड़ सकता है। दिन की शुरुआत में कुछ चुनौतियां आएंगी, जिनका सामना करना पड़ सकता है।

आज का पंचांग: 15 जनवरी गुरुवार 2026। **दिशाशूल :** दक्षिण दिशा में रहेगा। **पर्व एवं त्यौहार :** तिल द्वादशी, मकर संक्रांति। **विशेष :** मंगल मकर राशि में। विक्रम संवत 2082 शके 1947 उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु माघ मास कृष्ण पक्ष की द्वादशी, तत्पश्चात त्रयोदशी ज्येष्ठा नक्षत्र, तत्पश्चात मूल नक्षत्र वृद्धि योग, तत्पश्चात ध्रुव योग वृश्चिक में चंद्रमा तक तत्पश्चात धनु में।

कार्यालय, कलेक्टर (जनजातीय कार्य) शहडोल, म0प्र0

http://mptender.gov.in दूरभाष: 07652-240320 Email- twelfareshd@mp.nic.in

क्रमांक / ज0जा0का0 / निर्माण / 2025-26 /38 शहडोल, दिनांक 02/01/26

ई-निविदा विज्ञप्ति प्रथम आमंत्रण

म0प्र0 के राज्यपाल की ओर से ऑनलाइन निविदायें प्रतिशत दर पर लोक निर्माण विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से भवन निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग (भवन) म0प्र0 भोपाल द्वारा जारी दिनांक 01 जनवरी 2024 से भवन / विद्युत कार्य एवं 11 अप्रैल 2025 लोक निर्माण विभाग (रोड एवं ब्रिज) से प्रभावशील लोक निर्माण विभाग के प्रचलित एस.ओ. आर. पर (निविदा दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित) निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदायें निम्न विवरण अनुसार आमंत्रित की जाती हैं। निविदा की विस्तृत शर्ते, निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारियां http://mptender.gov.in पर देखी जा सकती है।

1. आनलाईन निविदा प्रपत्र विक्रय की प्रारंभिक तिथि : 30.12.2025
2 आन लाईन निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि : 20.01.2026
3 ऑन लाइन निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि : 20.01.2026
4 ऑन लाइन निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि : 22.01.2026

क्र.	NIT No.	Online NIT No.	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ठेके की अनुमानित राशि लाखों में	अमानत राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि	उचित पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	6	7
1.	7849 दि. 26.12.25	TWD/ TENDER NO-2025_TAD_471835_1	जनजातीय सीनियर बालक छात्रवास सीधी विकास खण्ड जयसिंहनगर का भवन निर्माण	15000	327.63	327630.00	16 माह (वर्षा ऋतु सहित)	लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदार
2.	7849 दि. 26.12.25	TWD/ TENDER NO-2025_TAD_471896_1	जनजातीय सीनियर उत्कृष्ट बालक छात्रवास बुढ़ार बिकास खण्ड बुढ़ार का भवन निर्माण	15000	327.63	327630.00	16 माह (वर्षा ऋतु सहित)	लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदार
3.	7849 दि. 26.12.25	TWD/ TENDER NO-2025_TAD_471915_1	जनजातीय सीनियर उत्कृष्ट बालक छात्रवास शहडोल विकास खण्ड सोहागपुर का भवन निर्माण	15000	327.63	327630.00	16 माह (वर्षा ऋतु सहित)	लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदार
4.	7849 दि. 26.12.25	TWD/ TENDER NO-2025_TAD_471922_1	शासकीय आदिवासी उत्कृष्ट कन्या छात्रवास जयसिंहनगर विकास खण्ड जयसिंहनगर का भवन निर्माण	15000	327.63	327630.00	16 माह (वर्षा ऋतु सहित)	लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदार
5.	7849 दि. 26.12.25	TWD/ TENDER NO-2025_TAD_471926_1	शासकीय आदिवासी जूनियर बालक छात्रावास कंचनपुर विकास खण्ड सोहागपुर का भवन निर्माण	15000	327.63	327630.00	16 माह (वर्षा ऋतु सहित)	लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदार
6.	7849 दि. 26.12.25	TWD/ TENDER NO-2025_TAD_471932_1	शासकीय आदिवासी जूनियर बालक छात्रावास बरेली विकास खण्ड गोहपारू का भवन निर्माण	15000	327.63	327630.00	16 माह (वर्षा ऋतु सहित)	लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदार
7.	7849 दि. 26.12.25	TWD/ TENDER NO-2025_TAD_471954_1	जनजातीय बालक आश्रम शाला कुम्हेड़िन विकास खण्ड बुढ़ार का भवन निर्माण	15000	223.36	223360	14 माह (वर्षा ऋतु सहित)	लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदार

आनलाईन अभिलेख जमा करना अनिवार्य होगा। निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाइट http://mptender.gov.in पर ही दर्ज किये जायेगें पृथक से समाचार पत्रों पर प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

सहायक आयुक्त,
जनजातीय कार्य शहडोल म.प्र.

जी-24340/25 स्वच्छता ही सेवा है

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

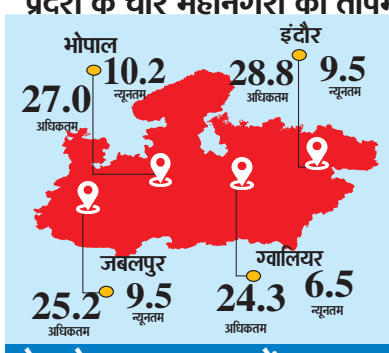

देश के चार महानगरों का तापमान

दिल्ली		मुंबई	
21.6 अधिकतम	3.0 न्यूनतम	32.3 अधिकतम	20.0 न्यूनतम
चेन्नई		**कोलकाता**	
32.0 अधिकतम	19.0 न्यूनतम	23.3 अधिकतम	13.3 न्यूनतम

सूर्यास्त 5:54 PM
सूर्योदय 7:04 AM
चन्द्रोदय 2:30 AM
चन्द्रास्त 1:30 PM

श्याम के दीवानों ने 3100 लड्डुओं से किया श्रृंगार

जागरण, गंजबासौदा। षष्ठतिला एकादशी और मकर संक्रांति के पावन संयोग पर खाटू श्याम मंदिर में बुधवार को बाबा श्याम रंग-बिरंगे लड्डुओं से बनी श्रद्धा की माला पहने हुए दिखाई दिए। मंदिर परिसर भी आस्था रूपी रंगीन पतंगों से सजा नजर आया, मानों आसमान की खुशियां उतरकर बाबा के दरबार में ठहर गई हों। मंदिर परिसर में लहराती पतंगें भक्तों की उमंग और आस्था के प्रतीक के रूप में दिखाई दीं। खाटू श्याम के दीवानों ने अनूठा श्रृंगार कर बाबा के दरबार को भक्ति का अद्भुत स्वरूप दिया। सुबह नगर में बाबा श्याम की ध्वजा और गाजे बाजे के साथ भव्य प्रभात फेरी निकाली, जो हनुमान चौक से प्रारंभ होकर कीर्तन करते हुए श्याम बाबा के जयघोष के साथ खाटू श्याम मंदिर पहुंची। जहां श्रद्धालु नाचते-गाते, भजनों में लीन होकर बाबा के दरबार तक पहुंचे। वार्ड 13 स्थित खाटू श्याम मंदिर के पीठाधीश्वर पंडित वीरेन्द्र दुबे ने बताया कि षष्ठतिला एकादशी और मकर संक्रांति का पर्व होने पर बाबा श्याम का श्रृंगार भक्तों की आस्था रूपी राजगीर के लड्डू और पतंग से किया। 3100 लड्डुओं से बाबा की प्रतिमाओं के चारों और दिव्य तरीके से माला का रूप देकर देकर नैयाभिराम विशेष सजावट की। देसी गुड़ की सामग्री से पूरी पवित्रता के साथ बनाए गए लड्डुओं को तैयार करने में 7 दिन का समय लगा और रात भर जागकर श्याम बाबा की लड्डुओं से सजावट भी मंदिर सेवकों ने ही की, जिसमें हर लड्डू के साथ श्रद्धा और समर्पण जुड़ा था। संक्रांति पर श्याम दरबार को रंग-बिरंगी पतंगों से सजाया। मंदिर परिसर में आयोजित भजन संध्या में एक से बढ़कर एक श्याम भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों की स्वर लहरियों पर श्रद्धालु झूम उठे और पूरा परिसर हारे का सहारा श्याम हमाराके उद्घोष से गूंज उठा। दिन भर बाबा श्याम के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। भक्तों ने बाबा से सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मकर संक्रांति का त्योहार गुरुवार को भी होने के कारण षष्ठतिला एकादशी पर हुए खाटू श्याम बाबा के लड्डुओं से किए गए श्रृंगार के दर्शन गुरुवार को भी होंगे।

नर्मदा में आस्था की डुबकी, सेठानी घाट पर महाआरती

जागरण नर्मदापुरम। भगवान सूर्य की आराधना का पर्व मकर संक्रांति इस वर्ष दो दिन बुधवार एवं गुरुवार को मनाया जा रहा है। इसी के चलते बुधवार को सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसिद्ध सेठानी घाट सहित अन्य सभी घाटों पर मां नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित किया और पूजन-पाठ किया। वहीं शाम को प्रसिद्ध सेठानी घाट पर शाम को मां नर्मदा की महाआरती हुई। जिसमें सैकड़ों नागरिकों ने उपस्थिति दर्ज कराई। उल्लेखनीय है कि धर्मशास्त्रों के अनुसार संक्रांति का मुख्य पुण्यकाल गुरुवार को रहेगा। बुधवार को मकर संक्रांति 14 जनवरी की रात 9.29 मिनट से शुरू होगी जो 15 जनवरी की दोपहर 1.29 मिनट तक रहेगी।

कटनी में बंद कमरे में मिले पिता और बेटे के शव

जागरण, कटनी। शहर के संजय नगर स्थित एक मकान में बुधवार शाम पिता और बेटे के शव संदिग्ध अवस्था में मिले। शुरुआती जांच में जहरीले पदार्थ खाने से मौत की आशंका जताई जा रही है। खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के गोरखपुर मऊ निवासी विजय कुमार राय और उनके बेटे आनंद कुमार राय के रूप में हुई है। विजय कुमार राय डीएबी से सेवानिवृत्त शिक्षक थे, जबकि आनंद कुमार राय शहर की एसीसी फैक्ट्री के डीएबी में निजी कर्मचारी के तौर पर कार्यरत थे। पड़ोसियों ने बताया कि जब काफी देर तक घर में कोई हलचल नहीं दिखी और संदेह बढ़ा, तब उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही माधव नगर थाना प्रभारी संजय दुबे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कमरे का दरवाजा खोला तो पिता-बेटे के शव अंदर पड़े मिले। पुलिस ने तत्काल घटनास्थल को सील कर दिया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। शवों का पंचनामा तैयार कर उन्हें पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

सोने-चांदी की कीमत से घबराए व्यापारियों ने मांगे हथियार

जागरण, हरदा। सोने-चांदी की कीमतों से घबराए व्यापारियों ने सुरक्षा की दृष्टि से हथियारों की मांग की है। इसे लेकर ज्वेलर्स डेवलपमेंट वेलफेयर एसोसिएशन मप्र के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को जिला अध्यक्ष संजय सोनी के नेतृत्व में जिला कलेक्टर से मुलाकात की। एसोसिएशन ने बढ़ते अपराधों और सराफा व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए शस्त्र लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया को सरल और त्वरित बनाने की मांग का ज्ञापन सौंपा। मुलाकात के दौरान एसोसिएशन के सचिव अंकित सराफने कलेक्टर को अवगत कराया कि सोने-चांदी की कीमतों में अत्यधिक वृद्धि होने के कारण सराफा व्यापारी अपराधियों के निशाने पर हैं। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों और तहसीलों में व्यापार के लिए आने-जाने वाले व्यापारियों के पास सुरक्षा का कोई पुख्ता साधन नहीं है, जिससे उनके जान-माल का जोखिम बना रहता है। ज्ञापन में मांग की गई कि सराफा व्यापारियों को बिना किसी अनावश्यक विलंब के प्राथमिकता के आधार पर शस्त्र लाइसेंस जारी किए जाएं। सुरक्षा की दृष्टि से लंबी बंदूकों के बजाय आधुनिक और छोटे हथियारों के लाइसेंस प्रदान किए जाएं, जिन्हें साथ ले जाना व्यावहारिक रूप से आसान हो। व्यापारियों की सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा गश्त और निगरानी बढ़ाई जाए। इस अवसर पर एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारी और बड़ी संख्या में सराफा व्यापारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने ज्ञापन स्वीकार करते हुए विषय की गंभीरता पर उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

छतरपुर, टीकमगढ़, गुना में दर्दनाक हादसे, दो मां ने खोईं बेटियां

डंपर की टक्कर से मासूम बच्ची के हुए दो टुकड़े, मां के दोनों पैर कटे

जागरण, टीकमगढ़/गुना/छतरपुर। प्रदेश के 3 स्थानों पर हुए दर्दनाक हादसों में 2 मां ने अपनी बेटियों को खो दिया है। टीकमगढ़ में डंपर की टक्कर से मासूम बच्ची के दो टुकड़े हो गए। छतरपुर में बस की टक्कर से सास-बहू ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। गुना में छलांग मारकर कार में नीलगाय घुस आई, जिससे मां की गोद में बैठी मासूम की जान चली गई। **टीकमगढ़** में तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से बाइक सवार 7 साल की मासूम के दो टुकड़े हो गए। बच्ची की मां और युवक के पैर कट गए। घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया है। हादसे के बाद डंपर छोड़कर चालक फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। जतारा एसडीओपी अभिषेक गौतम के मुताबिक, जतारा थाना क्षेत्र के टानगा गांव निवासी किसना कुशवाहा बुधवार दोपहर बाइक से लिधौरा ताल से टानगा जा रहे थे। उनके साथ बाइक पर गांव की चमेली पाल, 7 साल की काव्या पाल और 5 साल का बालक बैठा था।महिला युवक के साथ बच्चों को लेकर अपने मायके जा रही थी। इसी दौरान दोपहर करीब 4 बजे जतारा बायपास रोड पर एक तेज रफ्तार डंपर ने सामने से उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में 7 साल की काव्या का शरीर दो टुकड़ों में बंट गया। चमेली बाई के दोनों पैर कट गए। वहीं बाइक चला रहे किसना के पैर में भी चोट आई है। टक्कर के बाद दूर गिरने से 5 साल के बालक को मामूली चोट आई है।

छलांग मारकर कार में घुसी नीलगाय

जागरण, गुना। नेशनल हाईवे बायपास पर अजीबो-गरीब और रूह कंपा देने वाला हादसा सामने आया, जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। दो खम्मा के पास एक चलती कार के ऊपर नीलगाय ने छलांग लगा दी, जिससे कार के शीशे टूट गए और मां की गोद में बैठी एक मासूम बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। घायल माता-पिता को अस्पताल ले जाया गया है। जाट परिवार कार से अपने पैतृक गांव तरावटा जा रहा था। जैसे ही उनकी कार दो खम्मा के पास पहुंची, अचानक दौड़ती हुई दो नील गाय सड़क पर आ गईं। इनमें से एक नीलगाय ने दौड़ते हुए सीधे कार के ऊपर लंबी छलांग लगा दी। नीलगाय कार का अगला शीशा फोड़ते हुए सीधे अंदर जा घुसी और उसके दोनों पैर मां की गोद में बैठी मासूम बच्ची के सिर पर जा लगे। प्रहार इतना जबरदस्त था कि मासूम ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

मां की गोद में बैठी मासूम बच्ची की मौत

बस की टक्कर से सास-बहू की मौके पर मौत

जागरण,छतरपुर। ग्राम पंचायत बगौता से ग्राम हटवाहा अपने मामा के घर मकर संक्रात मनाने जा रहा अहिरवार परिवार सड़क हादसे का शिकार हो गया। हादसे में सास-बहू की मौत हो गई और एक युवक व मासूम घायल हो गया। बगौता निवासी धनीराम अहिरवार हटवाहा बाइक से जा रहा था उसके साथ उसकी मां चिरईया और ममता व नाती बैठे थे। बिजावर रोड़ ब्रम्हदेव मंदिर के सामने तेज रफ्तार डीडीएम बस ने बाइक में टक्टर मार दी। चिरईया अहिरवार और उसकी बहू ममता अहिरवार की मौत हो गई। धनीराम अहिरवार और एक मासूम को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। त्यौहार के समय अहिरवार परिवार में खुशियों की जगह मातम का माहौल छा गया।

पन्ना पुलिस ने पकड़ा इंडियन सरगना, चीनी आकाओं को म्यूल खाते दिलाता था आरोपी

100 करोड़ की ठगी करने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़

जागरण, पन्ना। कम निवेश में अधिक फायदे के झांसे में फंसाकर क्रिष्टो ट्रेडिंग के लिए एपीके फाइल भेजकर ऑनलाइन ठगी करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का पन्ना पुलिस ने खुलासा किया है। यह गिरोह चीन से संचालित हो रहा था। भारत से इस गिरोह को म्यूल खाते मोहम्मद बशर उपलब्ध कराता था। पन्ना पुलिस ने बशर को कोलकाता से गिरफ्तार किया है। यह गिरोह भारत में अब 100 करोड़ रुपए से ज्यादे का ट्रांजेक्शन 40 खातों से कर चुका है। लोगों की गाढ़े पसीने की कमाई ठगने वाले इस अंतरराष्ट्रीय गिरोह का खुलासा पन्ना पुलिस ने बुधवार को किया। चीन से संचालित होने वाला गिरोह पन्ना सहित पूरे देश व प्रदेश में टेलीग्राम के माध्यम से टास्क और क्रिप्टो निवेश के नाम पर करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी कर चुका है। पन्ना की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह चौहान ने मामले का खुलासा करते हुए मीडिया को बताया कि आरोपी के पास से मिले 40 बैंक खातों में अब तक 100 करोड़ रुपए से अधिक का लेनदेन पाया गया है। इस गिरोह के खिलाफ भारत के विभिन्न राज्यों में 400 से अधिक शिकायतें दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक मुख्य ठग चीन में बैठकर यह नेटवर्क चला रहे थे, जबकि मोहम्मद बशर उनके लिए भारत में म्यूल अकाउंट (किराये के खाते) उपलब्ध कराता था। यह गिरोह टेलीग्राम के माध्यम से कम निवेश में अधिक फायदा और क्रिप्टो ट्रेडिंग का झांसा देकर लोगों को अपने जाल में फंसाता था।

गिरोह का भंडाफोड़

पन्ना जिले के पवई निवासी आफताब अंसारी ने 8 सितंबर 2025 को अपने साथ 5 लाख रुपए की ठगी की शिकायत की थी। रिपोर्ट दर्ज करने के पन्ना साइबर सेल और पवई पुलिस की टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जाल बिछाया। इसमें कोलकाता की लोकेशन मिली और मोहम्मद बशर का नंबर मिला। तकनीकी साक्ष्यों की सहायत से पन्ना पुलिस आरोपी तक पहुंच गई। मोहम्मद बशर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद का निवासी है। इसके पास से पुलिस को हाई-टेक स्मार्टफोन, छह एटीएम कार्ड और एक पैन कार्ड जब्त किया गया है, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 2 लाख रुपए है।

टक्कर से भड़के लोगों ने शुक्ला ब्रदर्स की बस जलाई

विधायक की बस ने बाइक सवार को मारी थी टक्कर

जागरण, इंदौर। शहर में विधायक गोलू शुक्ला की बस ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। इससे गुस्साई भीड़ ने बस में आग लगा दी। घटना से अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद आनन-फानन में फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। घटना पटेल ब्रिज के नीचे बुधवार सुबह करीब 9.30 बजे की है। फायर ब्रिगेड कर्मचारी के मुताबिक, छोटी ग्वालटोली के आगे शुक्ला ब्रदर्स की बस में आग लगने की सूचना मिली थी, जिसके बाद मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम को भेजा गया। जब टीम पहुंची तो बस से काफी ऊंची लपटें निकल रही थीं। फायर ब्रिगेड के एसआई शोभाराम मालवीय ने बताया कि एक टैंक पानी डालकर आग पर काबू पाया गया। ड्राइवर अभी मौके पर नहीं मिला है। संभवतः वह बस में आग लगने के बाद गाड़ी से उतरकर बाहर आ गया हो। तुकोगंज टीआई जितेंद्र यादव के मुताबिक, एक बाइक को बस ने टक्कर मारी थी, इसके बाद बस में आग लग गई। बाइक सवार को ज्यादा चोट नहीं आई है, उसे उपचार के लिए निजी अस्पताल भेजा गया है।

छतरपुर में पाल-अहिरवार समाज भिड़े लाठी-डंडों से हमला, फायरिंग से दहशत

ग्रामीणों ने चार आरोपियों को पकड़ा

जागरण, छतरपुर। प्रदेश के छतरपुर जिले के लवकुश नगर थाना क्षेत्र के पटना गांव में बुधवार को रंजिश के चलते दो समाजों के बीच विवाद हो गया। इस दौरान फायरिंग भी हुई है। विवाद के दौरान दो महिलाएं भी घायल हो गईं। घटना का वीडियो भी सामने आया है। पुलिस ने मामले में 6 लोगों को आरोपी बनाया है, जिनमें से 5 को गिरफ्तार में लिया है। पुलिस के अनुसार, पटना गांव में पाल समाज और अहिरवार समाज के लोग आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और कई राउंड फायरिंग की गई। घटना के दौरान गांव में दहशत का माहौल बन गया। फायरिंग की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और हिम्मत दिखाते हुए चार आरोपियों को मौके पर ही पकड़ लिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। घटना में राजाबाई सहित एक अन्य महिला घायल हुई है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने घायलों के बयान दर्ज किए हैं। एसडीओपी नवीन दुबे का कहना है कि गांव में पाल समाज और अहिरवार समाज के बीच विवाद हुआ है। अहिरवार समाज के कुछ युवक पाल समाज के घर पहुंचे और वहां फायरिंग कर दी। कुल 6 लोगों को आरोपी बनाया है, जिनमें से पांच गिरफ्त में हैं।

बिजनेस प्लस

टर्म इंश्योरेंस : भारतीय परिवारों के लिए वित्तीय सुरक्षा की नींव

Sabse Pehle Life Insurance

नई दिल्ली। भारत में टर्म लाइफ इंश्योरेंस परिवार की आर्थिक सुरक्षा का आधार है। यह योजना घर के कमाने वाले सदस्य की असमय मृत्यु या किसी अनहोनी की स्थिति में परिवार को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। टर्म इंश्योरेंस की सबसे बड़ी खासियत यह है कि कम प्रीमियम में उच्च लाइफ कवर मिलता है। उदाहरण के लिए, 30 साल का एक स्वस्थ व्यक्ति, जो धूम्रपान नहीं करता, प्रति माह लगभग 1,000 रुपए देकर 1 करोड़ रुपये तक का बीमा कवर ले सकता है, जिससे परिवार के घर, कर्ज और बच्चों की शिक्षा का खर्च सुरक्षित रहता है। सही कवर और अवधि का चुनाव करते समय वर्तमान खर्च, बकाया ऋण, आश्रितों की जरूरतें और महंगाई का ध्यान रखना जरूरी है। आमतौर पर 60 से 65 साल तक या कमाई की अवधि के अनुसार कवर लेना लाभकारी होता है। टर्म इंश्योरेंस का प्राथमिक उद्देश्य सुरक्षा है। रिटर्न ऑफ प्रीमियम विकल्प मिलने पर भी यह प्राथमिकता सुरक्षित परिवार के भविष्य की रहती है, इसलिए इसे आज ही अपनाना जरूरी है।

ब्लेंडर्स प्राइड ने जेनिथ ब्लैक एडिशन लॉन्च किया

नई दिल्ली। भारत की प्रीमियम व्हिस्की कैटेगरी की आइकॉनिक ब्रांड ब्लेंडर्स प्राइड ने ब्लेंडर्स प्राइड ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन का लॉन्च किया। यह लिमिटेड-एडिशन पेशकश सिर्फ़ दस लाख बोतलों में उपलब्ध है, जिसमें बोल्ड ब्लैक डिज़ाइन और ब्रांड के आइकॉनिक ब्लेंड का अनूठा संयोजन दर्शाया है। ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन उच्च स्तरीय लग्ज़री, विशिष्टता और स्टाइल का प्रतीक है। यह व्हिस्की केवल स्वाद में नहीं, बल्कि पैकेजिंग और डिज़ाइन में भी प्रीमियम एक्सीलेंस को नया रूप देती है। ब्लैक रंग ब्रांड की एटीट्यूड, सोफिस्टिकेशन और पॉवर का प्रतीक है, जो उन व्यक्तियों के लिए डिज़ाइन किया है जो ट्रेंड्स को फॉलो नहीं करते, बल्कि उन्हें बनाते हैं। पर्नोड रिकार्ड इंडिया की सीएमओ देबाश्री दासगुप्ता ने कहा कि यह एडिशन ब्रांड की स्थायी विरासत को एक बोल्ड और रिफाइंड डिज़ाइन लैंग्वेज में बदलता है। फिलहाल यह पैन-इंडिया केवल चुनिंदा एक्सक्लूसिव स्टोर्स में उपलब्ध है।

एलएनसीटी में एनएसएस ने मनाया राष्ट्रीय युवा दिवस

भोपाल। एलएनसीटी विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों तथा अन्य छात्र-छात्राएं ने राष्ट्रीय युवा दिवस का कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विभिन्न संकायों के प्राध्यापकों तथा विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों द्वारा महापुरुष स्वामी विवेकानंद के जीवन तथा दर्शन पर प्रकाश डाला गया तथा देश के सभी युवाओं को उनके मार्ग पर चलने हेतु प्रोत्साहित किया गया। स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक एवं बौद्धिक विषयों पर प्रस्तुति दी गई, 200 से च्यादा युवा छात्र-छात्राओं ने कठौतिया वन्य क्षेत्र में साहसिक एवं रोमांचक ट्रैकिंग गतिविधि करते हुए अपने जोश का परिचय दिया। स्वयंसेवकों तथा सभी युवाओं ने जल, जंगल और जमीन के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की शपथ ली। कुलाधिपति जय नारायण चौकसे, सचिव डॉ अनुपम चौकसे, कुलपति डॉ नरेंद्र कुमार थापक तथा कुलसचिव डॉ अजीत कुमार सोनी ने विश्वविद्यालय के सभी युवाओं को युवा दिवस की बधाई देते हुए विकसित भारत की परिकल्पना को साकार रूप में लाने हेतु आह्वान किया।

आईबीए के वार्षिक प्रौद्योगिकी पुरस्कार में बैंक ऑफ बड़ौदा पुरस्कृत

मुंबई। बैंक ऑफ बड़ौदा को प्रतिष्ठित इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) के 21वें वार्षिक बैंकिंग प्रौद्योगिकी पुरस्कार 2024-25 में प्रौद्योगिकी और नवाचार में अग्रणी भूमिका के लिए सम्मानित किया गया। बैंक ने बड़े बैंकों के बीच पांच श्रेणियों में पुरस्कार जीते, जिसमें से चार पुरस्कार और एक विशेष उल्लेखनीय पुरस्कार है। बैंक ऑफ बड़ौदा को चार श्रेणियों-सर्वश्रेष्ठ एआई एवं एमएल अपनाना, सर्वश्रेष्ठ फिनटेक और डीपीआई अपनाना, सर्वश्रेष्ठ आईटी जोखिम प्रबंधन और सर्वश्रेष्ठ तकनीकी प्रतिभा में विजेता घोषित किया गया। इसके अतिरिक्त बैंक को सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकी बैंक श्रेणी में एक विशेष पुरस्कार प्राप्त हुआ। डॉ. देबदत्त चांद, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि बैंक को आईबीए से इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों का प्राप्त होना गौरव का विषय है, जो नवाचार, सुदृढ़ जोखिम प्रबंधन और एक मजबूत तकनीकी टीम के निर्माण पर हमारे निरंतर फोकस को दर्शाते हैं। हम अपने ग्राहकों को सहज और सुरक्षित बैंकिंग अनुभव प्रदान करने और भविष्य के लिए तैयार उन्नत क्षमताओं में निवेश करना जारी रखेंगे तथा स्थायी हितधारक मूल्य का निर्माण करेंगे।

धरमपुरी भाजपा विधायक को हनी ट्रैप में फंसाने की कोशिश

महिला ने मांगे दो करोड़, पुलिस ने रिपोर्ट तक नहीं लिखी : ठाकुर

जागरण, धार। धरमपुरी से भाजपा विधायक कालू सिंह ठाकुर ने दो लोगों पर हनी ट्रैप में फंसाने और ब्लैकमेल करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। विधायक ने कहा कि उनसे 2 करोड़ रुपए मांगे गए। इनकार करने पर बदसलूकी की। बुधवार को इस विषय को लेकर विधायक ने एक पत्रकार वार्ता में अपना पक्ष भी रखा। इसमें आरोप लगाया कि एक महिला, धरमपुरी के रहने वाले आसिफ अली के साथ मिलकर उन्हें हनी ट्रैप में फंसाने की कोशिश कर रही है। आरोपियों ने उनसे फोर व्हीलर समेत 2 करोड़ रुपए मांगे। विधायक ने कहा कि नामजद शिकायत करने के बावजूद पुलिस ने आरोपियों पर कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच के बाद सख्त कार्रवाई की मांग की है। विधायक ने बताया कि 23 दिसंबर को महिला धामनोद स्थित उनके स्थानीय कार्यालय पर मदद मांगने पहुंची थी, वे उस समय भोपाल में थे। उनकी अनुपस्थिति में वह एक दिन धामनोद स्थित कार्यालय में ही रुकी रही। महिला ने विधायक को फोन कर बताया कि उसने भोपाल में किराए पर मकान लिया है। वहां सामान पहुंचाना है। अगले दिन वह भोपाल आ गई। यहां विधायक कालू सिंह ठाकुर के भोपाल स्थित आवास पर पहुंची। उनसे 15 हजार रुपए की आर्थिक सहायता मांगी। विधायक ने इतनी राशि देने से इनकार कर दिया, जिसके बाद महिला वहां से चली गई।

आईजी और कलेक्टर से भी की शिकायत: इसके बाद विधायक मामले की शिकायत करने 25 दिसंबर को धामनोद थाने पहुंचे। यहां उनकी बात अनसुनी कर दी गई। 27 दिसंबर को आईजी को फोन पर मामले की जानकारी दी। इस पर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने बुधवार को धार पहुंचकर कलेक्टर प्रियंक मिश्रा को आवेदन सौंपा और एसपी मयंक अवस्थी को लिखित शिकायत दी।

वित्त वर्ष-26 में 7.5 से 7.8 फीसदी की रफ्तार से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

रिसर्च फर्म डेलॉयट इंडिया ने लगाया अनुमान

मुंबई, जेएनएन। भारत की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 7.5 से 7.8 फीसदी की दर से बढ़ सकती है। त्योहारी मांग और सर्विस सेक्टर की मजबूत गतिविधियों से ग्रोथ को सपोर्ट मिलेगा। हालांकि अगले वित्त वर्ष 2026-27 में ग्रोथ की रफ्तार थोड़ी कम होकर 6.6 से 6.9 फीसदी रह सकती है। रिसर्च फर्म डेलॉयट इंडिया ने यह अनुमान लगाया है।

रिसर्च फर्म डेलॉयट ने कहा कि 2025 को भारत की अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा माना जाएगा। बीते साल घरेलू मांग मजबूत रही, सरकार ने वित्तीय, मौद्रिक और श्रम नीतियों में अहम सुधार किए और व्यापार नीतियों में भी बदलाव देखने को मिला। डेलॉयट के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में भारत की वास्तविक जीडीपी ग्रोथ 8 फीसदी रही। यह ग्रोथ ऐसे समय में आई है, जब दुनिया भर में व्यापार में रुकावट, विकसित देशों की नीतियों में बदलाव और पूंजी प्रवाह में उतार-चढ़ाव जैसे जोखिम बने हुए थे। डेलॉयट इंडिया की अर्थशास्त्री रूमकी मजूमदार ने कहा कि भारत की मजबूत स्थिति कोई संयोग नहीं है, बल्कि यह लगातार ग्रोथ को सपोर्ट देने वाली नीतियों को बढ़ावा देने का नतीजा है। उन्होंने बताया कि 2025 की शुरुआत में ही वैश्विक जोखिमों के संकेत मिलने लगे थे। इसके बाद सरकार ने टैक्स छूट, ब्याज दरों में कटौती और जीएसटी में सुधार जैसे कदम उठाए, जिससे मांग को सहारा मिला। कम होती महंगाई ने भी अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है।

2026 में सप्लाई साइड सुधार पर होगा फोकस

डेलॉयट के अनुसार, जब मांग से जुड़े बड़े कदम उठाए जा चुके हैं, तो 2026 में सरकार का फोकस सप्लाई साइड सुधारों पर होगा। इसमें एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करना और टियर-2 व टियर-3 शहरों को नए ग्रोथ सेंटर के तौर पर विकसित करना शामिल है। व्यापार नीति में भी बड़ा बदलाव देखने को मिला है। भारत ने यूके, न्यूजीलैंड और ओमान के साथ अहम समझौते किए हैं और इजरायल के साथ बातचीत शुरू की है। इसके अलावा ईएफटीए समझौता 2025 में लागू हो गया है। डेलॉयट का कहना है कि इन समझौतों से भारत के निर्यात को नए बाजार मिलेंगे, मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा और विदेशी निवेशकों का भरोसा मजबूत होगा।

धीमी हो सकती है ग्रोथ

रूमकी मजूमदार ने कहा कि वैश्विक जोखिम अभी भी बने हुए हैं, हालांकि उनका पूरा असर वित्त वर्ष 26 में दिखने की संभावना कम है। लेकिन वित्त वर्ष 27 में ऊंचे बेस और वैश्विक अनिश्चितताओं की वजह से ग्रोथ कुछ धीमी हो सकती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील इस वित्त वर्ष के अंत तक पूरी हो सकती है, जिससे विदेशी निवेश को बढ़ावा मिलेगा और रुपये को स्थिरता मिल सकती है।

बाजार पर नजर

शेयर बाजार में आज

-245 **83,383**

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
Tata Steel	190.65	3.66%
NTPC	350.50	3.31%
Axis Bank	1308.00	2.92%
Hindalco	959.00	2.03%
ONGC	251.00	1.83%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
Kotak Mahindra	427.60	-80.26%
Asian Paints	2.884.00	-2.51%
TCS	3,260.00	-2.31%
Maruti Suzuki	16,412.00	-1.67%
Tech Mahindra	1,613.00	-1.63%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
$ डॉलर	90.29
€ यूरो	105.21
¥ येन	0.5689
£ पौंड	121.48

दिसंबर तिमाही में यूनियन बैंक को 5,017 करोड़ का मुनाफा

मुंबई, जेएनएन। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने दिसंबर तिमाही में मुनाफे में अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की है। सरकारी बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में 5,017 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा कमाया, जो पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले 9 प्रतिशत ज्यादा है। एक साल पहले इसी तिमाही में बैंक का मुनाफा 4,603.63 करोड़ रुपए रहा था। तिमाही के दौरान बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम (एनआईआई) 1 प्रतिशत बढ़कर 9,328 करोड़ रुपए हो गई। पिछले साल इसी अवधि में यह 9,241 करोड़ रुपए थी। दिसंबर तिमाही में यूनियन बैंक का कुल कारोबार सालाना आधार पर 5.04 प्रतिशत बढ़ा। इस दौरान बैंक का कर्ज (ग्रॉस एडवांस) 7.13 प्रतिशत बढ़ा, जबकि कुल जमा (डिपॉजिट) में 3.36 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। 31 दिसंबर 2025 तक बैंक का कुल कारोबार 22.40 लाख करोड़ रुपए रहा।

थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति ने छुआ उच्चतम स्तर

दिसंबर-25 में 0.83 फीसदी पर पहुंची थोक महंगाई दर

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत की थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति में दिसंबर 2025 के दौरान उल्लेखनीय उछाल दर्ज किया गया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, थोक मुद्रास्फीति दिसंबर में बढ़कर 0.83 फीसदी पर पहुंच गई, जो पिछले आठ महीनों का उच्चतम स्तर है। यह वृद्धि नवंबर में दर्ज किए गए 0.32 फीसदी के संकुचन के बाद आई है, जो बाजार विशेषज्ञों की 0.30 फीसदी की उम्मीदों से काफी अधिक है। दिसंबर में थोक मुद्रास्फीति के सकारात्मक क्षेत्र में आने का मुख्य कारण विनिर्माण, खनिजों और खाद्य उत्पादों की कीमतों में हुआ बदलाव है। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, खाने-पीने के चीजों की कीमतों में इजाफा दिख रहा है।

वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में आरबीआई की रणनीति : थोक के साथ-साथ खुदरा मुद्रास्फीति भी दिसंबर में बढ़कर 1.3 फीसदी के तीन महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई है, जो नवंबर में 0.7 फीसदी थी। इसके बावजूद, यह लगातार चौथा महीना है जब मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक के 4 फीसदी के लक्ष्य से नीचे बनी हुई है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने हाल ही में नीतिगत रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती कर इसे 5.25 फीसदी कर दिया है। केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने मुद्रास्फीति अनुमान को भी 2.6 फीसदी से घटाकर 2.0 फीसदी कर दिया है। आरबीआई ने भारतीय अर्थव्यवस्था को गोल्डिलॉक्स पीरियड (उच्च विकास और कम मुद्रास्फीति की स्थिति) में बताया है, जहां दूसरी तिमाही में जीडीपी विकास दर 8.2 फीसदी रही है।

थोक महंगाई बढ़ने के प्रमुख कारण

- **विनिर्मित उत्पादः** इस श्रेणी में मुद्रास्फीति नवंबर के 1.33 फीसदी से बढ़कर दिसंबर में 1.82फीसदी हो गई। इसमें मशीनरी, उपकरण, कपड़ा और अन्य विनिर्माण क्षेत्रों का प्रमुख योगदान रहा।
- **खाद्य मुद्रास्फीतिः** नवंबर में खाद्य वस्तुओं की कीमतों में 2.60 फीसदी की गिरावट देखी गई थी, लेकिन दिसंबर में यह शून्य (0.00 फीसदी) पर स्थिर रही, जिससे समग्र सूचकांक को समर्थन मिला।
- **प्राथमिक वस्तुएंः** प्राथमिक वस्तुओं की मुद्रास्फीति दर नवंबर के -2.93 फीसदी से सुधरकर दिसंबर में 0.21फीसदी पर पहुंच गई।

रसोई से जुड़े सामानों की कीमतों पर पड़ा असर

खाद्य क्षेत्र में डिफ्लेशन (कीमतों में गिरावट) के कम होने से मुद्रास्फीति पर दबाव बढ़ा है। हालांकि सब्जियों की कीमतों में साल-दर-साल आधार पर 3.5फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, लेकिन यह नवंबर में हुई 20.23 फीसदी की भारी गिरावट की तुलना में काफी कम है। प्याज की कीमतों में गिरावट जारी रही, लेकिन इसकी गति 64.70 फीसदी (नवंबर) से घटकर 54.40 फीसदी (दिसंबर) रह गई। आलू की कीमतों में 38.21फीसदी और दालों में 13.88फीसदी का संकुचन देखा गया। दूसरी ओर, दूध की कीमतों में 3.23फीसदी की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई।

मुद्रास्फीति में तेजी सुधार का संकेत

थोक मुद्रास्फीति में आई यह तेजी आर्थिक गतिविधियों में सुधार और विनिर्माण क्षेत्र में मजबूती का संकेत देती है। हालांकि ईंधन और बिजली क्षेत्र अभी भी -2.31 फीसदी के साथ नकारात्मक दायरे में बना हुआ है। 1 फरवरी को पेश होने वाले केंद्रीय बजट से पहले ये आंकड़े महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि सरकार 8 फीसदी की अनुमानित नॉमिनल जीडीपी वृद्धि के साथ विकसित भारत के रोडमैप पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

2.77 लाख रुपए प्रति किलो बिकी चांदी, सोने की कीमतों ने चौंकाया

इन्हीं कीमतों से तय होती है कई बैंकों की गोल्ड लोन दरें

मुंबई, जेएनएन। लगातार तीसरे दिन बुधवार को सोने और चांदी की कीमतें अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर रहे। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, एक किलोग्राम चांदी की कीमत 14,145 रुपए से बढ़कर 2,77,175 रुपए हो गई है, जबकि मंगलवार को यह 2,63,032 के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई थी।

तीन दिनों में चांदी 34,000 रुपए से ज्यादा महंगी हो गई है। इस बीच, 24-कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 1,868 की बढ़ोतरी के साथ 1,42,152 के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर खुली, जबकि मंगलवार को इसकी कीमत 1,40,482 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3 फीसदी जीएसटी, मेकिंग चार्ज या ज्वैलर का मार्जिन शामिल नहीं होता है। इसलिए, अलग-अलग शहरों में कीमतें अलग-अलग होती हैं। इन कीमतों का इस्तेमाल आरबीआई सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की दरें तय करने के लिए करता है। कई बैंक भी गोल्ड लोन की दरें तय करने के लिए इन कीमतों का इस्तेमाल करते हैं।

2025 में सोना 75 फीसदी और चांदी 167 फीसदी हुई महंगी : पिछले साल, 2025 में, सोने की कीमत में 57,033 रुपए (75 फीसदी) की बढ़ोतरी हुई। 31 दिसंबर, 2024 को 24-कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 76,162 रुपए थी, जो 31 दिसंबर, 2025 को बढ़कर 1,33,195 रुपए हो गई। इस दौरान चांदी की कीमत में भी 1,44,403 रुपए (167फीसदी) की बढ़ोतरी हुई। 31 दिसंबर, 2024 को एक किलोग्राम चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो साल के आखिरी दिन बढ़कर 2,30,420 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई।

सोने की कीमतों में बढ़ोतरी के तीन मुख्य कारण

कमजोर होता डॉलर : अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती से डॉलर कमजोर हुआ और सोने को रखने की लागत कम हुई, जिससे खरीदारी बढ़ी। **भू-राजनीतिक कारक :** रूस-यूक्रेन युद्ध और बढ़ते वैश्विक तनाव के कारण, निवेशक सोने को सबसे सुरक्षित निवेश मानकर खरीद रहे हैं। **सेंट्रल बैंक :** चीन जैसे देश अपने सेंट्रल बैंकों में सोना जमा कर रहे हैं, इस साल 900 टन से ज्यादा सोना खरीदा है, जिससे कीमतें बढ़ रही हैं।

चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी के 3 मुख्य कारण

इंडस्ट्रियल डिमांड : सोलर, इलेक्ट्रॉनिक्स और ईवीएस में भारी इस्तेमाल के कारण, चांदी अब सिर्फ गहनों के लिए नहीं है; यह एक जरूरी कच्चा माल बन गई है। **ट्रंप के टैरिफ का डर :** अमेरिकी कंपनियां बड़ी मात्रा में चांदी का स्टॉक कर रही हैं और ग्लोबल सप्लाई में कमी के कारण कीमतें बढ़ गई हैं। **मैन्युफैक्चरर्स के बीच कॉम्पिटिशन :** प्रोडक्शन में रुकावट के डर से, हर कोई पहले से खरीद रहा है, यही वजह है कि आने वाले महीनों में भी यह तेजी जारी रहने की उम्मीद है।

तीसरी तिमाही में इंफोसिस को 6,654 करोड़ का मुनाफा

मुंबई, जेएनएन। आईटी सेक्टर की प्रमुख कंपनियों में से एक इंफोसिस ने बुधवार को वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के नतीजों का ऐलान किया। वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट 2.2 फीसदी घटकर 6,654 करोड़ पर आ गया। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 6,806 करोड़ का था। इंफोसिस ने वित्त वर्ष 26 के लिए स्थिर मुद्रा में रेवेन्यू गाइडेंस का अनुमान 3 से 3.5 फीसदी करने की घोषणा की है।

नीति आयोग के निर्यात तैयारी सूचकांक 2024 में शीर्ष पर रहा महाराष्ट्र

वित्त वर्ष 2022 से 2024 के दौरान निर्यात में किया बेहतर प्रदर्शन

नई दिल्ली, जेएनएन। उत्तर प्रदेश ने नीति आयोग के निर्यात तैयारी सूचकांक (ईपीआई) 2024 में अपनी मजबूत स्थिति दर्ज कराते हुए देश के शीर्ष पांच बड़े राज्यों में जगह बना ली है। नीति आयोग की ओर से बुधवार को जारी इस व्यापक मूल्यांकन में उत्तर प्रदेश निर्यात तत्परता और प्रदर्शन के मामले में चौथे स्थान पर रहा है। यह रिपोर्ट देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की निर्यात क्षमता को परखने के साथ-साथ उनके बीच प्रतिस्पर्धी संघवाद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तैयार की गई है।

नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम की ओर से नई दिल्ली में जारी इस रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र 68.01 के स्कोर के साथ बड़े राज्यों की श्रेणी में पहले पायदान पर रहा है। तमिलनाडु दूसरे और गुजरात तीसरे स्थान पर है। उत्तर प्रदेश ने चौथा स्थान हासिल किया है, जबकि आंध्र प्रदेश सूची में पांचवें स्थान पर रहा। ईपीआई 2024 के इस संस्करण में वित्त वर्ष 2022 से 2024 की अवधि के दौरान राज्यों के निर्यात प्रदर्शन और भविष्य की संभावनाओं की जानकारी दी गई है। सूचकांक के तहत, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उनके प्रदर्शन के आधार पर लीडर्स, चैलेंजर्स और एस्पिरेंट्स जैसी श्रेणियों में बांटा गया है।

छोटे राज्यों में उत्तराखंड पहले स्थान पर: निर्यात की तैयारी केवल बड़े औद्योगिक राज्यों तक सीमित नहीं है। छोटे राज्यों, उत्तर-पूर्वी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की श्रेणी में उत्तराखंड ने पहला स्थान प्राप्त किया है। इसके बाद जम्मू-कश्मीर दूसरे और नागालैंड तीसरे स्थान पर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, यह रैंकिंग पारंपरिक विनिर्माण केंद्रों से इतर अन्य क्षेत्रों में निर्यात की तैयारी की दिशा में हो रही निरंतर प्रगति को उजागर करती है।

एक पॉलिसी गाइड के रूप में काम आएगा सूचकांक

रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि यह सूचकांक केवल राज्यों की रैंकिंग करने का जरिया नहीं है, बल्कि यह एक पॉलिसी गाइड के रूप में काम आएगा। इसके निष्कर्षों से राज्य अपनी कमियों की पहचान कर सकेंगे और बेहतर संस्थागत तंत्र विकसित कर सकेंगे। नीति आयोग के अनुसार, इन सुधारों से केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित होगा और वैश्विक व्यापार में एमएसएमई की भागीदारी बढ़ेगी। आने वाले समय में यह डेटा-संचालित दृष्टिकोण भारत के निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप ढालने में मददगार साबित होगा।

ईपीआई 2024 का ढांचा अत्यंत व्यापक : 70 मापदंडों पर आधारित मूल्यांकन ईपीआई 2024 का ढांचा व्यापक है। यह चार प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। इनमें निर्यात बुनियादी ढांचा, नीति और शासन, औद्योगिक एवं नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र और निर्यात प्रदर्शन शामिल हैं। इस बार सूचकांक में पांच नए आयाम जोड़े गए हैं। नीति आयोग ने लॉजिस्टिक्स, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), मानव पूंजी, लागत और वित्त तक पहुंच पर ध्यान केंद्रित किया है।

वार्षिक आधार पर दिसंबर-2025 में 6.8 प्रतिशत बढ़ी बिजली की मांग

मुंबई, जेएनएन। दिसंबर 2025 में देश में बिजली की मांग में सुधार देखने को मिला, जिससे वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही के दौरान आई समग्र कमजोरी कुछ हद तक कम हुई। हालांकि, तिमाही के अधिकांश हिस्से में बेमौसम बारिश और कम तापमान से बिजली मांग पर दबाव बना रहा। यह जानकारी ब्रोकरेज फर्म नुवामा की एक रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर 2025 में बिजली की मांग साल-दर-साल आधार पर 6.8 प्रतिशत बढ़ी, जो तिमाही की कमजोर शुरुआत के बाद स्थिर सुधार का संकेत है। इसके साथ ही, नुवामा ने वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में अपने पावर सेक्टर कवरेज में शामिल कंपनियों के लिए मामूली मुनाफा वृद्धि का अनुमान लगाया है। रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान में कमजोर थर्मल प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) से मुनाफे की वृद्धि सीमित रह सकती है।

गिरावट जारी, लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

245 अंक टूटा सेंसेक्स 25,700 के नीचे निफ्टी

मुंबई, जेएनएन। भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बीच आईटी, उपभोग और चुनिंदा बैंकिंग ब्लू-चिप शेयरों में कमजोरी से बुधवार को इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में पिछले दिन की तरह गिरावट जारी रही। इसके अलावा, व्यापारियों ने कहा कि विदेशी निधियों की लगातार निकासी और टैरिफ से संबंधित नई अनिश्चितताओं ने भी निवेशकों को परेशान कर दिया है। बुधवार को रुपया शुरुआती बढ़त गंवा बैठा और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 6 पैसे गिरकर 90.29 (अस्थायी) पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 244.98 अंक या 0.29 प्रतिशत गिरकर 83,382.71 पर बंद हुआ। दिन के दौरान यह 442.49 अंक या 0.52 प्रतिशत गिरकर 83,185.20 पर पहुंच गया था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 66.70 अंक या 0.26 प्रतिशत गिरकर 25,665.60 पर आ गया।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल : सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एशियन पेंट्स, मारुति, सन फार्मा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक और लार्सन एंड टुब्रो सबसे बड़े पिछड़ने वालों में शामिल थीं। दूसरी ओर, टाटा स्टील, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट लाभ कमाने वालों में शामिल थे। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक उच्च स्तर पर बंद हुए।

प्रथम पृष्ठ का शेष

प्रतिबंधित चाइनीज मांझे...

चाइनीज मांझे से गला कट गया। परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में नंदानगर निवासी महेश सोनी का चाइनीज मांझे से गला कट गया। उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जूनी इंदौर के तिल्लौर में रहने वाले प्रेम भंडारी दूध बांटने जा रहे थे, तभी जूनी इंदौर ब्रिज से जाते समय अचानक उनके सामने चाइनीज मांझा आ गया। बचते-बचते भी गले में मांझा गले में आकर लिपट गया। प्रेम को गले में 8 टांके आए हैं। चौथी घटना रामानंद नगर में हुई। यहां रहने वाले घनश्याम वसुनिया भी पतंग लेने जा रहे थे, तभी मांझे की चपेट में आ गए। घनश्याम ने बचने की कोशिश की, लेकिन दाढ़ी पर घाव बना दिया।

प्रेमी संग भागी विवाहित...

पति पानी लेने गया, तभी वह गायब हो गई। इसके बाद ससुराल और मायके पक्ष ने उसकी काफी तलाश की। पुलिस के अनुसार, मंगलवार शाम निधि पिता मुन्नेश से मिलने आई थी। पिता उसे बहला-फुसलाकर गांव ले आया। रात में वह बेटी को गांव के बाहर सरसों के खेत में ले गया और गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। **रिश्ते में चाचा लगता है प्रेमी:** ग्रामीणों के मुताबिक, निधि का गांव के ही एक युवक से प्रेम प्रसंग था, जो रिश्ते में उसका चाचा लगता था। गायब होने के बाद निधि खुद ग्वालियर कोतवाली पुलिस के सामने पेश हुई थी और खुद को बालिग बताते हुए मर्जी से जाने की बात कही थी। ग्रामीणों का कहना है कि लोक-लाज के डर से पिता ने बेटी की हत्या कर दी है। मेहगांव एसडीओपी संजय कोच्छा ने कहा कि हत्या की असली वजह की तलाश की जा रही है।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना सं.- टी.एम._यू.एस.एफ.डी._आउटसोर्स_2026, दिनांक: 12.01.2026.

उप मुख्य अभियन्ता (ट्रैक मशीन) प्लान्ट डिपो, पूर्व मध्य रेलवे, डीडीयू द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनके पसकार के रूप में निम्नलिखित कार्य के लिए प्रतिष्ठित फर्मों से ऑन लाईन (ई-निविदा) निविदा आमंत्रित की जाती है-

ई-निविदा बंद होने की तिथि: 02.02.2026

1. कार्य का नाम एवं लोकेशन : टी.एम.1_यू.एस.एफ.डी.आउटसोर्स_2025- पूर्व मध्य रेलवे के नामित मार्गों पर ठेकेदार के स्वयं के वेल्ड टेस्टर और ऑपरेटरों द्वारा एसकेवी/एटी बेल्ड्स की अल्ट्रासोनिक जॉच, जिसमें बेल्ड्स की हैंड प्रोबिंग (फ्लैंज टेस्टिंग) भी शामिल है, भारतीय रेल मानक विनिर्देश "रेल/बेल्ड्स की अल्ट्रासोनिक जॉच" (संशोधित-2020, दस्तावेज संख्या T-53) तथा "रेल बेल्ड्स की अल्ट्रासोनिक जॉच हेतु मैनुअल" (संशोधित'2022, नवीनतम संशोधन सहित) जो RDSO द्वारा जारी किया गया है, के अनुसार। निविदा प्रपत्र का मुल्य - शून्य। 2. कार्य का अनुमानित लागत : ₹1,76,30,250.00, 3. जमानत राशि : ₹2,38,200/-, 4. ई-निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय : 02.02.2026, 15.00 बजे तक। 5. वेबसाईट पर ई- निविदा की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकता है : www.ireps.gov.in.

उप मुख्य इंजीनियर (ट्रैक मशीन)/ प्लांट डिपो/पूमरे/पं. दीन दयाल उपाध्याय

पीआर/1616/डीडीयू/अभि./टी/25-26/40

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई.निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. कार्य का नाम एवं स्थान : उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/उत्तर के अधीन पूर्व मध्य रेलवे के 132 केवी ग्रिड सबस्टेशन (जीएसएस) धमदाहा से रेलवे टीएसएस बनमंकी तक 132 केवी, 2 चरण, डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन, जिसमें जीएसएस धमदाहा में 01 नंबर 132 केवी बे का निर्माण भी शामिल है, कार्य का डिजाइन, ड्राइंग, संशोधन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए खुली निविदा। e-Tender No. EL/C/N/MHX/ETEN/11/25-26. 2. अनुमानित कार्य की लागत : ₹252608687.65, 3. जमा किए जाने वाले बयाना राशि एवं निविदा प्रपत्र का मूल्य : NIT के अनुसार एवं रू शून्य। 4. कार्य पूर्ण करने का समय : 18 माह। 5. निविदा बंद होने का तिथि एवं समय : 28.01.2026 दोपहर 12.00 बजे तक। 6. वेबसाईट विवरण, नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा की पूर्ण जानकारी देखा जा सकता है तथा कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है : आई.आर.इ.पी.एस बेवसाईट www.ireps.gov.in पर, पर निविदा डाउन लोड किया जा सकता है एवं सीईई/कॉन महेन्द्रूघाट, कार्यालय सीएओ/कॉन ईसीआर ऑफिस परिषर, पटना 800004 में निविदा पट पर देखा जा सकता है। हिन्दी एवं अंग्रेजी की सूचना में किसी प्रकार की भिन्नता पाये जाने पर अंग्रेजी में प्रकाशित सूचना को सही माना जायेगा।

उप मुख्य विद्युत अभियंता/ निर्माण/उत्तर/पूमरे/महेन्द्रूघाट, पटना

पीआर/1618/एमएचएक्स/निर्माण/टी/25-26/40

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं0 : JHS-N-W-06-26 | दिनांक : 13.01.2026

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल सिगनल व दूरसंचार अभियंता उत्तर मध्य रेल झांसी भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या : JHS-N-W-06-26	कार्य लागत लगभग : Rs. 83336974.04
कार्य का नाम : रिलायबिलिटी इम्प्रूवमेंट बय प्रोविजन ऑफ़ ड्यूल डिटेक्शन ऑफ़ ट्रैक सर्किट विथ एक्सल काउंटर एट JHS EI-I, EI-II, NDK, MOTH & ERC स्टेशनस अंडर Sr. DSTE/Co/JHS.	
धरोहर राशि : Rs. 566700/-	निविदा प्रपत्र का मूल्य : Nil.
निविदा खुलने की तिथि : 05.02.2026 Time 15:00	
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधि : 18 माह	

• निविदा दिनॉक 05.02.2026 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in (NORTH CENTRAL RLY/JHANSI DIVISION-S AND T) देखें। 81/26 (AS)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

IDBI BANK

आई.डी.बी.आई. बैंक लिमिटेड : अंचल कार्यालय : प्रथम तल, सेन्टर प्वाइंट, कमर्शियल काम्पलेक्स टी.टी. नगर, न्यू मार्केट भोपाल - 462003 फोन : 0755-4027054, 4848320, E-mail: deepak.bundel@idbi.co.in

नियम 8(1) कब्जा नोटिस (अचल संपत्ति के लिए)

जबकि,

अधोहस्ताक्षरकर्ता आईडीबीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुर्ननिर्माण तथा प्रतिभूतिहित के प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का एक्ट-54) और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमवली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए **श्री आनंदीलाल चौधरी (ऋणी एवं बंधककर्ता) एवं श्रीमती ऊषा किरण चौधरी (सहऋणी एवं बंधककर्ता) एवं श्री आनंद किरण राय (सहऋणी)** को दिनांक **24.05.2024** को एक मांग नोटिस जारी किया एवं नोटिस में वर्णित राशि रु. **11,75,221.43 (रु. ग्यारह लाख पचहत्तर हजार दो सौ इक्कीस एवं पैसा तिरतालीस मात्र)** एवं उस पर देय ब्याज को नोटिस प्राप्ति दिनांक के 60 दिन की समयावधि में भुगतान करने हेतु नोटिस दिया था।

चूंकि उक्त ऋणी(यों) /सहऋणी(यों)/ बंधककर्ता(ओं) उल्लेखित राशि अदा करने में असफल रहे हैं, अतः खास तौर पर उक्त ऋणी(यों) /सहऋणी(यों)/ बंधककर्ता(ओं) को तथा आम तौर पर जनता को यह सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियमवली, 2002 के नियम 8 के साथ पढ़ी जाने वाली धारा 13 की उप-धारा (4) में निहित अधिकारों के प्रत्यायोजन स्वरूप नीचे उल्लेखित संपत्ति पर दिनांक **13.01.2026** को **भौतिक कब्जा** ले लिया है।

ऋणी(यों) /सहऋणी(यों)/ बंधककर्ता(ओं) को खासतौर पर एवं आम जनता को आम तौर पर एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि अब इस संपत्ति पर कोई व्यवहार नहीं करें तथा इस संपत्ति पर किया गया कोई भी व्यवहार आईडीबीआई बैंक लिमिटेड द्वारा रु. **11,75,221.43 (रु. ग्यारह लाख पचहत्तर हजार दो सौ इक्कीस एवं पैसा तिरतालीस मात्र)** की राशि तथा उस पर लगाये जाने वाले तथा लगाये गए ब्याज एवं शुल्कों के अधीन होगा, जब तक कि पूरी राशि का पूर्णरुप से पुर्नभुगतान नहीं कर दिया जाता है ऋणी(यों) /सहऋणी(यों)/ बंधककर्ता(ओं) को एक्ट की धारा 13 एवं उपधारा 8 के प्रावधान के अन्तर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मोचन में उपलब्ध समय की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है।

अचल संपत्तियों का विवरण

अचल संपत्ति का समस्त भाग अचल संपत्ति स्थित प्लाट नं. 69, क्षेत्रफल-990 वर्गफिट, गीत बंगलो फेस-5, अयोध्या बायपास रोड, भोपाल (म.प्र.) (संपत्ति मालिक- श्री आनंदी लाल चौधरी एवं श्रीमती ऊषा किरण चौधरी) चर्तुसीमाएं- पूर्व में- रोड, पश्चिम में- प्लाट नं. 73, उत्तर- प्लाट नं. 70, दक्षिण में- प्लाट नं. 68

साथ ही वर्तमान और भविष्य की सभी संरचनाएं और निर्माण भी।

दिनांक : 13-01-2026 | स्थान : भोपाल

कृते- प्राधिकृत अधिकारी आईडीबीआई बैंक लिमिटेड

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्याः69 -विद्युत् / सा0/प्रयागराज / 25-26 | दिनांक 13.01.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक- 06.02.2026 समय 15.00 बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

क्रम.सं. 1	निविदा सूचना संख्याः ELG-140-2526	काम की लागत (₹ में): ₹ 4451457.09
कार्य का नामः शंकरगढ़ प्रयागराज मंडल-शंकरगढ़ गुड्स शेड (क्वारी साइडिंग) का सुधार।		
बिड सिक्योरिटी (₹में) : ₹ 89000.00		
क्रम.सं. 2	निविदा सूचना संख्याः ELG-141-2526	काम की लागत (₹में): ₹ 13214182.04
कार्य का नामःADEN / FTP के तहत MWH स्टेशन पर मिनिमम एसेंशियल एमिनिटीज़ (MEA) में कमी को पूरा करने के लिए प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 2/3 को ऊँचा करने के काम से सम्बंधित विद्युत् कार्य। KKS में मिनिमम एसेंशियल एमिनिटीज़ (MEA) में कमी को पूरा करने के लिए प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 2/3 को ऊँचा करने से सम्बंधित विद्युत् कार्य। ADEN / L / PRYJ के तहत KUW स्टेशन पर मिनिमम एसेंशियल एमिनिटीज़ (MEA) में कमी को पूरा करने के लिए प्लेटफॉर्म नंबर 2 को ऊँचा करने से सम्बंधित विद्युत् कार्य। ADEN / FTP के तहत KSQ स्टेशन पर मिनिमम एसेंशियल एमिनिटीज़ (MEA) में कमी को पूरा करने के लिए प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 2 को ऊँचा करने से सम्बंधित विद्युत् कार्य।		
बिड सिक्योरिटी (₹में) : ₹ 216100.00		
क्रम.सं. 3	निविदा सूचना संख्याः ELG-142-2526	काम की लागत (₹में): ₹ 14699594.38
कार्य का नामःप्रयागराज: ADEN / FTP के तहत PMPR स्टेशन पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं (MEA) में कमी को पूरा करने के लिए प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 2 को ऊँचा करने' के काम से संबंधित इलेक्ट्रिकल काम। अंबियापुर-टुंडला सेक्शन के तहत KNS स्टेशन पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं (MEA) में कमी को पूरा करने के लिए प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 2 को ऊँचा करना और उसका विस्तार करना। अंबियापुर-टुंडला सेक्शन के तहत PTX स्टेशन पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं (MEA) में कमी को पूरा करने के लिए प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 2 को ऊँचा करना और उसका विस्तार करना।		
बिड सिक्योरिटी (₹में) : ₹ 223500.00		
कार्य समाप्त करने की समयावधि : 06 Month		
निविदा खुलने की तिथि : 06.02.2026, समय - 15.00 बजे।		

इसे सक्षम सीनियर डीईई/जी/पीआरवाईजे का अनुमोदन प्राप्त है।

नोटः- 1. उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज़ के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 15.00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है। 82/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

अंडर-19 विश्व कप आज से: भारत बनाम अमेरिका मैच दोपहर एक बजे से, प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर

रिकॉर्ड छठे खिताब की तलाश में उतरेगा भारत

जेएनएन, बुलावायो (जिम्बाब्वे)

कई युवा सितारों से सजी भारतीय टीम अंडर-19 विश्व कप में छठा खिताब जीतने के लिए अमेरिका की अपेक्षाकृत कमजोर टीम के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके गुरुवार को अपने अभियान की शानदार शुरुआत करना चाहेगी। अब तक खेले गए 16 अंडर-19 विश्व कप में भारत पांच बार का विजेता रहा है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 1988 में की गई थी और ऑस्ट्रेलिया ने पहला चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। भारत ने 2018 के अलावा 2000, 2008, 2012 और 2022 में ट्रॉफी जीती है। वह 2024 में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गया था, लेकिन इस बार वह खिताब का प्रबल दावेदार है। भारतीय टीम कागजों पर संतुलित और मजबूत दिखती है। पिछले 16 मैचों में 13 में जीत हासिल करके टीम ने साबित कर दिया है कि वह जीतना जानती है। इस बीच उसने इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में सीरीज जीती। इसका मतलब है की टीम विदेश की परिस्थितियों में भी जीत हासिल करना जानती है। उत्कर्ष श्रीवास्तव की अगुआई वाली अमेरिका की टीम मजबूत भारतीय टीम के लिए किसी तरह का गंभीर खतरा पैदा करेगी इसकी संभावना बहुत कम लगती है।

भारत के पास वैभव सूर्यवंशी, कप्तान म्हात्रे, मल्होत्रा जैसे दमदार बल्लेबाज

भारतीय चुनौती का नेतृत्व प्रतिभाशाली वैभव सूर्यवंशी, कप्तान आयुष म्हात्रे, उप कप्तान विहान मल्होत्रा और शीर्ष क्रम के बल्लेबाज आरोन जॉर्ज करेंगे। जॉर्ज अंडर-19 एशिया कप में 228 रन बनाकर भारत के शीर्ष स्कोरर रहे थे, जहां उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान ने फाइनल मुकाबले में उन्हें चौंका दिया था। हालांकि हाल के दिनों में म्हात्रे की फॉर्म थोड़ी चिंता का विषय रही है, लेकिन टीम में अभिज्ञान कुंडू भी शामिल हैं, जिन्होंने हाल में बेहद अच्छा प्रदर्शन किया है। महज 14 साल की उम्र में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से सूर्यवंशी पहले से ही दुनिया के सबसे चर्चित युवा क्रिकेटरों में से एक हैं। उन्होंने पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग के 2025 के सत्र में 35 गेंदों में शतक लगाकर सुर्खियां बटोरी थीं। प्रतिभाशाली सूर्यवंशी का स्टार बनना तय लग रहा है, लेकिन इस भारतीय टीम में अन्य खिलाड़ी भी हैं, जिन्हें भविष्य के सितारों के रूप में देखा जाता है और जो कोहली, रोहित और गिल जैसे खिलाड़ियों की विरासत को आगे बढ़ाएंगे। टूर्नामेंट से पहले चोटिल होने के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर रहने वाले म्हात्रे और मल्होत्रा ने टीम में वापसी की है, जिससे भारत की बल्लेबाजी को मजबूती मिली है।

भारत: आयुष म्हात्रे (कप्तान), आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, डी दीपेश, मोहम्मद एनान, आरोन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, किशन कुमार सिंह, विहान मल्होत्रा, उधव मोहन, हेनिल पटेल, खिलान ए पटेल, हरवंश सिंह, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी।

अमेरिका: उत्कर्ष श्रीवास्तव (कप्तान), अदनीत झांब, शिव शनि, नितीश सुदिनी, अद्वैत कृष्णा, साहिर भाटिया, अर्जुन महेश, अमरिंदर गिल, सबरीश प्रसाद, अदित कप्पा, साहिल गर्ग, अमोघ रेड्डी अरेपल्ली, ऋत्विक अप्पीदी, रेयान ताज, रिषभ शिम्पी।

गेंदबाजी: भारत के दीपेश एक्स-फैक्टर

जहां तक तेज गेंदबाजी का सवाल है, तो तेज गेंदबाज दीपेश देवेंद्रन टीम के लिए एक्स-फैक्टर साबित हो सकते हैं। उनका अनोखा एक्शन उनकी सफलता में अहम भूमिका निभा सकता है। आरएस अंबरीश भी अच्छी गति से गेंदबाजी करते हैं और बल्ले से भी उपयोगी योगदान देने की क्षमता रखते हैं। किशन सिंह और हेनिल पटेल टीम के अन्य दो तेज गेंदबाज हैं। भारत को इस टूर्नामेंट से पहले अभ्यास मैच में इंग्लैंड से 20 रन से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन वह इसे ज्यादा तवज्जो नहीं देना चाहेगा।

- भारत को न्यूजीलैंड, अमेरिका और बांग्लादेश के साथ ग्रुप-बी में रखा गया है। अमेरिका के खिलाफ मैच के बाद भारत 17 जनवरी को बांग्लादेश और 24 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच खेलेगा। जिम्बाब्वे और नामीबिया संयुक्त रूप से 16 टीमों के इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहे हैं, जिसमें तंजानिया और जापान जैसी टीमें भी शामिल हैं। तंजानिया पहली बार किसी वैश्विक टूर्नामेंट में खेलेगा जबकि जापान अपना दूसरा अंडर-19 विश्व कप खेलेगा।

आईसीसी अंडर-19 विश्व कप खेलने वाले खिलाड़ी, जो आगे चलकर बने बड़े नाम

विराट कोहली, रोहित शर्मा, केन विलियमसन, जो रूट और स्टीव स्मिथ जैसे खिलाड़ियों ने इसी टूर्नामेंट के जरिए क्रिकेटप्रेमियों का ध्यान अपनी तरफ खींचा था और बाद में उन्होंने खुद को खेल के दिग्गज खिलाड़ियों के रूप में स्थापित किया। भारत के मौजूदा टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल ने भी पहली बार 2018 के अंडर-19 विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरीं, जिसमें टीम ने पृथ्वी शॉ के नेतृत्व में जीत हासिल की थीं। शॉ ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की बेहतरीन शुरुआत की थी, लेकिन हाल के वर्षों में उनका प्रदर्शन फीका पड़ गया है। अतीत में यह प्रतियोगिता ब्रायन लारा, सनथ जयसूर्या, इंजमाम उल हक, ग्रीम स्मिथ, माइकल क्लार्क, हाशिम अमला और एलिस्टेयर कुक जैसे खिलाड़ियों के लिए एक सीढ़ी के रूप में भी काम कर चुकी है, जो सभी आगे चलकर खेल के दिग्गज खिलाड़ी बने।

खेल एक नजर

चार साल बाद पाक दौरे पर जाएगी ऑस्ट्रेलियाई टीम, टी-20 मैच खेलेगी

लाहौर, जेएनएन। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बुधवार को बताया कि टी-20 विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया लाहौर में तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगा। पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया विश्व कप से पहले 29 और 31 जनवरी तथा एक फरवरी को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में दिन रात्रि टी-20 मैच खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया विश्व कप के ग्रुप मैच भारत में खेलेगा, जबकि पाकिस्तान को अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलने हैं। यह अप्रैल 2022 के बाद पहला अवसर होगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया टी-20 सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम 28 जनवरी को लाहौर पहुंचेगी। ऑस्ट्रेलिया ने पिछले साल चैंपियंस ट्रॉफी के कुछ मैच पाकिस्तान में खेले थे। पाकिस्तान के चयनकर्ता इस सप्ताह के आखिर में मुख्य कोच माइक हेसन और कप्तान सलमान अली आगा के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज और विश्व कप के लिए टीम को अंतिम रूप देंगे। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी की मंजूरी के बाद अगले सप्ताह टीम की घोषणा की जाएगी।

कोपा डेल रे: ग्रीजमैन के गोल से एटलेटिको मैड्रिड क्वार्टर फाइनल में

मैड्रिड, जेएनएन। एंटोनी ग्रिजमैन ने फ्री किक पर दर्शनीय गोल किया, जिससे एटलेटिको मैड्रिड ने डेपोर्टिवो ला कोरुना को 1-0 से पराजित करके कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। ग्रीजमैन ने 61वें मिनट में बाएं पैर से करारा शॉट लगाकर यह गोल किया, जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इस तरह से 34 वर्षीय ग्रीजमैन ने पिछले छह मैचों में पांचवां गोल दागा। एटलेटिको मैड्रिड की टीम सऊदी अरब में खेले गए स्पेनिश सुपर कप के सेमीफाइनल में रियाल मैड्रिड से 1-2 से हार गई थी। कोपा डेल रे के अन्य मैचों में रियाल सोसिदाद ने ओसासुना को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। मैच नियमित समय और अतिरिक्त समय में 2-2 से बराबर रहा था। एथलेटिक बिलबाओ ने दूसरी डिवीजन की टीम कल्चरल लियोनेसा को 4-3 से हराया।

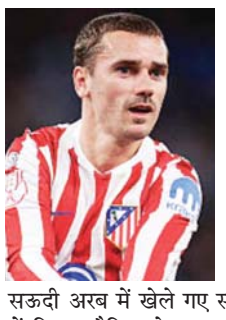

इंग्लिश लीग कप: मैनचेस्टर सिटी फाइनल में जगह बनाने के करीब

लंदन, जेएनएन। मैनचेस्टर सिटी के नए खिलाड़ी एंटोनी सेमेन्यो ने लगातार दूसरे मैच में गोल किया, जिससे उनकी टीम न्यूकैसल को 2-0 से हराकर इंग्लिश लीग कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने के करीब पहुंच गई। पिछले सप्ताह बोर्नमाउथ से 87 मिलियन डॉलर में मैनचेस्टर सिटी में शामिल हुए इस फॉरवर्ड खिलाड़ी ने सेंट जेम्स पार्क में सेमीफाइनल के पहले चरण में 53वें मिनट में पहला गोल दागा। मैनचेस्टर सिटी के लिए स्थानापन्न खिलाड़ी रेयान चेर्की ने इंजरी टाइम में दूसरा गोल किया। मैनचेस्टर सिटी ने लीग कप आठ बार जीता है और पेप गार्डियोला के मुख्य कोच बनने के बाद उसने चार बार यह खिताब अपने नाम किया है। लीग कप का दूसरा सेमीफाइनल चेल्सी और आर्सेनल के बीच खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड ने तीन साल बाद वनडे में भारत को हराया, किया सबसे सफल रन चेज

दूसरे वनडे में सात विकेट से जीती कीवी टीम, सीरीज 1-1 से बराबर

राजकोट, जेएनएन। न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की सीरीज के दूसरे वनडे में बुधवार को भारत को सात विकेट से शिकस्त दी। भारतीय स्पिन गेंदबाज एक बार फिर घरेलू मैदान पर प्रभाव नहीं छोड़ सके और न्यूजीलैंड ने जीत के लिए मिले 285 रन के लक्ष्य को 15 गेंद शेष रहते हासिल कर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। निरंजन शाह स्टेडियम की स्पिनरों की मददगार पिच पर न्यूजीलैंड ने न सिर्फ बेहतर ढंग से परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाला, बल्कि भारत से कहीं बेहतर प्रदर्शन भी किया। केएल राहुल की नाबाद 112 रन की पारी के बावजूद भारत को सात विकेट पर 284 रन ही बना सका। न्यूजीलैंड ने खराब शुरुआत से उबरते हुए डेरिल मिचेल (नाबाद 131) और विल यंग (87) की पारियों की बदौलत 47.3 ओवर में तीन विकेट पर 286 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। सीरीज का निर्णायक तीसरा वनडे रविवार को इंदौर में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड की पिछली भारत यात्रा के दौरान भारत पर 3-0 से टेस्ट सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाने वाले यंग और मिचेल ने संयम और नियंत्रण के साथ बल्लेबाजी की। दूसरे विकेट के लिए दोनों ने 152 गेंदों में 162 रनों की साझेदारी की और इस दौरान रन गति को पांच से ऊपर रखने में सफल रहे। मिचेल ने स्वीप शॉट का प्रभावी इस्तेमाल करते हुए भारत के खिलाफ तीसरा तथा कुल मिलाकर आठवां शतक जमाया। यह जीत न्यूजीलैंड के लिए कई मायनों में खास है। 2023 के बाद वनडे में भारत के खिलाफ यह उनकी पहली जीत है। 2017 के बाद भारतीय मैदानों पर उन्हें पहली सफलता मिली है। यह भारत के खिलाफ भारत में न्यूजीलैंड का अब तक का सबसे बड़ा सफल रन चेज है। राजकोट के वनडे इतिहास में भी यह पहली बार हुआ कि लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम ने जीत दर्ज की।

स्कोर बोर्ड

भारत : 284/7 (50 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
रोहित का. यंग बो. क्लार्क	24	38	4	0
गिल का. मिचेल बो. जेमिसन	56	53	9	1
विराट कोहली बो. क्लार्क	23	29	2	0
श्रेयस का. ब्रेसवेल बो. क्लार्क	8	17	0	0
केएल राहुल नाबाद	112	92	11	1
जडेजा का. एंड बो. ब्रेसवेल	27	44	1	0
नीतिश रेड्डी का. फिलिप्स बो. फॉक्स	20	21	0	1
हर्षित राणा का. ब्रेसवेल बो. लोनॉक्स	2	4	0	0
मोहम्मद सिराज नाबाद	2	3	0	0

अतिरिक्त: 10, **कुल:** 50 ओवर में सात विकेट पर 284 रन, **विकेट पतन:** 1-70, 2-99, 3-115, 4-118, 5-191, 6-248, 7-256, **गेंदबाजी:** काइल जेमिसन 10-2-70-1, जैकरी फॉक्स 9-0-67-1, क्लार्क 8-0-56-3, जेडेन लोनॉक्स 10-0-42-1, माइकल ब्रेसवेल 10-1-34-1, फिलिप्स 3-0-13-0.

न्यूजीलैंड: 286/3 (47.3 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
डेवन कॉन्वे बो. हर्षित	16	21	3	0
हेनरी निकोल्स बो. कृष्णा	10	24	0	0
यंग का. नीतिश बो. कुलदीप	87	98	7	0
डेरिल मिचेल नाबाद	131	117	11	2
ग्लेन फिलिप्स नाबाद	32	25	2	1

अतिरिक्त: 10, **कुल:** 47.3 ओवर में तीन विकेट पर 286 रन, **विकेट पतन:** 1-22, 2-46, 3-208, **गेंदबाजी:** सिराज 9-0-41-0, हर्षित राणा 9.3-1-52-1, कृष्णा 9-0-49-1, नीतीश कुमार 2-0-13-0, रवींद्र जडेजा 8-0-44-0, कुलदीप यादव 10-0-82-1.

वनडे रैंकिंग: रोंहित शर्मा को पछाड़ विराट पांच साल बाद शिखर पर

दुबई, जेएनएन। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने आईसीसी वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में रोहित शर्मा को पीछे छोड़कर फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। यह 37 साल का बल्लेबाज जुलाई 2021 के बाद पहली बार नंबर एक रैंकिंग पर पहुंचा है। कोहली ने अक्टूबर 2013 में पहली बार शीर्ष रैंकिंग हासिल की थी। उन्होंने 11वीं बार बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। वह अब तक कुल 825 दिन शीर्ष पर रह चुके हैं, जो किसी भारतीय बल्लेबाज का रिकॉर्ड है। ऑल-टाइम सूची में वह 10वें स्थान पर हैं, जिसमें विवि रिचर्ड्स शीर्ष पर हैं, जिन्होंने 2306 दिनों तक नंबर-1 स्थान अपने नाम रखा। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में सस्ते में आउट होने के कारण रोहित तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। भारत के वनडे कप्तान शुभमन गिल ने अपना पांचवां स्थान बरकरार रखा है, जबकि श्रेयस अय्यर शीर्ष 10 में शामिल अन्य भारतीय बल्लेबाज हैं। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डेरिल मिचेल एक पायदान आगे दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वह कोहली (785 अंक) से केवल एक रेटिंग अंक पीछे हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी: पहले सेमीफाइनल में कर्नाटक और विदर्भ के बीच टक्कर

बेंगलुरु, जेएनएन। बेहतरीन फॉर्म में चल रहे देवदत्त पडिक्कल कर्नाटक और विदर्भ के खिलाफ गुरुवार को होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में दोनों टीमों के बीच मुख्य अंतर पैदा कर सकते हैं। पडिक्कल इस समय शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने अपनी बेहतरीन फॉर्म का नजारा मुंबई के खिलाफ सेमीफाइनल में किया था, जहां उनके नाबाद अर्धशतक की मदद से कर्नाटक ने जीत हासिल की थी। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने मौजूदा सत्र में चार शतक लगाए हैं और वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। उनके अलावा कर्नाटक की टीम में कप्तान मयंक अग्रवाल, करुण नायर और अभिनव मनोहर जैसे अनुभवी बल्लेबाज हैं, जिससे वह इस विभाग में काफी मजबूत नजर आ रहा है। हर्ष दुबे की कप्तानी वाली विदर्भ टीम के बल्लेबाजों ने भी इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है, जिससे उसकी टीम कई अवसरों पर 300 रन का आंकड़ा छूने में सफल रही है। कर्नाटक का विदर्भ पर पूर्ण दबदबा रहा है। दोनों टीमों के बीच अब तक 4 लिस्ट-ए मैच खेले गए हैं, जिनमें से सभी कर्नाटक ने जीते हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन: अल्काराज व सबालेंका को मिली शीर्ष वरीयता

मेलबर्न, जेएनएन। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और आर्यना सबलेंका को रविवार से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता दी गई है। वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के ड्रॉ गुरुवार को डाले जाएंगे, जिससे एक दिन पहले पुरुष और महिला वर्ग में 32 वरीय खिलाड़ियों की घोषणा की गई। पुरुष वर्ग में दो बार के मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर को दूसरी वरीयता मिली है, जबकि अलेक्जेंडर ज्वेरेव को तीसरी और 10 बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को चौथी वरीयता दी गई है। महिला वर्ग में सबालेंका, इगा स्वियातेक और कोको गॉफ लगातार दूसरे वर्ष शीर्ष तीन वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं। मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज को नौवीं वरीयता दी गई है। वह शीर्ष 10 वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों में शामिल चार अमेरिकी महिला खिलाड़ियों में से एक हैं। पुरुष वर्ग में शीर्ष 10 वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों में लोरेंजो मुसेटी, एलेक्स डी मिनौर, फेलिक्स ऑगर-अलियासिम, बेन शेल्टन, टेलर फ्रिट्ज और अलेक्जेंडर बुब्लिक भी शामिल हैं। दानिल मेदवेदेव 11वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के रूप में कोर्ट पर उतरेंगे।

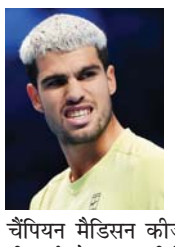

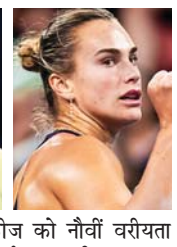

दिल्ली की पहली जीत यूपी की हार की हैट्रिक

नवी मुंबई, जेएनएन। दिल्ली कैपिटल्स ने यूपी वॉरियर्स को सात विकेट से हराकर डब्ल्यूपीएल 2026 में पहली जीत हासिल की। वहीं वॉरियर्स की यह लगातार तीसरी हार है। यूपी की बल्लेबाजी आखिरी ओवरों में लड़खड़ा गई, जिससे टीम आठ विकेट पर 154 रन ही बना सकी। टीम ने आखिरी पांच ओवर में छह विकेट गंवाकर 24 रन बनाए। पिछले मैच में 86 रन बनाने वाली लिजेल ली (67) ने इस मुकाबले में भी लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्मेदारी के साथ बल्लेबाजी की। अनुभवी लॉरा वोल्वार्ड्ट ने 24 गेंदों में नाबाद 25 रन की पारी खेली। प्लेयर ऑफ द मैच शेफाली वर्मा ने 36 रन बनाने के अलावा दो विकेट भी लिए। इससे पहले हरलीन देओल को 47 रन पर 'रिटायर्ड आउट' करने का विवादास्पद फैसला यूपी वॉरियर्स के काम नहीं आया। कप्तान मेग लैनिंग ने 38 गेंदों में 54 रन बनाकर टीम की सर्वोच्च स्कोरर रही।

पीवी सिंधू इंडिया ओपन के पहले दौर से बाहर, श्रीकांत, प्रणय और मालविका जीते

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू बुधवार को इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के महिला एकल के पहले दौर में हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गईं, जबकि किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय और मालविका बंसोड़ दूसरे दौर में पहुंच गए। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू वियतनाम की थुई लिन एनगुएन के खिलाफ पहला गेम जीतने के बावजूद कड़े मुकाबले में हार गईं। दुनिया की 12वें नंबर की खिलाड़ी और 2017 की चैंपियन सिंधू को एक घंटा और आठ मिनट चले पहले दौर के मुकाबले में दुनिया की 23वें नंबर की वियतनाम की खिलाड़ी एनगुएन के खिलाफ 22-20, 12-21, 15-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। इंडिया ओपन 2015 के चैंपियन और दुनिया के 34वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने भारत के ही थारुन मान्नेपल्ली को 53 मिनट में 15-21, 21-6, 21-19 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। प्रणय ने हांगकांग के ली चेयुक यिउ को 41 मिनट में 22-20, 21-18 से हराया। यह भारतीय खिलाड़ी अगले दौर में आठवें वरीय सिंगापुर के लोह कीन येव के खिलाफ उतरेगा। पिछले सत्र के दूसरे हाफ में चोटों से परेशान रही मालविका बंसोड़ ने भी कड़े मुकाबले में चीनी ताइपे की पाइ यु पो को 51 मिनट में 21-18, 21-19 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई।

सिटी स्पोर्ट्स

बीयू ने मोनार्क को 8-2 से रौंदा

भोपाल। बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी ने बुधवार को वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी हॉकी प्रतियोगिता 2025-26 में मोनार्क यूनिवर्सिटी को 8-1 से शिकस्त देकर अगले राउंड में प्रवेश किया। एलएनसीटी द्वारा ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी (एआईयू) के तत्वावधान में लिंक रोड स्थित मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगितता में एमजीएसयू (बीकानेर) ने जय नारायण व्यास यूनिवर्सिटी (जोधपुर) को 6-3 से, शिवाजी यूनिवर्सिटी (कोल्हापुर), ने डॉ. बीएटीयू को 5-0 से हराया। आरडीवीवी (जबलपुर) ने एमएसयू (बड़ौदा) को 3-1 से, यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई ने गोवा यूनिवर्सिटी को 3-1 से तथा पारुल यूनिवर्सिटी (गुजरात) ने मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी को 4-0 से पराजित किया। विक्रम यूनिवर्सिटी (उज्जैन) ने गोंडवाना यूनिवर्सिटी को 5-0 से, एमपीकेवी राहुरी ने जीवाजी यूनिवर्सिटी को 5-1 से, एसजीजीयू (गुजरात) ने पुण्यश्लोक यूनिवर्सिटी को 7-0 से तथा डीएवीवी (इंदौर) ने सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी को 5-0 से हराकर प्रतियोगिता के तीसरे दौर में प्रवेश किया।

राज एक्सप्रेस की दूसरी जीत, गिल्ट फ्री ने फिनिक्स को हराया

भोपाल, खेप्र। जलील (75 रन व दो विकेट) के दोहरे प्रदर्शन की बदौलत राज एक्सप्रेस ने 31वें आईईएस डिजिआन इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट में एनएसटी को 66 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। अन्य मैच में गिल्ट फ्री ने फिनिक्स को पांच विकेट से हराया। बाबेअली मैदान पर राज ने निर्धारित 18 ओवर में सात विकेट गंवाकर 188 रन बनाए। प्रशांत ने 42 रन का योगदान दिया। एनएसटी के सचिन ने तीन और पंकज अहलावत को दो सफलता मिली। जवाब में एनएसटी पांच विकेट खोकर 122 रन बना पाई। कप्तान मोहन ने 33 और अजय मौर्य ने 26 रन बनाए। राज के नरेश और जलील ने दो-दो विकेट लिए। कप्तान शशि शेखर को एक सफलता मिली। अन्य मुकाबले में फिनिक्स ने 20 ओवर के खेल में सात विकेट खोकर 139 रन बनाए। सबीर मुहम्मद ने 60 रन बनाए। जवाब में गिल्ट फ्री ने 16.1 ओवर में पांच विकेट खोकर 142 रन बनाकर जीत दर्ज की। आदित्य गौर ने 32 गेंद में नाबाद 60 रन की तूफानी पारी खेली।

बैडमिंटन : आर्यन-अर्धेन्दू की खिताबी जीत

भोपाल, खेप्र। बालक अंडर-19 एकल में आर्यन उपाध्याय ने बिस्वजीत सिंह सिकरवार और अंडर-17 में अर्धेन्दू उपाध्याय ने अवनीश सिंह नेगी को पराजित कर 11वीं भोपाल लाल परेड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में खिताबी जीत दर्ज की। पुरुष एकल में खिताब के लिए शिवांश गुर्जर और शिशिर द्विवेदी आमने सामने होंगे। जहांगीराबाद स्थित पुलिस जिम्नेम्यिम हॉल में खेली जा रही प्रतियोगिता में आर्यन ने तीसरी सीड बिस्वजीत को 21-17, 17-21, 22-20 से परास्त किया। अर्धेन्दू ने शीर्ष वरीयता वाले अवनीश को सीधे गेमों में 21-12, 21-11 से शिकस्त दी। पुरुष एकल सेमीफाइनल में शिवांश ने रिषिक वर्मा और शिशिर ने आर्यन उपाध्याय को हराया।

रीना के अर्धशतक से जीती आरएनटीयू की महिला टीम

भोपाल, खेप्र। आरएनटीयू की महिला टीम ने वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट टूर्नामेंट में बनस्थली विद्यापीठ को 7 विकेट से हराया। विद्यापीठ ने 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 124 रन बनाए। आरएनटीयू की देवांशी चौधरी ने 2 विकेट लिये। जवाब में आरएनटीयू ने कप्तान रीना यादव (नाबाद 57 रन) के अर्धशतक के बदौलत 17.4 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

ओजस ने झटके 6 विकेट सागर को फॉलोआन खिलाया

भोपाल, खेप्र। भोपाल डिविजन ने हीरालाल गायकवाड़ ट्रॉफी अंडर-18 इंटर डिवीजनल मल्टी डे क्रिकेट टूर्नामेंट में सागर की टीम को फॉलोऑन खिलाया। फेथ क्रिकेट मैदान पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में दूसरे दिन भोपाल ने अपने स्कोर 6/282 को आगे बढ़ाते हुए 349 रन तक पहुंचाया। हर्षित शर्मा ने 94 रन बनाए। सागर के यशमीत सिंहऔर निष्कर्ष सक्सेना ने 3-3 विकेट हासिल किए। जवाब में सागर की टीम पहली पारी में 57.3 ओवरों में 83 रन पर सिमट गई। आकर्ष विश्वकर्मा ने 31 रन बनाए। भोपाल डिवीजन के ओजस शुक्ला ने 6 और दिव्यांश बंडोलिया ने 2 विकेट लिए। भोपाल ने पहली पारी में 266 रनों की बढ़त हासिल की। फॉलोआन खेलने उतरी सागर की टीम दिन का खेल खत्म होने तक 3 विकेट खोकर 19 रन बना लिए।

खासियतें

- चौथी शताब्दी के प्राचीन भारतीय जहाजों के मॉडल पर आधारित है यह जहाज
- बिना कील और धातुओं के लकड़ी के तख्तों को रस्सियों और नारियल के रेशे से सिलकर इसे बनाया गया है।

2000 साल पुरानी तकनीक से बना भारतीय नौसेना का जहाज 18 दिन की समुद्री यात्रा कर ओमान पहुंचा

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय नौसेना का पारंपरिक पाल विधि से निर्मित जहाज 'आईएनएस-5 कौंडिन्य' ने बुधवार को गुजरात के पोरबंदर से ओमान के मस्कट तक की यात्रा पूरी की। यह जहाज 29 दिसंबर 2025 को पोरबंदर से रवाना हुआ था और 14 जनवरी को मस्कट पहुंचा। इस दौरान जहाज ने करीब 18 दिन की लगातार समुद्री यात्रा की। भारतीय नौसेना के इस अभियान का उद्देश्य भारत की प्राचीन समुद्री विरासत और पुराने जहाज निर्माण कौशल को फिर से दुनिया के सामने लाना है।

स्लीपिंग बैग में सोए क्रू मेंबर

आईएनएस-5 कौंडिन्य में कमरे की कोई व्यवस्था नहीं है। इस अभियान में शामिल क्रू मेंबर्स ने पूरे सफर के दौरान स्लीपिंग बैग में सोकर रातें बिताईं।

- **बिजली नहीं:** जहाज में बिजली भी नहीं थी, इसलिए अन्य जहाजों को सतर्क करने के लिए टीम के पास केवल हेडलैंप थे, जिन्हें वे अपने सिर पर लगाकर इस्तेमाल करते थे।
- **खिचड़ी खाई:** क्रू मेंबर्स ने बताया कि यात्रा के दौरान उन्होंने 18 दिन तक खिचड़ी और अचार खाकर समय गुजारा।

अजंता गुफा की पेंटिंग से प्रेरित है डिजाइन

'कौंडिन्य' का डिजाइन अजंता गुफाओं की 5वीं सदी की एक पेंटिंग पर आधारित बताया गया है।

थाईलैंड में बड़ा ट्रेन हादसा

ट्रेन पर गिरी क्रेन, 30 की मौत 67 हुए घायल, ज्यादातर छात्र

बैंकॉक, जेएनएन। थाईलैंड में बुधवार सुबह एक दर्दनाक रेल हादसे में 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि 67 यात्री घायल हो गए। हादसा तब हुआ जब तेज रफ्तार से जा रही पैसेंजर ट्रेन पर 65 फीट ऊंचाई से एक क्रेन गिर गई, जिससे ट्रेन के कई डिब्बे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और कुछ डिब्बे पटरी से उतर गए। यह दुर्घटना बैंकॉक से करीब 230 किलोमीटर उत्तर-पूर्व स्थित नाखोन रत्चासिमा प्रांत में सुबह करीब 9.05 बजे हुई। हादसे के वक्त ट्रेन में 195 लोग सवार थे, जिनमें से अधिकांश स्कूल के छात्र बताए जा रहे हैं। क्रेन गिरने की वजह से ट्रेन के ड्राइवर को ब्रेक लगाने तक का समय नहीं मिला। टक्कर के बाद भारी मलबा कोचों पर गिरा, जिससे कई डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे के बाद ट्रेन के शीशे टूट गए और डिब्बे बुरी तरह तबाह हो गए। हालांकि बचाव दल ने कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया।

120 किमी/घंटा की रफ्तार से चल रही थी ट्रेन

अधिकारियों के अनुसार, ट्रेन उस समय करीब 120 किमी/घंटा की गति से चल रही थी। केन का इस्तेमाल रेलवे पुल के निर्माण कार्य में किया जा रहा था। इसी दौरान अचानक क्रेन गिर गई और ट्रेन के तीन डिब्बों पर आकर टकराई। इनमें से दो डिब्बों में सबसे ज्यादा यात्री मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

इजरायल ने भी तोड़ा यूएन एजेंसियों से नाता

यरुशलम/नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका के कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों से दूरी बनाने के बाद अब इजरायल ने भी संयुक्त राष्ट्र से जुड़ी कई एजेंसियों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से तुरंत संबंध तोड़ने का ऐलान किया है। इजरायल का कहना है कि इन संगठनों ने बार-बार उसके खिलाफ पूर्वाग्रही और राजनीतिक रवैया अपनाया है। इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे संबंधित यूएन एजेंसियों के साथ तत्काल संपर्क बंद करें, साथ ही अन्य वैश्विक संस्थाओं के साथ सहयोग की भी समीक्षा की जाए। इजरायल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका द्वारा कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों से हटने के बाद इजरायल ने भी यूएन संस्थानों में अपनी भागीदारी की समीक्षा की और अपने अनुभवों के आधार पर यह कदम उठाया।

जुबीन की मौत डूबने से हुई: सिंगापुर पुलिस

गुवाहाटी, जेएनएन। सिंगर जुबीन गर्ग की मौत को लेकर सिंगापुर पुलिस ने किसी भी साजिश से इनकार किया। पांच महीने बाद पुलिस ने कोर्ट में अपनी रिपोर्ट सौंपी। इसके मुताबिक, जुबीन की मौत डूबने की वजह से हुई थी। उन्होंने नशे की हालत में लाइफ जैकेट पहनने से इनकार कर दिया था। दरअसल 52 वर्षीय जुबीन की 19 सितंबर 2025 को सिंगापुर में मौत हो गई थी। वे सिंगापुर में नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल में परफॉर्म करने पहुंचे थे। इससे एक दिन पहले जान चली गई। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने विधानसभा में अपने बयान में कहा था कि सिंगर जुबीन गर्ग की मौत कोई हादसा नहीं, बल्कि हत्या थी। वे दोषियों को सजा दिलाकर रहेंगे। सिंगापुर पुलिस ने 35 लोगों की गवाही के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है। गवाहों ने उस दिन की पल-पल की जानकारी दी और बताया कि जुबीन गर्ग ने कितनी शराब पी और नशे में डाइविंग करने पहुंचे।

रिपोर्ट: लॉरेंस गैंग कर रही भारत के लिए काम

चंडीगढ़, जेएनएन। कनाडा की रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस की एक गोपनीय रिपोर्ट को लेकर बड़ा दावा सामने आया है। कनाडा की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आरसीएमपी ने कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके नेटवर्क को लेकर कहा है कि लॉरेंस गैंग भारत सरकार के लिए काम कर रहा है। आरसीएमपी की गोपनीय रिपोर्ट में कई जगह लॉरेंस गैंग के भारत सरकार से कथित संबंधों का जिक्र किया गया है। रिपोर्ट आरसीएमपी की नेशनल सिक्योरिटी ब्रांच द्वारा तैयार की गई बताई जा रही है। इसमें लॉरेंस गैंग को एक हिंसक अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठन बताया गया है, जिसका नेटवर्क कनाडा समेत कई देशों में फैल रहा है। यह रिपोर्ट ऐसे समय सामने आई है जब कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी भारत के साथ व्यापारिक और कूटनीतिक संबंध मजबूत करने की दिशा में कदम उठा रहे हैं।

पुलिस नाकाम तो हम पर महाभियोग क्यों: वर्मा

नई दिल्ली, जेएनएन। इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा महाभियोग प्रक्रिया के सिलसिले में आखिरकार लोकसभा स्पीकर द्वारा गठित संसदीय जांच समिति के सामने पेश हुए। सुप्रीम कोर्ट से राहत न मिलने के बाद वर्मा ने समिति के समक्ष खुद को निर्दोष बताया और कहा कि उनके सरकारी आवास पर आग लगने के समय वे मौके पर मौजूद नहीं थे। घटना के दौरान उनके आवास से कोई कैश बरामद नहीं हुआ, बाद में कैश मिलने के दावे सामने आए। वर्मा ने कहा कि जब घटना हुई, तब वे मौके पर पहुंचने वाले पहले व्यक्ति नहीं थे। मौके पर मौजूद पुलिस और फायर डिपार्टमेंट की कथित लापरवाही के लिए उन्हें जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। सूत्रों के मुताबिक जस्टिस वर्मा ने कहा, 'अगर पुलिस अधिकारी मेरे आवास को सुरक्षित रखने में नाकाम रहे, तो उसका खामियाजा हम क्यों भुगतें? और हमारे खिलाफ महाभियोग क्यों लाया जाए?'

ट्रंप बोले- ग्रीनलैंड पर कब्जा करने से कम कुछ मंजूर नहीं

नाटो पर बोले- हमारे बिना कुछ भी नहीं है, कब्जे से मजबूत होगा संगठन

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड को लेकर एक बार फिर कड़ा बयान देते हुए कहा है कि ग्रीनलैंड पर अमेरिका का कब्जा जरूरी है और 'इससे कम कुछ भी मंजूर नहीं' है। ट्रंप ने बुधवार को ट्रूथ सोशल पर पोस्ट कर कहा कि अमेरिका को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड की जरूरत है। ट्रंप ने लिखा कि इस मुद्दे पर नाटो को अमेरिका का साथ देना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अमेरिका ने ग्रीनलैंड पर नियंत्रण नहीं किया, तो वहां रूस या चीन अपना प्रभाव बढ़ा सकते हैं, जो किसी भी हालत में स्वीकार नहीं होगा।

नाटो टूटने के खतरे पर ट्रंप का जवाब: ट्रंप ने कहा कि यदि ग्रीनलैंड अमेरिका के नियंत्रण में होता है तो नाटो कहीं ज्यादा मजबूत और प्रभावशाली बन जाएगा। नाटो टूटने के खतरे पर उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका की बड़ी सैन्य ताकत के बिना नाटो कुछ भी नहीं है। दरअसल, डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन ने हाल ही में चेतावनी दी थी कि अगर अमेरिका ने जबरदस्ती ग्रीनलैंड पर कब्जा किया तो इससे नाटो के भीतर बड़ा संकट पैदा हो सकता है।

ग्रीनलैंड के पीएम बोले- डेनमार्क को चुनेंगे

ग्रीनलैंड के पीएम जेन्स -फ्रेडरिक नीलसन ने कहा है कि यदि ग्रीनलैंड को अमेरिका और डेनमार्क में से किसी एक को चुनना पड़े, तो वह डेनमार्क के साथ रहना पसंद करेगा। नीलसन की टिप्पणी पर ट्रंप ने पलटवार करते हुए कहा था कि वह उन्हें नहीं जानते और उनके बयान से सहमत नहीं हैं। ट्रम्प ने यह भी कहा था कि यह बात 'प्रधानमंत्री के लिए बड़ी समस्या' बन सकती है।

अमेरिका में ग्रीनलैंड को लेकर बिल भी पेश: अमेरिकी संसद में 12 जनवरी को 'ग्रीनलैंड एनेक्सेशन एंड स्टेटहुड एक्ट' नाम का बिल पेश किया गया था। इसका उद्देश्य ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल कर आगे चलकर उसे 51वां राज्य बनाना है। हालांकि बिल सिर्फ पेश हुआ है और इसे कानून बनने के लिए हाउस व सीनेट से पास होना जरूरी है।

ग्रीनलैंड की सुरक्षा नाटो की जिम्मेदारी- नीलसन: नीलसन ने कहा कि ग्रीनलैंड, डेनिश कॉमनवेल्थ का हिस्सा होने के कारण नाटो का सदस्य है, इसलिए उसकी सुरक्षा नाटो को ही करनी चाहिए। वहीं डेनमार्क की पीएम मेटे फ्रेडरिकसेन ने कहा कि अपने सबसे करीबी सहयोगी से इस तरह के दबाव का सामना करना आसान नहीं है।

यूरोप ने ट्रंप की मांग को सख्ती से नकारा

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने डेनमार्क से ग्रीनलैंड छीनने की कोशिश की तो इसके प्रभाव अभूतपूर्व होंगे। फ्रांस ने कहा कि वह डेनमार्क की संप्रभुता के समर्थन में पूरी एकजुटता दिखाएगा। वहीं यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भी दोहराया कि ग्रीनलैंड वहां के लोगों का है, इसलिए इसका फैसला डेनमार्क और ग्रीनलैंड के लोगों को ही करना है। यूरोप उनकी इच्छा का सम्मान करता है।

इधर... डेनमार्क ने की अमेरिका की मदद, प्रतिबंधित तेल टैंकर रोकने में दिया समर्थन

कोपेनहेगन/वॉशिंगटन। ग्रीनलैंड पर बढ़ते तनाव के बीच डेनमार्क ने पिछले सप्ताह पूर्व अटलांटिक महासागर में अमेरिकी बलों को समर्थन दिया, जब अमेरिका ने एक तेल टैंकर को रोकने और जब्त करने की कार्रवाई की। यह टैंकर कथित तौर पर अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन कर रहा था। डेनमार्क की ओर से इस सहयोग की पुष्टि डेनिश सरकार के एक अधिकारी ने की है।

कतर में अमेरिकी सैन्य अड्डे से कर्मी हटाए गए

दोहा/वॉशिंगटन, जेएनएन। ईरान में जारी गंभीर संकट और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कतर के एक अमेरिकी सैन्य अड्डे पर तैनात कुछ कर्मियों को वहां से हटने के लिए कहा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह कदम 'क्षेत्रीय तनावों के जवाब में' उठाया गया है। कतर सरकार ने बयान जारी कर कहा है कि वह अपने नागरिकों और देश में रहने वाले लोगों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए सभी जरूरी उपाय लागू कर रही है। कुछ मीडिया आउटलेट्स ने दावा किया है कि कतर स्थित अमेरिकी बेस से अमेरिकी सैनिकों/कर्मियों को बाहर निकाला जा रहा है। हालांकि इस पर अमेरिकी प्रशासन की तरफ से विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

भारत ने अपने नागरिकों से तुरंत निकलने को कहा

इधर, भारत सरकार ने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि जो भी भारतीय नागरिक, चाहे वे छात्र हों, तीर्थयात्री हों, व्यापारी हों या पर्यटक, इस समय ईरान में हैं, उन्हें जल्द से जल्द वहां से निकल जाना चाहिए। एडवाइजरी में कहा गया है कि यह सलाह पिछली एडवाइजरी के आगे की कड़ी है। सरकार ने यह भी दोहराया है कि सभी भारतीय नागरिकों को सावधानी बरतनी चाहिए। उन्हें विरोध प्रदर्शन या भीड़भाड़ वाली जगहों से दूर रहना चाहिए।

इंटरनेट बंद, मौत का आंकड़ा 2571 तक पहुंचा

ईरान में कई दिनों से इंटरनेट शटडाउन जारी है। कुछ लोगों को मोबाइल से विदेश कॉल करने की सुविधा मिली, लेकिन टेक्स्टिंग सेवाएं अभी भी बंद रहीं और इंटरनेट कनेक्टिविटी बेहद सीमित है। इंटरनेट मॉनिटर करने वाली संस्थाओं का कहना है कि ईरान में ट्रैफिक अब भी पहले के मुकाबले बहुत कम स्तर पर है, जिससे आम लोगों के लिए बाहरी दुनिया से संपर्क मुश्किल बना हुआ है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक ने ईरान में मुफ्त सेवा शुरू की है। एक अमेरिका आधारित एक्टिविस्ट संगठन ह्यूमन राइट्स एक्टिविट्स एजेंसी के हवाले से कहा गया है कि ईरान में प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई के दौरान मौतों का आंकड़ा बढ़कर कम से कम 2,571 तक पहुंच गया है। संगठन का दावा है कि इनमें बड़ी संख्या प्रदर्शनकारियों की है और कई हजार लोगों को हिरासत में लिया गया है।

ईडी की आई-पैक पर रेड का मामला

टीएमसी की याचिका खारिज, ईडी बोली- कुछ जब्त नहीं किया

कोलकाता, जेएनएन। कलकत्ता हाईकोर्ट ने आई-पैक रेड से जुड़े मामले में बुधवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की याचिका खारिज कर दी। टीएमसी ने आरोप लगाया था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 8 जनवरी को आई-पैक के आईटी हेड प्रतीक जैन के ऑफिस पर छापेमारी के दौरान कुछ दस्तावेज और डेटा जब्त किया है। हालांकि सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजू ने कोर्ट में ऑन रिकॉर्ड कहा कि एजेंसी ने पार्टी दफ्तर या आई-पैक ऑफिस से कुछ भी जब्त नहीं किया है।

हाईकोर्ट ने स्पष्ट कहा कि जब ईडी खुद यह कह रही है कि कोई जब्ती नहीं हुई, तो इस मामले में आगे सुनवाई का कोई आधार नहीं बचता। कोर्ट ने इसी आधार पर टीएमसी की याचिका को खारिज कर दिया। राजू ने एक बड़ा दावा करते हुए कहा कि यदि कोई रिकॉर्ड या फाइल जब्त की गई है, तो वह ईडी ने नहीं बल्कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने साथ ली थी।

उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने कुछ फाइलें गैरकानूनी तरीके से अपने साथ ले लीं। हाईकोर्ट ने ईडी की तरफ से दायर याचिका पर सुनवाई फिलहाल टाल दी है। कोर्ट ने कहा कि इसी मुद्दे पर ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल कर रखी है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद ही हाईकोर्ट में आगे सुनवाई की जाएगी।

ट्रंप टैरिफ बेअसर: 25 में चीन का ट्रेड सरप्लस रिकॉर्ड 1.2 ट्रिलियन पहुंचा

बीजिंग, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 2025 में टैरिफ (शुल्क) बढ़ाए जाने के बावजूद चीन का व्यापार अधिशेष (ट्रेड सरप्लस) नई ऊंचाई पर पहुंच गया है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने 2025 का साल करीब 1.2 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड ट्रेड सरप्लस के साथ खत्म किया, जो किसी भी देश के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा अधिशेष माना जा रहा है। कस्टम्स डेटा के अनुसार दिसंबर 2025 में चीन का निर्यात साल-दर-साल 6.6 फीसदी बढ़ा, जो तीन महीनों में सबसे तेज रफ्तार है। वहीं आयात भी उम्मीद से ज्यादा 5.7 फीसदी बढ़ा। दिसंबर अकेले में चीन का व्यापार अधिशेष 114 अरब डॉलर रहा, जो पिछले छह महीनों का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

अमेरिका को निर्यात घटा, लेकिन बाकी दुनिया में बिक्री बढ़ी

ट्रंप द्वारा शुल्क बढ़ाने के बाद अमेरिका जाने वाला चीनी माल जरूर घटा, लेकिन चीनी निर्यातकों ने तेजी से बाजार बदलते हुए दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और यूरोप में बिक्री बढ़ा दी। कई मामलों में सामान तीसरे देशों के जरिए भेजा गया, जिससे अमेरिकी टैरिफ का असर कम हो गया।

2024 के मुकाबले 20 फीसदी बढ़ा अधिशेष

रिपोर्ट में कहा गया है कि पूरे साल चीन का ट्रेड सरप्लस 2024 की तुलना में करीब 20 फीसदी बढ़ा और दिसंबर से पहले ही यह 1 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर चुका था। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन का बढ़ता सरप्लस दुनिया के कई देशों में चिंता बढ़ा रहा है, क्योंकि सस्ते चीनी सामान से स्थानीय उद्योगों पर दबाव बढ़ सकता है। वहीं अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि 2026 में भी चीन के लिए निर्यात अर्थव्यवस्था का बड़ा सहारा बना रह सकता है।

कोर्ट के आदेश के बाद भी अनुज चौधरी पर केस नहीं

संभल एसपी बोले- फैसले को चुनौती देंगे

संभल, जेएनएन। उत्तर प्रदेश के संभल की एक अदालत ने संभल हिंसा मामले में तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी, कोतवाली प्रभारी अनुज तोमर तथा अज्ञात पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी का आदेश दिया है। लेकिन पुलिस ने अब तक इस पर मामला दर्ज नहीं किया है। संभल के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि पुलिस अदालत के आदेश को चुनौती देगी। अपील दायर की जाएगी और प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाएगी, क्योंकि मामले में न्यायिक जांच पहले ही हो चुकी है।' चौधरी के खिलाफ यह आदेश सीजेएम विभांशु सुधीर ने नौ जनवरी को हिंसा में घायल व्यक्ति के पिता द्वारा दायर उस याचिका पर पारित किया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनके बेटे को पुलिस ने गोली मारी थी। शिकायत के अनुसार, नखासा थाना क्षेत्र के खग्गू सराय इलाके के निवासी यामीन ने आरोप लगाया कि उनका 24 वर्षीय बेटा आलम 24 नवंबर 2024 को पापड़ बेचने के लिए निकला था और शाही जामा मस्जिद के पास पुलिसकर्मियों ने उसे गोली मार दी। शिकायतकर्ता ने तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी, तत्कालीन थाना प्रभारी अनुज तोमर और 10-12 अज्ञात पुलिसकर्मियों को आरोपी बनाया। सुनवाई के बाद अदालत ने नौ जनवरी को सभी आरोपी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया।

'धुरंधर 2' में रहमान डकैत बनकर फिर छाएंगे अक्षय

मुंबई, जेएनएन। आदित्य धर की डायरेक्टेड फिल्म 'धुरंधर' ने 40 दिनों में भारत ही नहीं दुनियाभर में अपना डंका बजा दिया है। इसने अब तक 1250 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन करके इतिहास रच दिया है और अच्छे-अच्छे धुरंधरों को मजा चखा दिया है। इसका दूसरा पार्ट 19 मार्च को थिएटर्स में रिलीज होने के लिए तैयार है और खबर है कि इसमें रहमान डकैत उर्फ अक्षय खन्ना फिर से नजर आएंगे। दरअसल, 'धुरंधर' में रणवीर सिंह से ज्यादा लाइमलाइट अक्षय खन्ना ने बटोरी। हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है और उनका मुरीद हो रहा है। पहले 'छावा' में औरंगजेब बनकर वह छा गए थे और अब रहमान डकैत की भूमिका में उन्होंने अपनी एक्टिंग की रेंज दिखाई है।

करेंगे 1 हफ्ते तक सीक्वल की शूटिंग

रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय 'धुरंधर 2' में कमबैक करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। वह एक हफ्ते इस मूवी की शूटिंग करेंगे। मेकर्स उनके किरदार के बारे में विस्तार से बताने और उनका बैकग्राउंड दिखने की प्लानिंग कर रहे हैं। हालांकि पुष्टि नहीं की गई है।

अक्षय के किरदार की पहले पार्ट में मौत हो जाती है। उन्हें धोखे से मार दिया जाता है। और दुनिया के सामने हमजा ऐसा पेश करता है, जैसे उसने उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की। मगर ऐसा हो न सका।

पहनावा

फैशन विशेषज्ञों के अनुसार बंधगला भारतीय परंपरा से निकला 'मेड इन इंडिया' स्टाइल

मंत्री बोले- 'औपनिवेशिक' बंधगले से मिलेगा छुटकारा

नई दिल्ली, जेएनएन। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में घोषणा की कि अब रेलवे कर्मचारियों की यूनिफॉर्म में बंधगला शामिल नहीं रहेगा। मंत्री ने इसे 'औपनिवेशिक दौर की निशानी' बताया। हालांकि फैशन विशेषज्ञों के अनुसार बंधगला भारतीय परंपरा से निकला ऐसा परिधान है, जिसने दुनिया भर में 'मेड इन इंडिया' स्टाइल का असर छोड़ा। बंधगला को आम बोलचाल में 'प्रिंस सूट' या 'प्रिंस कट' भी कहा जाता है। इसकी शुरुआत राजस्थान के जोधपुर रियासत से मानी जाती है। फैशन डिजाइनर राघवेंद्र सिंह राठौड़ के अनुसार बंधगला भारतीय राजदरबारों की औपचारिक पोशाक का हिस्सा रहा है, जिसमें समय के साथ कुछ औपनिवेशिक सजावटें जरूर जुड़ीं, लेकिन इसकी मूल संरचना पूरी तरह भारतीय रही।

मुगल-राजपूत परंपरा से बना बंधगला

राठौड़ के मुताबिक बंधगला चार शताब्दियों के विकास का नतीजा है, जिसमें मुगल दरबारी पहनावे, राजपूत योद्धा सौंदर्य और मारवाड़ की सिलाई परंपरा का मेल है। इसका शुरुआती रूप मुगल काल के जामा और अंगरखा जैसी पोशाकों में दिखाई देता है। बाद में जोधपुर के शासकों ने इसे विकसित कर छोटे, अधिक सुघड़ और संरचित जैकेट का रूप दिया।

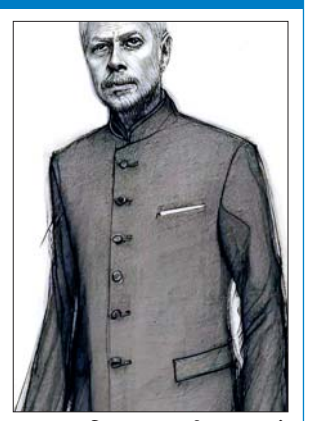

पोलो और लंदन तक पहुंची 'जोधपुरी जैकेट'

समय के साथ यह जैकेट अचकन जैसी पोशाकों से आगे बढ़ते हुए आधुनिक बंधगले का रूप लेती गई। बताया जाता है कि पोलो खेलने के लिए इसे ज्यादा आरामदायक और फिट बनाने की जरूरत पड़ी, जिसके बाद जोधपुर के राजघरानों ने इसे लंदन में नया रूप दिलाया। यही कारण है कि पश्चिमी देशों में इसे 'जोधपुरी जैकेट' के नाम से भी जाना गया। 1930 के दशक में जोधपुर की पोलो टीमों के विदेशी दौरों के दौरान जैकेट और ब्रीचेज का यह कॉम्बिनेशन पश्चिम में लोकप्रिय हुआ।

स्टाइल के साथ 'फंक्शन' भी

विशेषज्ञों के मुताबिक बंधगले का ऊंचा कॉलर केवल फैशन नहीं, बल्कि उत्तर भारत की ठंड में बिना टाई-स्कार्फ के सुरक्षा देने के लिए भी उपयोगी था। साथ ही राजघरानों के लिए यह पोशाक गले और छाती पर पहने जाने वाले कीमती आभूषणों को उभारने का माध्यम भी बनी। कुल मिलाकर, रेलवे भले ही बंधगले को यूनिफॉर्म से हटाकर इसे 'औपनिवेशिक' कह रहा हो, लेकिन इसका इतिहास बताता है कि यह पोशाक असल में भारतीय राजसी परंपरा से निकला वैश्विक फैशन स्टेटमेंट रही है।

वर्गीकृत

अण्डा

BHOPAL EGG RATE 570/-

Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

दमोह में बुंदेली महोत्सव का आयोजन 16 से

जागरण, दमोह। शहर के तहसील ग्राउंड में 16 जनवरी से बुंदेली दमोह महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। बुंदेली गौरव न्यास द्वारा आयोजित यह महोत्सव 1 फरवरी तक चलेगा। इसका शुभारंभ गर्ल्स साइकिल मैराथन के साथ होगा। आयोजन समिति ने बुधवार को बताया कि 16 जनवरी को कलेक्ट्रेट से तहसील ग्राउंड तक गर्ल्स साइकिल मैराथन निकाली जाएगी, जिसके बाद महोत्सव का औपचारिक उद्घाटन होगा।

विवि में चल रहे 100 करोड़ के विकास कार्यों पर रोक

जागरण, ग्वालियर। जीवाजी विवि में केंद्र सरकार की पीएम उषा योजना के तहत प्रस्तावित करीब 100 करोड़ रुपए के विकास कामों पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। इन कामों में छात्राओं के लिए एक अत्याधुनिक हॉस्टल भवन का निर्माण भी शामिल है। ग्वालियर नगर निगम ने बिना अनुमति निर्माण कार्य शुरू किए जाने के कारण यह रोक लगाई है। इससे विवि के अन्य विकास कार्यों पर भी अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं।

"ट्वीट ऑफ द डे"

अखिलेश यादव
सपा प्रमुख

चुनावी जीत की असली लड़ाई बूथ पर लड़ी जाती है। हर कार्यकर्ता अपने बूथ पर मजबूती से काम करे। वोट बचाना और बूथ जिताना समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। फार्म-6 के माध्यम से छूटे हुए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जरूर जुड़वाएं और भाजपा की चालाकियों से पूरी तरह सतर्क रहें।

पिकअप-ट्रैक्टर की टक्कर में 3 महिलाओं समेत पांच की मौत

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बैरसिया बुधवार रात सवा नौ बजे पिकअप व ट्रैक्टर की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। ट्रैक्टर ट्राली पिकअप के ऊपर गिर गई। मृतकों में तीन महिलाएं शामिल हैं। एक परिवार की मां, उसके बेटा और उसका पोता शामिल है। जबकि 9 लोग घायल हो गए। घायलों को बैरसिया सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका इलाज जारी है। घटना के वक्त एक परिवार और उनके रिश्तेदार मकर संक्रांति पर नर्मदापुरम में स्नान करने जा रहे थे। बैरसिया थाना प्रभारी वीरेंद्र सेन ने बताया कि हाजीपुर मोहल्ला सिरोंज निवासी अहिरवार परिवार के 14 सदस्य पिकअप वाहन में सवार होकर नर्मदापुरम जाने के लिए निकले थे। पिकअप लल्लू अहिरवार की थी। परिवार के लोग बुधवार रात करीब सवा नौ बजे बैरसिया से भोपाल रोड पर विद्या भारती स्कूल के पास पहुंचे थे, तभी एक ट्रैक्टर ट्राली से उनकी भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद पिकअप वाहन वहीं पलट गया। यह लोग संभल पाते कि ट्रैक्टर ट्राली पलटकर पिकअप वाहन पर गिरी। इससे पिकअप में बैठी लक्ष्मी बाई अहिरवार (60) पति दौलतराम, बबरी बाई (60) पति सुखलाल, हरि बाई (60) पति विपत सिंह, मुकेश (40) पिता सुखलाल और दीपक (14) पिता मुकेश की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। पूरन बाई, विनीता, सुनील, सरजू अहिरवार, मोनिका, महक, भूरी बाई, लंबू अहिरवार और प्रदीप घायल हो गए। घटना के बाद घायलों को एंबूलेंस की मदद बैरसिया सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज जारी है। थाना प्रभारी का कहना है कि घायलों में गंभीर नहीं है। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भिजवा दिए हैं। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नौ घायल, मरने वालों में मां, उसका बेटा और पोता भी शामिल, देर रात बैरसिया इलाके की घटना

हैरियर की टक्कर से स्कॉर्पियो पलटी, 2 बच्चे समेत 7 घायल

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। भोपाल-इंदौर हाइवे पर मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात करीब ढाई बजे भीषण हादसा हो गया। इंदौर की ओर से आ रही तेज रफ्तार हैरियर कार ने स्कॉर्पियो को टक्कर मार दी। इससे स्कॉर्पियो पलटकर दो अन्य खड़ी कारों से टकरा गई। हादसे में स्कॉर्पियो सवार 7 लोग घायल हो गए। इनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। तीन की हालत गंभीर बताई गई है। घायल लोधी परिवार के लोग हैं, जिनका दो अलग-अलग अस्पताल में इलाज चल रहा है। स्कॉर्पियो पलटने के बाद खड़ी दो अन्य कारों में टकरा गई। मुख्य सड़क पर जाम अन्य गाड़ियां भी रुक गई। इधर, हैरियर सवार गाड़ी छोड़कर मौके से भाग निकले। खजूरी सड़क पुलिस ने भी बुधवार रात तक हैरियर को जब्त नहीं की और न ही शाम तक एफआईआर दर्ज की थी। खजूरी सड़क थाना प्रभारी (प्रशिक्षु डीएसपी) दिव्या झारिया को घायलों के नाम नहीं पते थे न ही उनके पास इसकी समुचित जानकारी थी। पुलिस के मुताबिक, मूलतः दमोह निवासी वीर सिंह लोधी पीथमपुर में फैक्ट्री में जॉब करते हैं। वहीं पर उनका परिवार रहता है। मकर संक्रांति पर्व के चलते वीर सिंह मंगलवार को स्कॉर्पियो से दमोह जाने के लिए निकले थे। गाड़ी में बच्चों समेत कुल सात लोग सवार थे। रात में वीर सिंह रास्ता भटक गए। वह लालघाटी तक अंदर आ गए। जबकि उन्होंने भौंरी तिराहे से टर्न होना था। इसके बाद बायपास से बाहर निकल जाते। वह कार लेकर वापस लौटे।

भोपाल-इंदौर हाइवे पर हादसा

मची चीख-पुकार, पुलिस के पास जानकारी नहीं

देर रात ढाई बजे वह भौरी तिराहे पर टर्न हो रहे थे, तभी इंदौर की ओर से आ रही तेज रफ्तार हैरियर कार ने उनकी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही स्कॉर्पियो पलट गई और पास खड़ी दो अन्य गाड़ियों से टकरा गई। इससे चीख-पुकार मच गई। घायलों को एंबूलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में स्कॉर्पियो सवार वीर सिंह, कृष्णा लोधी (17), रबीना (16), अजय समेत कुल सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इसमें तीन गंभीर बताए जा रहे हैं। टक्कर मारने के बाद हैरियर सवार कार छोड़कर मौके से भाग निकले। घायलों का चिरायू और हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। हैरियर किसकी है, कौन सवार था।

तेज रफ्तार कार ने ट्रैफिक सिग्नल उखाड़ा

इधर, बुधवार शाम को लिंक रोड नंबर एक पर तेज रफ्तार कार ने ट्रैफिक सिग्नल को टक्कर मारकर खंभा गिरा दिया। कार की रफ्तार इतनी अधिक थी कि चालक ने उस पर नियंत्रण खो दिया। कार सीधे ट्रैफिक सिग्नल के खंभे में जा घुसी। इससे सिग्नल का खंभा उखड़कर सड़क पर गिर गया। हादसे के बाद कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। गनीमत रही कि घटना के समय सिग्नल के आसपास कोई पैदल यात्री मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। घटना की सूचना मिलते ही ट्रैफिक पुलिस और स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कार को सड़क से हटवाया और गिरे हुए सिग्नल खंभे को हटाने का काम शुरू किया। ट्रैफिक पुलिस द्वारा कुछ समय के लिए डायवर्जन किया गया, ताकि यातायात सुचारू रूप से चल सके।

संक्षिप्त खबरें

आदिवासी हॉस्टल के स्टोर रूम में 9वीं की छात्रा ने लगाई फांसी

जागरण, बड़वानी। आदिवासी गर्ल्स हॉस्टल बड़वानी में 9वीं की छात्रा ने खुदकुशी कर ली। हॉस्टल के स्टोर रूम की खिड़की की जाली पर छात्रा का शव फंदे पर लटका मिला है। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना निवाली के जनजातीय कार्य विभाग के एकलव्य आदिवासी गर्ल्स हॉस्टल की है। हॉस्टल में मौजूद छात्राओं ने बताया कि रात करीब 9.30 बजे साथी छात्रा को फंदे पर देखा, तो अधीक्षिका को सूचना दी। सूचना के बाद पानसेमल एसडीएम, निवाली थाना प्रभारी आरके लोवंशी सहित पुलिस टीम पहुंची। रात में ही सहायक आयुक्त जेस डामोर भी पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण कर स्टाफ से पूछताछ की। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। परिजनों ने हादसे पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि छात्रा का निर्धारित कमरा दूसरा था, जबकि उसने किसी और कमरे में फांसी लगाई है। इससे छात्रावास प्रबंधन पर कई तरह के सवाल खड़े हो गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए थे।

गैस एजेंसी का फर्जी लाइसेंस देकर जेल प्रहरी से 20 लाख की ठगी

जागरण, जबलपुर। प्रदेश के जबलपुर में उज्ज्वला योजना के नाम पर बड़ी ठगी हुई है। यहां दो जेल प्रहरी समेत चार आरोपियों ने एक जेल प्रहरी को गैस एजेंसी दिलाने का लालच देकर करीब 20 लाख रुपए ठग लिये। पीड़ित धीरेंद्र द्विवेदी को फर्जी लाइसेंस और प्रमाण-पत्र थमाए गए, लेकिन एजेंसी कभी नहीं मिली। सिविल लाइन थाना पुलिस ने इस मामले में धोखाधड़ी, जालसाजी सहित अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। मामला कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुआ है। पीड़ित ने यहां सिविल वाद दायर किया था। आरोपियों ने पीड़ित धीरेंद्र द्विवेदी को उज्ज्वला योजना के तहत गैस एजेंसी दिलाने का झांसा दिया। उन्होंने अलग-अलग बैंक खातों में 18-19 लाख रुपए जमा कराए। बाद में फर्जी लाइसेंस और प्रमाणपत्र दिए गए, लेकिन जब एजेंसी नहीं मिली तो पीड़ित ने कोर्ट का रुख किया। कोर्ट के निर्देश पर पुलिस ने कार्रवाई की। मामले में दो जेल प्रहरी सहित कुल चार लोग आरोपी हैं। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपियों ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर पीड़ित को ठगा।

पांच साल बाद बिल्डर को मिलेंगे रिश्वत में दिए गए पांच लाख रु.

ग्वालियर की स्पेशल कोर्ट ने ईओडब्ल्यू को दिए रकम लौटाने के आदेश

मुख्य संवाददाता, भोपाल। भ्रष्टाचार के खिलाफ लंबी कानूनी लड़ाई के बाद ग्वालियर की स्पेशल कोर्ट ने अहम फैसला सुनाते हुए आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) को आदेश दिया है कि वह नगर निगम के तत्कालीन सिटी प्लानर से जब्त किए गए 5 लाख रुपए की रिश्वत की राशि फरियादी बिल्डर धर्मेंद्र भारद्वाज को वापस लौटाए। मामला साल 2020 का है। ग्वालियर नगर निगम के तत्कालीन सिटी प्लानर प्रदीप वर्मा ने बिल्डर धर्मेंद्र भारद्वाज से उनके सुरेश नगर स्थित डुप्लेक्स की अनुमति और पास की सरकारी जमीन पर निर्माण की इजाजत देने के बदले 50 लाख रुपए की भारी-भरकम रिश्वत मांगी थी। बाद में यह सौदा 25 लाख रुपये में तय हुआ। फरियादी के मुताबिक वह 10 लाख रुपए पहले ही दे चुका था। बिल्डर की शिकायत पर ईओडब्ल्यू ने जाल बिछाकर बाल भवन के पास सिटी प्लानर को 5 लाख रुपए की अगली किस्त लेते हुए रंगे हाथों दबोच लिया था। ये पांच लाख रूपए 2000 के नोटों की शक्ल में थे, जिन्हें ईओडब्ल्यू ने जब्त किया था।

कार्रवाई के दौरान ईओडब्ल्यू ने 2000 रुपए के 250 नोट बरामद किए थे। छापामार टीम ने ये 5 लाख रुपए पंचनामा कराकर अपने पास जब्त कर लिए थे। बाद में इन नोटों की फोटोकॉपी कर सबूत सुरक्षित कर इस राशि बैंक के सरकारी खाते में जमा करा दिया गया था। उसके बाद से फरियादी रिश्वत में दी गई अपनी रकम को वापस करने के लिए अफसरों के चक्कर काट रहा था। इस मामले में कानूनी पेचीदगी के चलते जब उसे रकम वापस नहीं मिली तो उसने अदालत में केस दर्ज कराकर रिश्वत में दी गई अपनी रकम वापिस मांगी। इस मामले में रोचक तथ्य यह है कि अगर बैंक उसे 2 हजार के नोट ही वापिस करती है तो उसे कोर्ट के आदेश के साथ इन्हें बदलने के लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पास आवेदन करना होगा। गौरतलब है कि केंद्र सरकार के आदेश के बाद से 2 हजार के नोट चलन से बाहर हो गए हैं और केवल विशेष परिस्थिति में ही आरबीआई से इन्हें बदला जा सकता है।

नकदी को भौतिक रूप से रखने की आवश्यकता नहीं : कोर्ट

बुधवार को ग्वालियर की विशेष सत्र न्यायालय ने अपने आदेश में कहा है कि चूंकि इस रकम से जुड़े सभी तकनीकी साक्ष्य (जैसे नोटों के नंबर और पंचनामा) पहले ही सुरक्षित किए जा चुके हैं, इसलिए अब इस नकदी को भौतिक रूप से रखने की आवश्यकता नहीं है। कोर्ट ने आदेश दिया कि इस रकम को अब उसके असली मालिक को लौटा दी जाए। इसके साथ ही कोर्ट ने कुछ शर्तें भी जोड़ दी हैं। कोर्ट ने कहा है कि इस रकम को हासिल करने के लिए फरियादी को एक सुपुर्दगी बांड पेश करना होगा, जिसके बाद बैंक से रिफंड वाउचर जारी कर 5 लाख रुपए बिल्डर को लौटा दिए जाएंगे। गौरतलब है कि इस घटना के तुरंत बाद तत्कालीन निगम कमिश्नर संदीप माकिन ने प्रदीप वर्मा को पद से हटा दिया था।

नस्लभेद का मामला: पालक पनीर की 'महक' ने दिलाए 1.6 करोड़

2 भारतीय पीएचडी छात्रों को मिली 2 लाख डॉलर की समझौता राशि

वॉशिंगटन/बोल्डर, जेएनएन। अमेरिका में 'दक्षिण एशियाई खाने की गंध' को लेकर कथित नस्लीय भेदभाव का एक मामला एक बार फिर इंटरनेट पर चर्चा में है। यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो बोल्डर से जुड़ा यह विवाद सितंबर 2025 में हुए 2 लाख डॉलर (करीब 1.6 करोड़ रुपये) के कानूनी समझौते के कारण वायरल हो गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारतीय मूल के दो पीएचडी उम्मीदवार आदित्य प्रकाश और ऊर्मी भट्टाचार्य ने आरोप लगाया था कि विश्वविद्यालय परिसर में उनके दक्षिण एशियाई भोजन की गंध को लेकर उनके साथ भेदभाव किया गया और उन्हें शत्रुतापूर्ण माहौल का सामना करना पड़ा। वहीं कुछ लोगों ने छात्रों के समर्थन में कहा कि यह मामला खाने की गंध नहीं, बल्कि सिस्टम में मौजूद नस्लीय पूर्वाग्रह और भेदभावपूर्ण व्यवहार से जुड़ा है। एक अन्य यूजर ने टिप्पणी की कि कैंपस माइक्रोवेव में खाना गर्म करना सामान्य बात है और इस पर आपत्ति करना असल में नस्लवाद की तरफ इशारा करता है।

यह है मामला

5 सितंबर 2023 को आदित्य प्रकाश ने कैंपस में अपने भारतीय लंच को माइक्रोवेव में गर्म किया। इस दौरान स्टाफ के साथ उनकी बहस हो गई। दोनों छात्रों ने मई 2025 में फेडरल कोर्ट में मुकदमा दायर किया। आरोप था कि विश्वविद्यालय में दक्षिण एशियाई भोजन की गंध को निशाना बनाया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शिकायत के बाद विश्वविद्यालय ने उनके खिलाफ प्रतिशोधात्मक कार्रवाई की, जिसमें कथित तौर पर टीचिंग रोल्स छिनना और डिग्री रोके जाने जैसे कदम शामिल थे।

इस मुकदमे 29 साथियों का समर्थन भी मिला था।

यह हुआ समझौता

- विश्वविद्यालय ने छात्रों को 2 लाख डॉलर का भुगतान किया।
- दोनों को मास्टर डिग्री प्रदान की गई।
- साथ ही उन्हें भविष्य में विश्वविद्यालय से किसी भी तरह के संबंध (पढ़ाई/नौकरी) से रोका गया।

सोशल मीडिया पर बहस तेज

सोशल मीडिया पर फिर कई यूजर्स ने इसे 'अजीब' या 'मजाक' बताते हुए प्रतिक्रिया दी। एक यूजर ने लिखा, 'यूनिवर्सिटी में खाना माइक्रोवेव करने पर लोगों को तकलीफ हुई और कोर्ट ने 2 लाख डॉलर दे दिए—क्या मजाक है।'

उज्जैन में श्रीमहाकाल महोत्सव का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ, वेबसाइट पोर्टल शुरू

श्रीमहाकाल महोत्सव श्रद्धालुओं को आध्यात्म धर्म व सांस्कृतिक परंपरा से जोड़ने का माध्यम

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि श्री महाकाल महोत्सव ने उज्जैन की सुंदरता को स्वर्ग के समान बना दिया है। आज की उज्जैन नगरी महाकवि कालिदास की रचनाओं की अवंतिका के समान हो गई है। सम्राट विक्रमादित्य और राजा भोज के काल से अवंतिका नगरी न्याय और प्रशासनिक दक्षता की वाहक है। सम्राट विक्रमादित्य, राजा भोज और अवंतिका नगरी की अन्य महान विभूतियों और प्रेरक कहानियों को श्री महाकाल महालोक में मूर्ति कला और दीवारों पर चित्रों के माध्यम से बड़ी सुंदर तरीके से दर्शाया गया है। श्री महाकाल की नगरी काल की नगरी है। श्री महाकाल की कृपा से हमारी प्रत्येक सांस है और प्रेरणा से यह जीवन मानव सेवा के लिए समर्पित है। प्रदेश ने धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर नवीन पहचान स्थापित की है। श्री महाकाल महोत्सव श्रद्धालुओं को आध्यात्म, धर्म और प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा से जोड़ने का माध्यम है। इससे श्रद्धालुओं को बाबा का आशीर्वाद भी मिलेगा, और उज्जैन की जानकारी भी मिलेगी। मुख्यमंत्री ने मकर संक्रांति पर्व की पावन संध्या पर पूजन अर्चन कर श्री महाकाल महोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल,राज्य सभा सांसद श्री बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, श्री सत्य नारायण जटिया,श्री संजय अग्रवाल, श्री राजेश धाकड़, श्री रवि सोलंकी, श्री श्री नरेश शर्मा, श्री श्रीराम तिवारी,श्री रूप पमनानी आदि जनप्रतिनिधि व हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में दो ज्योतिर्लिंग हैं, दोनों की कनेक्टविटी सड़क, वायु और रेल मार्ग से बढ़ाकर श्रद्धालुओं को सुविधा प्रदान की जा रही है। उज्जैन में तो शक्ति पीठ माता गढ़ कालिका भी है साथ ही यहां शिप्रा के किनारे गुरुद्वारा है जहां श्री गुरु नानक जी आए और उज्जैन का उल्लेख अपने पदों में किया है। उज्जैन की विविधता और समरसता निराली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में सावन महोत्सव 2003 के बाद शुरू किया गया।

विमान नहीं आने के कारण इंदौर-मुंबई फ्लाइट निरस्त

जागरण, इंदौर। इंडिगो एयरलाइंस ने मुंबई से इंदौर आने वाली अपनी उड़ान को निरस्त कर दिया। इसके लिए कंपनी ने फ्लाइट के अधिक देर से होने और तब तक इंदौर एयरपोर्ट के बंद हो जाने का हवाला दिया। यह विमान रात में इंदौर आकर सुबह वापस मुंबई जाता है, लेकिन रात में विमान के नहीं आने के कारण सुबह जाने वाली उड़ान को भी रद्द करना पड़ा। आने और जाने वाली दोनों उड़ानों के निरस्त होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के मुताबिक, इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट (6ई-225) रात 10.10 बजे मुंबई से इंदौर आती है। रात में विमान यहीं रुकता है और सुबह 6.40 बजे वापस मुंबई जाता है। हालांकि शाम से ही इस फ्लाइट का संचालन लेट चल रहा था, इसलिए रात को इसके एक घंटे से अधिक देर से पहुंचने का अनुमान था। इंदौर एयरपोर्ट रात 10.30 बजे बंद हो जाता है, इसे देखते हुए कंपनी ने इस फ्लाइट को निरस्त कर दिया।

लावारिस मिठाई खाने से तीसरी मौत, दादा-पोती गवां चुके जान

परिजनों का आरोप-विवाद के चलते की साजिश

जागरण, छिंदवाड़ा। जिले के जुन्नारदेव के एक होटल में छोड़ी गई लावारिस मिठाई खाने से बुधवार को तीसरी मौत हुई है। मंगलवार देर रात बीमार खुशबू को छिंदवाड़ा से नागपुर रेफर किया था। यहां इलाज के दौरान बुधवार सुबह उसने दम तोड़ दिया। खुशबू के शरीर के सभी अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। मालूम हो कि पीएचई विभाग के पास स्थित एक होटल में कोई मिठाई की थैली छोड़ गया था। थैली लेने जब कोई नहीं लौटा तो पीएचई गार्ड दशरू यदुवंशी ने मिठाई का डिब्बा निकाल लिया, उसने वहीं मौजूद सुंदर लाल कथूरिया उनकी पत्नी संतोषी बाई और पोती खुशबू के साथ मिठाई खा ली। इसके बाद तीनों की तबीयत बिगड़ गई। 11 जनवरी को गार्ड की मौत हो गई। इसके दो दिन बाद मंगलवार को सुंदर लाल ने दम तोड़ दिया। अब

खुशबू की भी जान चली गई। संतोषी बाई की हालत गंभीर है। मृतक खुशबू की बहन मुस्कान खरे का कहना है, खुशबू का ससुराल पक्ष से पारिवारिक विवाद चल रहा था, जिसके बाद वह पिछले एक माह से मायके में रह रही थी। इसी दौरान यह घटना हुई। आशंका है कि परिवार के खिलाफ साजिश की गई है। इस मामले में पुलिस अब तक खाली हाथ है, उसकी जांच फुटेज से आगे ही नहीं बढ़ पा रही। जुन्नारदेव थाना प्रभारी राकेश बघेल ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से युवक के चीथड़े उड़े

जंगली सूअरों को मारने खेत में बिछा रहा था तार

जागरण, जबलपुर। खेत में जंगली सूअरों को मारने करंट बिछा रहा एक युवक हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। धमाका होते ही उसके चीथड़े उड़ गए। झुलसे युवक को देखकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस जब तक घटनास्थल पर पहुंची तब तक युवक दम तोड़ चुका था। घटना ग्राम निगरी में बुधवार सुबह की है। गांव का ही रहने वाला रामकुमार खेत में आने वाले जंगली सूअरों को मारने के लिए बिजली के तार से कनेक्शन कर रहा था। इसी दौरान वह हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया और बुरी तरह झुलस गया। शरीर के सामने वाले हिस्से के चीथड़े उड़ गए। एएसपी सूर्यकांत शर्मा का कहना है कि ग्रामीणों की

सूचना मिलते ही बरगी थाना पुलिस का स्टाफ मौके पर पहुंचा। मृतक का परिवार भी घटनास्थल पर मौजूद था। मर्ग कायम कर शव का पंचनामा करवाने के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा है। पुलिस जांच कर रही है कि युवक कब से हाईटेंशन लाइन में कनेक्शन करने का काम कर रहा था। गांव में और कौन-कौन जंगली सूअर को मारने हाईटेंशन लाइन का उपयोग कर रहे हैं।

मरम्मत इंदौर शास्त्री ब्रिज की सुरक्षा और सुंदरता को बढ़ाने कार्ययोजना पर काम शुरू

चूहों ने खोखला किया ब्रिज, बचाने के लिए बिछाए कांच

जागरण, इंदौर। प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर के महत्वपूर्ण शास्त्री ब्रिज की सुरक्षा और सुंदरता को बढ़ाने विस्तृत कार्ययोजना पर काम शुरू हो गया है। इसी क्रम में पूरे शास्त्री ब्रिज के फुटपाथों की खुदाई और सड़कों की मरम्मत शुरू हो गई है। यहां ब्रिज में पुराने ढांचे को हटाकर केमिकलयुक्त विशेष मटेरियल भरा है, जिसके ऊपर नई और अधिक भार क्षमता वाली हैवी इंटरलाकिंग टाइल्स लगाई जा रही हैं।

यह कदम ब्रिज की आधारभूत संरचना को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए उठाया गया है। दरअसल निगम अधिकारियों ने पिछले दिनों एसजीएसआईटीएस के विशेषज्ञों के साथ शास्त्री ब्रिज का संयुक्त दौरा किया था। इस निरीक्षण में यह बात सामने आई कि चूहों द्वारा की जा रही खुदाई से ब्रिज का आंतरिक हिस्सा खोखला हो रहा है। विशेषज्ञों की सलाह पर तैयार कार्ययोजना के तहत अब फुटपाथ की जमीन पर केमिकलयुक्त मटेरियल के साथ कांच के टुकड़ों की एक परत भी बिछाई है। इसका मुख्य उद्देश्य चूहों को जमीन के भीतर सुरंग बनाने से रोकना है ताकि भविष्य में ब्रिज को किसी भी प्रकार के संरचनात्मक नुकसान से बचाया जा सके।

ब्रिज के आसपास भी होगा सौंदर्यीकरण

जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर के अनुसार सुधार का यह कार्य केवल ब्रिज तक सीमित नहीं है। रीगल स्थित गांधी प्रतिमा परिसर में भी चूहों के कारण जमीन खोखली होने की शिकायतें मिली थीं, जिसे देखते हुए वहां भी इंटरलाकिंग टाइल्स लगाने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। इसके साथ ही रेलवे स्टेशन और रीगल के आसपास के अन्य हिस्सों में भी पुरानी टाइल्स को हटाकर नई हैवी लॉकिंग टाइल्स लगाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है ताकि पैदल चलने वालों को बेहतर सुविधा मिल सके। अधिकारियों ने बताया कि आने वाले समय में यहां पांच करोड़ रुपये की लागत से सौंदर्यीकरण और रिटर्निंग वॉल का निर्माण भी प्रस्तावित है।

बाधाओं को हटाने और टेंडर प्रक्रिया पर जोर

सड़क निर्माण के दौरान कई दुकानों और मकानों के बाधक हिस्सों को हटाया है, लेकिन कुछ धार्मिक स्थलों और निजी संपत्तियों के कारण मामला अब भी पेचीदा बना हुआ है। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ कई दौर की बैठकों के बाद भी फिलहाल कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। निर्माण कार्यों के लिए टेंडर भी जारी किए जा रहे हैं, लेकिन ठेकेदारों की रुचि कम होने के कारण कुछ तकनीकी कार्य अटके हुए हैं। प्रशासन अब इन सभी बाधाओं को दूर कर चंद्रभागा तक की सड़क को पूर्ण रूप देने की कोशिश में जुटा है।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।